@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
सोमवार, 8 सितंम्बर 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 299 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

भाजपा सांसदों की दो दिवसीय कार्यशाला में शामिल हुए प्रधानमंत्री

जीएसटी सहित कई मुद्दों पर हुई चर्चा

एजेंसी
नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को अपने सांसदों के लिए दो दिवसीय सांसद कार्यशाला शुरू की। संसद परिसर में आयोजित इस कार्यशाला में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हुए और वे पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ पीछे वाली सीट पर बैठे नजर आए। प्रधानमंत्री ने रविवार को कार्यशाला की तस्वीरें ट्वीट करते हुए कहा कि दिल्ली में सांसद कार्यशाला' में भाग लिया। पूरे भारत से आए सांसद सहयोगियों और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने विविध मुद्दों पर बहुमूल्य विचारों का आदान-प्रदान किया।

सूत्रों के अनुसार कार्यशाला में पहले दिन उपराष्ट्रपति चुनाव की तैयारियों पर चर्चा हुई। सांसदों ने

● कार्यशाला के दूसरे दिन सोमवार को उपराष्ट्रपति चुनाव में वोटिंग को लेकर ट्रेनिंग दी जाएगी

जीएसटी सुधारों के लिए प्रधानमंत्री मोदी को बधाई दी। कार्यशाला के दूसरे दिन सोमवार को उपराष्ट्रपति चुनाव में वोटिंग को लेकर ट्रेनिंग दी जाएगी। ट्रेनिंग सेशन में सांसदों को बैलट पेपर पर सही निशान लगाने, चुनाव अधिकारी की ओर से दिया गया पेन का इस्तेमाल करने और बैलट पेपर को सही तरीके से मोड़कर बॉक्स के अंदर डालने की जानकारी दी जाएगी, ताकि वोट अमान्य न हों। एनडीए का सारा ध्यान क्रॉस वोटिंग रोकने और अवैध वोटों को कम करने पर है। सांसद रवि किशन और डॉ. मेधा कुलकर्णी ने एक्स पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीरें साझा की।

डॉ. कुलकर्णी ने अपने संदेश में कहा कि आज दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी के सांसदों की कार्यशाला के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सामान्य सांसद की तरह सबसे पीछे जाकर बैठे। ना कोई दिखावा, ना पद का घमंड और ना ही कोई विशेषाधिकार। यह कोई साधारण क्षण नहीं अपितु एक मजबूत संदेश है, जो आज हमारे प्रधान सेवक नरेंद्र मोदी ने हम सबको दिया है।

संबित पात्रा का आरोप, कहा- 'घुसपैठिया बचाओ आंदोलन' चला रहा है विपक्ष

कोलकाता हाई कोर्ट इस मामले का स्वतः संज्ञान ले और ऐसे व्यक्ति को जेल भेजा जाए।

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने रविवार को विपक्ष पर घुसपैठियों का समर्थन करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं को धमकियां दी जा रही हैं, जो लोकतंत्र और समाज दोनों के लिए गंभीर खतरा है। उन्होंने इस पर कठोर कार्रवाई की मांग की।

भाजपा मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में पार्टी प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि बिहार में आरंभ किए गए मतदाता सूची को अपडेट करने के विशेष अभियान को लेकर कांग्रेस और गांधी परिवार सहित पूरा विपक्ष हताशा और निराशा में है। इसी कारण विपक्ष 'घुसपैठिया बचाओ आंदोलन' चला रहा है और राहुल गांधी की यात्रा 'घुसपैठिया बचाओ यात्रा' में बदल गई है। पात्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त को स्पष्ट कहा था कि देश को हर कीमत पर घुसपैठियों से बचाना होगा। इसके बावजूद विपक्षी दल इसके विरुद्ध बयान दे रहे हैं। उन्होंने बख्शी की धमकी पर भी चिंता जताई। बख्शी ने कथित रूप से कहा था कि यदि भाजपा विधायक

झारखंड के मंत्री इरफान अंसारी के बयान का उल्लेख किया, जिसमें कहा गया था कि जो घुसपैठियों का मुद्दा उठाएगा, उसकी भाजपा की कब्र झारखंड में खोद दी जाएगी। पात्रा ने इसे बेहद अस्वीकार्य बताया। उन्होंने पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष अब्दुल रहीम घुसपैठियों के खिलाफ बोलेंगे तो उन पर तेजाब फेंका जाएगा। पात्रा ने कहा कि तेजाब फेंकने की धमकी गंभीर अपराध है और इस पर तुरंत कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने अपील की कि कोलकाता हाई कोर्ट इस मामले का स्वतः संज्ञान ले और ऐसे व्यक्ति को जेल भेजा जाए।

छत्तीसगढ़ के गुंजेपर्ती में सुरक्षाबलों ने नक्सलियों के हथियार और विस्फोटक बनाने का ठिकाना किया ध्वस्त

एजेंसी
बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर के थाना उसूर क्षेत्रांतर्गत गुंजेपर्ती के जंगलों में सुरक्षाबलों ने रविवार को संयुक्त कार्रवाई में नक्सलियों की एक बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया। इस कार्रवाई के दौरान सुरक्षा बलों ने नक्सलियों के छिपाकर रखे गए हथियार, विस्फोटक तैयार करने के उपकरण और भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री को बरामद किया। बीजापुर एसपी जितेंद्र यादव ने बताया कि बरामद सामग्री में लेथ मशीन, इलेक्ट्रिक जनरेटर, वाटर पम्प, इलेक्ट्रिक कटर, भारी उपकरणः हाइड्रोलिक सिलेंडर, जेक्स, स्पूलर, मोटर पार्ट्स, औद्योगिक उपयोग की वस्तुएं, वायर, टूल बॉक्स, ड्रिल बिट्स, कंटेनर, स्टील प्लेट्स, विस्फोटक निर्माण सामग्री शामिल है। इसके अलावा दवाइयां भी मिली हैं।

घुसपैठियों की वोटों से बिहार में सरकार बनना चाहती है कांग्रेस : धनखड़

एजेंसी
चंडीगढ़। कांग्रेस घुसपैठियों की वोटों से बिहार में सरकार बनना चाहती है । चुनाव आयोग संविधान के दायरे में एक एक वोट की जांच पड़ताल कर रहा है। कांग्रेस हर हार के बाद नया बहाना ढूंढ रही है। भाजपा राष्ट्रीय सचिव औमप्रकाश धनखड़ ने झज्जर में पंजाब के बाढ़ पीड़ितों को राहत सामग्री से भरे ट्रक रवाना करने उपरांत पत्रकारों से बातचीत करते हुए यह बात कही। धनखड़ ने कांग्रेस सांसद जयप्रकाश के हरियाणा में चार-पांच दिन में वोट चोरी का बम फोड़ने वाले बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि मुझे लगता है कि कांग्रेस पार्टी का कॉन्फिडेंस लूज हो गया है । उनकी एक पूरी ट्रेल देखेंगे तो कभी वह ईवीएम पर आरोप लगाते हैं , कभी वह चौकीदार को कहने लगते हैं। उन्होंने कहा कि कभी यह वोटो पर कह रहे हैं लेकिन इनके वोट तो है नहीं । लोग इनको वोट देते ही नहीं और यह वहां रखवाली करने

गए थे घुसपैठियों के वोटो की और वो यह कर नहीं पा रहे । इन्होंने कई राज्यों में इस बात का स्वाद चख लिया था और आप सबको याद होगा असम में कितने दिन आंदोलन चला था घुसपैठियों के खिलाफ और आपको मालूम है कि आशु स्टूडेंट ऑर्गेनाइजेशन की सरकार बन गई थी। घुसपैठियों के खिलाफ और कौन थे घुसपैठिए जिन्होंने घुसने दिए और कौन थे वह जिन्होंने वोट बनाए वो यही कांग्रेसी थे।वर्षों तक असम इस बात के लिए लड़ता रहा, यही बंगाल में और अब यह लोग बिहार में भी ऐसा ही चाहते हैं। धनखड़ ने कहा कि घुसपैठियों के वोट इनको मिलेंगे नहीं, चाहे कुछ भी कहते रहे और चुनाव आयोग एक-एक वोट की जांच कर रहा है और यह लोग घुसपैठियों की वोटों पर सरकार बनना चाहते हैं । जनता समझदार इनका सपना पूरा नहीं होने देगी।

राहुल गांधी खुद भारतीय राजनीति के सबसे बड़े हाइड्रोजन बम : भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया

बेंगलुरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी किसी भी संवैधानिक संस्था में विश्वास नहीं करते, और देश की जनता 'नकली गांधी परिवार' में विश्वास नहीं करती है। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया रविवार को मीडिया से बातचीत में राहुल गांधी के 'हाइड्रोजन बम' वाली टिप्पणी पर जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा, 'मैं कहना चाहूंगा कि राहुल गांधी खुद भारतीय राजनीति के सबसे बड़े हाइड्रोजन बम रहे हैं। समस्या यह है कि वे फट जाते हैं, और जब वे फटते हैं, तो कांग्रेस पार्टी फट जाती है।'

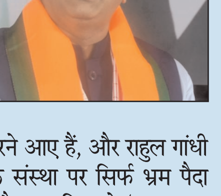

उन्होंने कहा, 'हम यहां प्रगतिशील, सकारात्मक विकासवादी राजनीति की बात करने आए हैं, और राहुल गांधी एक रोने वाले बच्चे की तरह हर संवैधानिक संस्था पर सिर्फ भ्रम पैदा करते हैं और सवाल उठाते हैं।' इस दौरान, गौरव भाटिया ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के विषय पर दो टूक शब्दों में कहा कि इसे कोई नहीं रोक सकता है। उन्होंने कहा कि 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' सपना नहीं रहेगा, बल्कि साकार होगा। इस दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। कर्नाटक के बेंगलुरु में रविवार को भाजपा ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' कार्यक्रम रखा, जिसमें गौरव भाटिया भी शामिल हुए।

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर 21 सितंबर को देश के 75 शहरों में होगा 'नमो युवा रन' अभियान

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 75वें जन्मदिन पर भाजपा युवा मोर्चा 21 सितंबर को सुबह 7 बजे 'नमो युवा रन' का आयोजन करेगा। देशभर के 75 स्थानों पर 10 लाख युवा इस रन में शामिल होंगे। सांसद तेजस्वी सूर्या ने पीएम मोदी को सबसे बड़ा फिटनेस आइकन बताया। अभिनेता और फिटनेस मॉडल मिलिंद सोमन को इस कार्यक्रम का एंबेसडर बनाया गया है। सांसद तेजस्वी सूर्या और केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया ने रविवार को भाजपा मुख्यालय में एक प्रेस वार्ता में संयुक्त रूप से इस अभियान की घोषणा की। इस अवसर पर अभिनेता और मॉडल मिलिंद सोमन को 'नमो युवा रन' का एंबेसडर घोषित किया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ पर तेजस्वी सूर्या और मिलिंद सोमन ने 'पुश-अप चैलेंज' में भी भाग लिया।

राहत सामग्री नहीं, दिल्ली के लोगों का स्नेह व समर्थन है: सीएम रेखा गुप्ता

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली, 7 सितंम्बर। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि पंजाब में आई बाढ़ ने हजारों परिवारों को बेघर और बेसहारा कर दिया है। ऐसे कठिन समय में दिल्ली सरकार उनका दर्द बांटने और हरसंभव सहयोग देने के लिए संकल्पबद्ध है। उन्होंने कहा कि यह राहत सामग्री केवल सामान नहीं, बल्कि दिल्ली के लोगों का स्नेह और समर्थन है, जो पंजाब के भाइयों और बहनों तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इन ट्रकों में खाद्यान्न, पीने का पानी, कपड़े, तिरपाल, दवाइयां, सैनिटरी किट, बच्चों के लिए दूध पाउडर और रोज़मर्रा की आवश्यक वस्तुएं शामिल हैं। दिल्ली सरकार ने राहत सामग्री के संग्रह और पैकिंग की पूरी प्रक्रिया को युद्धस्तर पर संचालित किया ताकि जल्द से जल्द प्रभावित इलाकों तक मदद पहुंचाई जा सके। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यह

भी जानकारी दी कि राहत सामग्री के अतिरिक्त दिल्ली सरकार ने 5 करोड़ रुपये की राशि पंजाब मुख्यमंत्री राहत कोष में भी भेजी है। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार की आवश्यकता अनुसार दिल्ली हर संभव सहयोग देने के लिए तत्पर है। मुख्यमंत्री ने स्वयं पंजाब के मुख्यमंत्री से बात कर आश्वासन दिया है कि जब तक स्थिति सामान्य नहीं हो जाती, दिल्ली अपने पंजाब के भाई-बहनों का हाथ थामे रहेगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली और पंजाब केवल पड़ोसी राज्य नहीं हैं, बल्कि भावनात्मक और सांस्कृतिक रूप से भी गहराई से जुड़े हुए हैं। पूरा देश वसुधैव कुटुम्बकम की भावना से चलता है। इस वक्त प्राकृतिक विपदाओं के कारण देश एवं पंजाब उलझन एवं तकलीफ में है और हमें इस मुसीबत के वक्त एक दूसरे का हाथ पकड़ना चाहिए। शेष पृष्ठ 3 पर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने उत्तराखण्ड बाढ़ राहत के लिए 5 करोड़ रुपये की सहायता भेजी

एजेंसी
जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को आपदा प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत पहुंचाने एवं पुनर्वास कार्यों में सहयोग के लिए मुख्यमंत्री सहायता कोष से 5 करोड़ रुपये की राशि डी.डी. के जरिए भेजी है। इसके साथ ही, शर्मा ने धामी से फोन पर बातचीत में कहा कि राजस्थान संकट की इस घड़ी में उत्तराखण्ड के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। शर्मा ने धामी को लिखे पत्र में कहा कि उत्तराखण्ड में हाल ही में आई भीषण बाढ़ से उत्पन्न स्थिति एवं उससे हुई जनहानि के समाचार अत्यंत दुखद एवं व्यथित करने वाले हैं। उन्होंने उत्तराखण्ड के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जनजीवन शीघ्र सामान्य होने तथा पीड़ित परिवारों को संबल और धैर्य प्राप्त होने की प्रार्थना की।

चंद्र ग्रहण के चलते हर की पैड़ी पर दोपहर को हुई संध्याकालीन गंगा आरती

एजेंसी
हरिद्वार। चंद्रग्रहण से पूर्व सूतक के चलते हरिद्वार में हर की पैड़ी पर संध्याकालीन मां गंगा की आरती रविवार को दोपहर में ही संपन्न हुई। सामान्यतः ग्रीष्मकालीन गंगा मां की आरती शाम को 6:30 बजे प्रारंभ होती है, लेकिन आज यह आरती दोपहर 12:30 बजे की गई। चन्द्रग्रहण की वजह से आरती समय से पूर्व की गई। गंगा सभा के महामंत्री तन्मय वशिष्ठ ने बताया कि विशेष खगोलीय स्थिति को देखते हुए यह निर्णय लिया गया। उन्होंने बताया कि रविवार रात 9:57 बजे से पूर्ण चंद्रग्रहण शुरू होगा, जो रात 1:27 बजे तक चलेगा। इसी कारण सूतक काल शुरू होने से पहले ही मां गंगा की संध्या आरती सम्पन्न कर दी गई और मंदिर के कपाट बंद कर दिए गए। उन्होंने कहा कि जैसे ही चंद्र ग्रहण समाप्त होगा, वैसे ही गंगाजल से मंदिर को पूरी तरह धोकर कपाट फिर से खोल दिए जाएंगे। ज्योतिषाचार्य पंडित प्रदीप जोशी ने बताया कि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सूतक काल में कोई भी धार्मिक या शुभ कार्य नहीं किए जाते। इसी कारण पितृपक्ष के आरंभ के साथ आज पिंडदान के कार्य भी श्रद्धालुओं को सूतक लगने से पहले ही करने की सलाह दी गई।

● चन्द्रग्रहण की वजह से आरती समय से पूर्व की गई।

खड़गे ने कर्नाटक में बैलेट पेपर से स्थानीय निकाय चुनाव कराने के फैसले का किया स्वागत

एजेंसी
कलबुर्गी। कर्नाटक सरकार ने मतपत्रों (बैलेट पेपर) से स्थानीय निकाय चुनाव कराने का निर्णय लिया है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को राज्य सरकार के इस फैसले का स्वागत किया। मल्लिकार्जुन खड़गे ने मतपत्रों से निकाय चुनाव कराने के फैसले को लोकतांत्रिक प्रक्रिया को और पारदर्शी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा, ÷मतपत्रों का उपयोग मतदाताओं में विश्वास बढ़ाएगा और चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता को सुनिश्चित करेगा।' खड़गे ने कर्नाटक सरकार के इस निर्णय की सराहना करते हुए कहा कि यह जनता की आवाज को मजबूती प्रदान करेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करने और अपना दोस्त बताने को लेकर खड़गे ने निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'मोदी और वे अच्छे दोस्त हो सकते हैं, लेकिन उनकी नीतियां देश के हितों के खिलाफ हैं। भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाकर अंतरराष्ट्रीय संबंधों को नुकसान पहुंचाया, जिसका असर आम जनता पर पड़ा।'उन्होंने कहा, 'मोदी और ट्रंप ने भले ही एक-दूसरे के लिए वोट मांगे, दुनिया में ऐसा कहीं देखने को नहीं मिलेगा, जहां पर कोई दूसरे देश में जाकर एक कैंडिडेट को सपोर्ट करेगा, यह गलत है और देश के सिद्धांतों और विचारधारा के खिलाफ है।

युवाओं को रोजगार से जोड़ने पर मिशन मोड में जुटी योगी सरकार

286 राजकीय आईटीआई में 1.84 लाख सीटें उपलब्ध | 1510 अनुदेशक नियुक्त, 341 पदों का परिणाम जल्द

एजेंसी
लखनऊ। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, लखनऊ द्वारा वर्ष 2025 में घोषित अंतिम परिणामों में व्यावसायिक शिक्षा के चयनित विभिन्न व्यवसायों के 1510 अनुदेशकों को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का शुभारम्भ रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोक भवन स्थित ऑडिटोरियम में किया। इस अवसर पर प्रदेश के सभी जनपदों में भी भव्य कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जहां सांसद एवं विधायकगण सफल अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान कर युवाओं के सपनों को साकार करने के साक्षी बने। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश सरकार ÷सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास÷ के मंत्र के साथ निरंतर कार्यरत है। देश के सबसे अधिक युवाओं वाले प्रदेश की युवा आकांक्षाओं को देखते हुए उन्हें रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है।

प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि प्रशिक्षण क्षमता बढ़ाने के लिए प्रदेश के 286 राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में 92 व्यवसाय संचालित हैं, जिनमें 1,84,280 सीटें उपलब्ध हैं। इन संस्थानों में 7768 अनुदेशक के पद स्वीकृत हैं, जिनमें से 6577 नियमित और 1191 आउटसोर्सिंग के हैं। वर्ष 2022 में रिक्त 2406 पदों पर भर्ती प्रक्रिया अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से प्रारम्भ की गई थी, जिसके तहत 1510 अनुदेशकों का चयन हुआ है। शेष 341 पदों का परिणाम भी शीघ्र घोषित होने की संभावना है। इस प्रकार कुल 1851 चयनित अनुदेशक विभाग को प्राप्त होंगे, जिनसे राजकीय आईटीआई में गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण सुनिश्चित होगा।

● 60 से अधिक नए आईटीआई की हुई स्थापना
● 5000 करोड़ की परियोजना से 150 आईटीआई का उन्नयन
● भविष्य की तकनीकों में युवाओं को मिल रहा प्रशिक्षण

प्रदेश सरकार ने बीते आठ वर्षों में 60 से अधिक नए राजकीय आईटीआई स्थापित कर संचालन प्रारम्भ कराया है। वर्तमान में 324 राजकीय आईटीआई के माध्यम से 82 ट्रेड में लगभग 1.84 लाख युवाओं को कौशल प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा रहा है। किसी भी इच्छुक युवा की आर्थिक स्थिति प्रशिक्षण में बाधा न बने, इसके लिए मासिक फीस मात्र 40 रुपए निर्धारित की गई है। साथ ही प्रदेश के लगभग 3000 निजी आईटीआई में 6 लाख सीटों पर प्रशिक्षण उपलब्ध है। यहां प्रवेश लेने वाले युवाओं को फीस प्रतिपूर्ति और छात्रवृत्ति की सुविधा भी दी जा रही है। सरकार ने राजकीय आईटीआई को सुदृढ़ करने हेतु प्रधानाचार्यों के 150 से अधिक और प्रशिक्षकों के 1510 रिक्त पदों पर योग्य अभ्यर्थियों की नियुक्ति की है। इसके अतिरिक्त 900 से अधिक पद आउटसोर्सिंग के माध्यम से भरे गए हैं। भविष्य की तकनीकों जैसे सेमीकंडक्टर टेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रिक व्हीकल, लेजर कटिंग, सीएनसी, थ्री डी प्रिंटिंग, डिजिटल कम्युनिकेशन आदि में युवाओं को प्रशिक्षित करने के लिए आईटीआई का उन्नयन किया जा रहा है।

पंजाब के मुक्तसर साहिब में गैंगस्टर गोल्डी बराड़ का साथी गिरफ्तार, पांच पिस्तौलें बरामद

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस की गैंगस्टर विरोधी टास्क फोर्स (एजीटीएफ) ने गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के एक साथी को गिरफ्तार करके उसके पास से पांच .32 बोर पिस्तौलों सहित 10 जिंदा कारतूस बरामद किये हैं। पुलिस महानिदेशक पंजाब गौरव यादव ने रविवार को बताया कि गिरफ्तार किए गए जिला बठिंडा के माही नंगल निवासी बलजिंदर सिंह उर्फ़ रैंच की आपराधिक पृष्ठभूमि है और उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज है। वह सरहदी राज्य में शांति और सद्भावना भंग करने के लिए गोल्डी बराड़ गैंग को अवैध हथियारों की सप्लाई करता था। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि बरामद किये गए हथियार गोल्डी बराड़ के निर्देशों पर उसके मुख्य सहयोगी कपूरथला जेल में बंद मलकियत सिंह उर्फ़ किट्टा भानी के ज़रिये खरीदे गए थे।

भारत का अशोक स्तंभ सिर्फ बिहार के सम्राट अशोक का स्तंभ नहीं है

गिरिराज बोले– राहुल गांधी बिहार को कितनी बार अपमानित करेंगे?

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर देश को अपमानित करने का आरोप लगाते हुए कहा कि अगर देश राहुल गांधी के इशारे पर चलेगा, तो बर्बाद हो जाएगा। राहुल गांधी विदेश जाकर देश का अपमान करते हैं। उन्होंने कहा कि मैं राहुल गांधी, तेजस्वी और लालू यादव से पूछना चाहता हूं कि आखिर वे बिहार को कितनी बार अपमानित करेंगे? एसआईआर को लेकर सीएम स्टालिन से अभद्र टिप्पणी करवाई गई। सीएम रेवंत रेड्डी ने बिहार के डीएनए पर सवाल उठाए और राहुल गांधी ने कश्मीर में क्या करवा दिया? कश्मीर में राहुल गांधी और फारुक अब्दुल्ला की सरकार है। भारत का अशोक स्तंभ सिर्फ बिहार के सम्राट अशोक का स्तंभ नहीं है। इसे संविधान और पूरे देश ने अपनाया है।

उन्होंने कहा कि कश्मीर से लेकर केरल और बिहार तक अभद्र बातें कही गई और अब वे अशोक सम्राट पर आ गए हैं। राहुल गांधी ने हाइड्रोजन बम फोड़ने की बात कही थी, लेकिन अंत में बीड़ी बम फोड़ा। कांग्रेस ने बिहारियों की तुलना बीड़ी बम से की, लेकिन ये बीड़ी बम ही उनका हाइड्रोजन बम था। गिरिराज ने तेजस्वी यादव से कांग्रेस गठबंधन से अलग होने की मांग की। उन्होंने कहा कि अगर राहुल गांधी जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस की सरकार का समर्थन करते हैं, तो तेजस्वी को कांग्रेस से अलग होना चाहिए। इतना ही नहीं, राहुल गांधी को फारुक अब्दुल्ला से संबंध तोड़ना चाहिए, अगर वे उनके साथ गठबंधन नहीं तोड़ते हैं, तो उन्हें माफी मांगनी चाहिए।

गिरिराज ने जीएसटी को लेकर कहा कि जीएसटी में सुधार का फैसला पीएम मोदी की गरीबों, मध्यम वर्ग और देश के प्रति सोच और भावनाओं को दर्शाता है। उन्होंने 27 करोड़ गरीबों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाया। अब जीएसटी को सरल और कम करके, उन्होंने दुर्गा पूजा और दीपावली पर देवी लक्ष्मी से प्रार्थना की ताकि गरीब घरों में त्योहार ठीक से मनाए जा सकें। इसीलिए उन्होंने इसे लागू किया। ऐसे मौके हर साल आते रहेंगे और पीएम मोदी इसी तरह तोहफे देते रहेंगे। गिरिराज ने तेजस्वी यादव के बयान पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि वे अनाप-शनाप बातें करते हैं। अगर उनको समझ में नहीं आता तो किसी से भी पूछ लें, लेकिन कम से कम बिहार का अपमान न करें। अपने पिताजी के कार्यकाल को याद करें।

बिहार विधानसभा चुनाव पूर्व प्रशांत किशोर का ऐलान– हमारी पार्टी की सरकार बनी तो 100 भ्रष्ट मंत्री–अफसर जाएंगे जेल

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति में चुनावी सरगर्मी बढ़ते ही जन सुराज पार्टी के संस्थापक और चुनाव रणनीतिकार रह चुके प्रशांत किशोर (पीके) ने एक बड़ा ऐलान किया है। खगड़िया में आयोजित बिहार बदलाव सभा में हजारों की भीड़ को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अगर उनकी पार्टी की सरकार बनी तो भ्रष्ट नेताओं और अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। यहां पर पीके ने कहा, कि बिहार के जो सबसे भ्रष्ट 100 मंत्री और अधिकारी हैं, उन्हें अभी से पूजा-पाठ करना शुरू कर देना चाहिए।

जन सुराज पार्टी की सरकार बनी तो वे सीधे जेल जाएंगे और उनकी अवैध कमाई उनके बच्चों से भी वसूली जाएगी। प्रशांत किशोर ने राजद पर सीधा हमला करते हुए आरोप लगाया कि पार्टी की पूरी फंडिंग बालू और शराब माफिया से होती है। उन्होंने कहा, लालू परिवार ने बिहार को गर्त में धकेल दिया है। इसी के साथ उन्होंने तेजस्वी यादव को भी कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि उपमुख्यमंत्री रहते हुए तेजस्वी के कार्यकाल में लूट और गुंडागर्दी चरम पर रही। उन्होंने कहा, कि तेजस्वी अपने माता-पिता के पदचिन्हों पर चलते हुए भ्रष्टाचार और अपराध को बढ़ावा दे रहे हैं, इसी वजह से बिहार की हालत लगातार बिगड़ती गई। लोगों से अपील करते हुए पीके ने कहा कि अब बिहार को बदलने के लिए नई राजनीति की जरूरत है और जन सुराज पार्टी ही एकमात्र ऐसा विकल्प है, जो भ्रष्टाचार और गुंडागर्दी से मुक्त सरकार दे सकती है। पार्टी लगातार जिलों में सभाओं और अभियानों के जरिए जनता से जुड़ने की रणनीति पर काम कर रही है।

झारखंड में 10 लाख का इनामी नक्सली अपटन एनकाउंटर में ढेर

रांची (एजेंसी)। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले के गोईलकेरा की आराहासा पंचायत के रेलापराल गांव के पास जमकर मुठभेड़ हुई। यहां की बुरजूवा पहाड़ी पर रविवार तड़के हुई मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने दस लाख के इनामी नक्सली सब जोनल कमांडर अमित हांसदा उर्फ अपटन को ढेर कर दिया गया है। सुरक्षाबलों ने घटना स्थल से एक एसएलआर रायफल भी बरामद दिया है। एसपी राकेश रंजन ने इसकी पुष्टि की है। एक माह में यह दूसरी मुठभेड़ हुई है, जिसमें सुरक्षाबलों को कामयाबी मिली है। सुरक्षाबलों ने एक माह पूर्व मुठभेड़ में छत्तीसगढ़ के नक्सली को मार गिराया था। मिली जानकारी के अनुसार, चाईबासा एसपी को गुप्त सूचना मिली थी कि गोइलकेरा के रेला पराल क्षेत्र में नक्सली संगठन के सक्रिय सदस्य मौजूद हैं। इसके पुलिस, कोबरा और सीआरपीएफ ने संयुक्त सर्च अभियान चलाया गया। सर्च अभियान के दौरान नक्सलियों ने सुरक्षाबलों को देखते ही फायरिंग शुरु कर दी। इसके बाद सुरक्षाबलों ने भी मोर्चा संभाला और फायरिंग शुरू की। सुरक्षाबलों भारी पड़ता देख नक्सली जंगल और पहाड़ी का फायदा उठाते हुये जंगल में भाग खड़े हुये। अभियान के दौरान सुरक्षाबलों ने एक नक्सली का शव बरामद किया है। जिसकी पहचान अमित हांसदा उर्फ अपटन के रूप में हुई है। मारे गये नक्सली अमित हांसदा जोनल कमेटी मेंबर था और उस पर दस लाख का इनाम था।

तेलंगाना की केमिकल फैक्ट्री में चल रहा था नशे का कारोबार, छापे में मिली करोड़ों की नशीली ड्रग्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। मीरा–भयंदर, वसई–विरार पुलिस के एंटी–नारकोटिक्स सेल और अपराध शाखा ने तेलंगाना में एक केमिकल मैन्युफैक्चरिंग फैक्ट्री के नाम पर चल रहे कार्टेल का भंडाफोड़ किया है। यह फैक्ट्री हैदराबाद के पास चेरलापल्ली औद्योगिक क्षेत्र में स्थित थी। वाघदेवी लैब्स नाम से संचालित यह फैक्ट्री वैध लगती थी, लेकिन यहां बड़े पैमाने पर नशीले पदार्थों का उत्पादन किया जा रहा था। पुलिस ने यहां से 12 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिसमें एक विदेशी नागरिक भी है। वहीं 12 हजार करोड़ रुपए की एमडी ड्रग्स भी जब्त की है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एमडी का पूरा नाम मेफेड्रोन है। इसे म्याऊ म्याऊ, मेफ, एम–कैट या मियाऊ के नाम से भी जाना जाता है। यह एम्फैटेमिन दवाओं के ग्रुप में शामिल है, जिसमें स्पीड और बहुत ज्यादा खुशी का अनुभव होता है। नशीले पदार्थों की जब्ती के संबंध में यह बीते कुछ सालों की सबसे बड़ी रेड बताई जा रही है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि फैक्ट्री की जड़ तक पहुंचने के लिए पहले गिरोह में अपने लोगों की घुसपैठ कराई। कई हफ्तों की जोखिम भरी कोशिश के बाद गिरोह का भंडाफोड़ किया गया। छापे में पुलिस ने अत्याधुनिक रासायनिक उपकरण, ड्रग प्रोडक्शन यूनिट और करीब 32 हजार लीटर प्रीकर्सर केमिकल सहित कच्चे माल का जखीरा बरामद किया है। इस ड्रग्स को महाराष्ट्र और दूसरे राज्यों में सप्लाई किया जाता था। फैक्ट्री को सील कर दिया गया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

कोल्हापुर में एक 10 साल के मासूम को खेलते–खेलते आया हार्ट अटैक, मां की गोद में तोड़ा दम

कोल्हापुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले के पन्हाला तहसील के कोडोली गांव से दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। यहां 10 वर्षीय श्रवण अजीत गावड़े को खेलते–खेलते अचानक बेचैनी महसूस हुई, वह भागकर घर पहुंचा। मां की गोद में लेटते ही उसकी सांसें थम गईं। जानकारी अनुसार गणपति मंडल पंडाल में दोस्तों के साथ खेल रहे श्रवण को अचानक बेचैनी महसूस हुई थी। घबराकर वह घर पहुंचा और मां से कहा कि उसकी तबीयत खराब है। कुछ ही पलों बाद उसने मां की गोद में ही दम तोड़ दिया। परिजन तुरंत उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। परिवारजनों का कहना है कि बच्चे की मौत गंभीर हृदयाघात (हार्ट अटैक) से हुई। श्रवण की मौत से पूरे गांव में शोक की लहर है। परिवार पहले ही एक बड़ी त्रासदी झेल चुका है। चार साल पहले अजीत गावड़े की बेटी की भी मौत हो गई थी। अब इकलौते बेटे की असमय मौत से घर में मातम छा गया है। श्रवण के चाचा गजानन गावड़े ने बताया कि वह बेहद चंचल और मिलनसार बच्चा था। एक बच्चे की हृदयाघात से मौत ने सभी को सदमें में ला दिया है।

मदरसे के सीनियर छात्रों ने छात्र का किया यौन शोषण, हत्या कर सेप्टिक टैंक में फेंका

-पुलिस ने पांच नाबालिगों को पकड़ा, मदरसे ने पांच के नाम का काटे

नयागढ़ (एजेंसी)। ओडिशा के नयागढ़ जिले में एक मदरसे में नाबालिग छात्र की कथित तौर पर हत्या कर दी गई है। पुलिस के मुताबिक छात्र का यौन उत्पीड़न किया गया और फिर उसके ही सीनियर ने उसकी हत्या कर दी। इस मामले पांच नाबालिगों को हिरासत में लिया गया है। पीड़ित छात्र कटक जिले का रहने वाला था और नीलमणि में एक मदरसे में पढ़ता था। उसके पिता की शिकायत के मुताबिक उसकी हत्या बाथरूम के अंदर की गई और उसके शव को एक सेप्टिक टैंक में फेंक दिया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने बताया कि पीड़ित छात्र को एक सीनियर छात्र बार–बार प्रताड़ित करता था। 31 अगस्त को दोपहर 1 बजे के करीब, दो छात्रों ने उसका यौन शोषण करने के बाद उस पर हमला किया और उसे मृत मानकर सेप्टिक टैंक में फेंक दिया। बच्चा उस रात तो भागने में कामयाब रहा, लेकिन 2 सितंबर को उसे बचाने के बहाने दो छात्रों ने फिर उसी जगह पर बुलाया। तीन अन्य छात्रों के साथ मिलकर उन्होंने कथित तौर पर उसका यौन शोषण किया। इसके बाद गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी और शव को टैंक में फेंक दिया। रिपोर्ट के मुताबिक फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से नमूने एकत्र किए और गवाहों के बयानों ने आरोपियों की संलिप्तता की पुष्टि की। 12 से 15 साल की उम्र के सभी पांचों नाबालिगों पर यौन अपराध का मामला दर्ज किया है। पुलिस ने कहा कि उन्होंने अपना अपराध कबूल कर लिया है। मदरसे ने उनके नाम अपने रिकॉर्ड से हटा दिए हैं और उनके जन्म प्रमाण पत्र जब्त कर लिए हैं।

महिला जजों की संख्या बढ़ाई जाए : पूर्व सीजेआई रमना

–अधिवक्ता सिंघवी ने किया समर्थन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) एनवी रमना ने अदालतों में महिलाओं के प्रतिनिधित्व को बढ़ाने की जरूरत पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि बिना उचित प्रतिनिधित्व के लैंगिक समानता पर बात करना केवल दिखावा है। रमना ने इस आशय के विचार दिल्ली स्थित एसआरएम स्कूल ऑफ लॉ में आयोतित एक कार्यक्रम के दौरान व्यक्त किए।

यहां रमना ने बताया कि अब तक सुप्रीम कोर्ट में केवल 11 महिला जज बनी हैं। इनमें से तीन ने 31 अगस्त 2021 को उनके कार्यकाल में शपथ ली थी। वर्तमान में जस्टिस बीवी नागरत्ना 2027 में देश की पहली महिला सीजेआई बनने जा रही हैं, हालांकि उनका कार्यकाल सिर्फ 36 दिनों का होगा। रमना ने कहा कि संस्थाओं को समाज का प्रतिबिंब होना चाहिए और लैंगिक विविधता केवल औपचारिकता नहीं बल्कि सामाजिक वास्तविकताओं को समझने और न्याय प्रणाली को समृद्ध करने के लिए आवश्यक है।

उन्होंने न्यायपालिका के बुनियादी ढांचे पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल को हाल ही में ढांचागत कमी के चलते छह में से तीन कोर्टरूम बंद करने पड़े। सीजेआई के रूप में अपने कार्यकाल में उन्होंने सरकार से नेशनल ज्यूडिशियल इंफ्रास्ट्रक्चर अथॉरिटी बनाने की सिफारिश की थी, लेकिन यह प्रयास सफल नहीं हो सका।

पूर्व सीजेआई रमना ने शनिवार को जो बातें रखीं उन पर वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने भी समर्थन जताते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिशों को जल्द लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि हाईकोर्ट दशकों से दो-तिहाई क्षमता पर काम कर रहे हैं, जबकि निचली अदालतें 25,000 जजों की स्वीकृत संख्या के केवल चार-पांचवें हिस्से पर चल रही हैं। उन्होंने कहा कि अदालतों में लंबित मामलों की संख्या का सीधा संबंध जजों की कमी से है। न्यायपालिका में लैंगिक संतुलन और ढांचागत सुधार अब समय की मांग बन गए हैं।

उपराष्ट्रपति चुनाव पूर्व इंडिया ब्लॉक के सांसदों को खड़गे दे रहे डिनर पार्टी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार शाम संसद भवन में इंडिया ब्लॉक के सांसदों के लिए डिनर का आयोजन करने का फैसला किया है। यह बैठक उपराष्ट्रपति चुनाव से एक दिन पहले हो रही है, जिसका उद्देश्य विपक्षी एकता को मज़बूत करना और गठबंधन के उम्मीदवार जस्टिस (सेवानिवृत्त) बी. सुदर्शन रेड्डी के समर्थन को सुनिश्चित करना है।

गौरतलब है कि विगत 21 जुलाई को संसद के मॉनसून सत्र के पहले ही दिन स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए जगदीप धनखड़ ने पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद उपराष्ट्रपति का पद रिक्त हो गया था। अब चूंकि उपराष्ट्रपति चुनाव 09 सितंबर को होना है अतः एक दिन पहले कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे इंडिया ब्लॉक के सांसदों को डिनर पार्टी दे रहे हैं। बताया जा रहा है कि इंडिया ब्लॉक के उम्मीदवार को ओवैसी का भी समर्थन हासिल है। दरअसल एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने सोशल मीडिया पर लिखा, कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री से बातचीत के बाद उनकी पार्टी सुदर्शन रेड्डी का समर्थन करेगी। ओवैसी ने रेड्डी को हैदराबाद का गौरव और सम्मानित न्यायविद बताते हुए इंडिया ब्लॉक के साथ खड़ा होने का संकेत दिया है।

यहां बताते चलें कि 9 सितंबर को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव में बी. सुदर्शन रेड्डी और एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन के बीच सीधा मुकाबला होगा। 21 जुलाई को स्वास्थ्य कारणों से जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद उपराष्ट्रपति पद रिक्त हुआ था।

चुनाव की प्रक्रिया

उपराष्ट्रपति का चुनाव संसद के दोनों सदनों के सांसदों द्वारा किया जाता है। यह चुनाव संविधान के अनुच्छेद 64 और 68 तथा उपराष्ट्रपति चुनाव अधिनियम, 1952 के प्रावधानों के तहत होता है। मतदान आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली और एकल संक्रमणीय मत पद्धति से, गुप्त मतदान द्वारा कराया जाएगा।

जीएसटी में बदलाव से खेती की लागत कम होगी, किसानों का बढ़ेगा मुनाफा

–केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जीएसटी सुधारों के गिनाए लाभ

नई दिल्ली (एजेंसी) केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मध्यप्रदेश दौरे में पत्रकारों से बातचीत में जीएसटी को लेकर कहा कि जीएसटी सुधारों का कृषि क्षेत्र पर व्यापक प्रभाव पड़ेगा, जिससे छोटे और मध्यम किसानों को लाभ होगा। उन्होंने बताया कि कृषि उपकरणों पर जीएसटी दरों में कमी से खेती की लागत कम होगी और किसानों का मुनाफा बढ़ेगा।

चौहान ने कहा कि जैव-कीटनाशकों और सूक्ष्म पोषक तत्वों पर जीएसटी कम किया गया है, जिससे किसानों को फायदा होगा। साथ ही रासायनिक उर्वरकों से जैव-उर्वरकों की ओर किसानों का रुझान बढ़ेगा। डेयरी क्षेत्र में दूध और पनीर पर अब जीएसटी नहीं लगेगा, जिससे न केवल आम जनता को लाभ होगा, बल्कि किसानों, पशुपालकों और दूध उत्पादकों को भी फायदा होगा। उनहोंने कहा कि पीएम मोदी और सरकार यह तय करने की कोशिश कर रही है कि आम जनता को कोई परेशानी न हो। कृषि मंत्री ने पीएम को धन्यवाद देते हुए कहा कि हमारा संकल्प है कि कृषि में उत्पादन लागत कम हो और उत्पादन बढ़े। इससे किसानों का मुनाफा बढ़ेगा।

चौहान ने कहा कि जीएसटी सुधारों से किसानों को कई लाभ होंगे। कुछ कंपनियों ने इसकी शुरुआत कर दी है। कृषि उपकरणों जैसे ट्रैक्टर, हार्वेस्टर और रोटावेटर पर जीएसटी को 18 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी किया गया है। उदाहरण के तौर पर 9 लाख रुपए का ट्रैक्टर अब 65,000 रुपए सस्ता हो जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारे देश में किसानों की जोत छोटी है। इसलिए हम एकीकृत खेती को बढ़ावा दे रहे हैं, ताकि किसान खेती के साथ-साथ संबद्ध क्षेत्रों में भी काम कर सकें। उन्होंने कहा कि डेयरी क्षेत्र में मक्खन, घी और दूध के डिब्बों पर भी जीएसटी कम किया गया है, जिससे स्वदेशी उत्पादों की बिक्री बढ़ेगी और डेयरी क्षेत्र को प्रगति मिलेगी।

उनहोंने कहा कि 12 जैविक कीटनाशकों और सूक्ष्म पोषक तत्वों पर भी जीएसटी कम किया गया है। उर्वरकों के कच्चे माल जैसे अमोनिया, सल्फ्यूरिक एसिड और नाइट्रिक एसिड पर जीएसटी 18 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी किया गया है। इससे उर्वरकों की कीमतें कम होंगी और किसानों को इसका सीधा लाभ मिलेगा।

फिर मुंबई में बम धमाके की धमकी भरा संदेश, अब नायर अस्पताल को अज्ञात व्यक्ति ने किया ईमेल

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के प्रसिद्ध नायर अस्पताल में बम की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। यह धमकी शनिवार रात करीब 11 बजे अस्पताल के डीन के आधिकारिक ईमेल आईडी पर मिली। इस घटना से अस्पताल परिसर में कुछ देर के लिए भय और दहशत का माहौल बन गया। हालांकि, पुलिस द्वारा त्वरित निरीक्षण करने पर अस्पताल परिसर में कोई संदिग्ध या आपत्तिजनक वस्तु नहीं मिली। फिलहाल, पुलिस ईमेल भेजने वाले की तलाश में जुटी है। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, यह धमकी भरा ईमेल किसी अज्ञात व्यक्ति ने भेजा था। इसमें अस्पताल को बम से उड़ाने की चेतावनी दी गई थी। अस्पताल प्रशासन ने इस ईमेल की सूचना मुंबई पुलिस को दी। पुलिस ने बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड की मदद से अस्पताल परिसर की गहन जांच की। जांच के दौरान कोई संदेहास्पद वस्तु नहीं मिला। हालांकि, एहतियात के तौर पर अस्पताल परिसर में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। साथ ही, साइबर सेल के विशेषज्ञों ने इस ईमेल के पीछे के व्यक्ति की तलाश शुरू कर दी है।

- दो दिन पहले आया था मुंबई में धमाके की धमकी भरा संदेश

दूसरी ओर, गणेश चतुर्थी उत्सव के दौरान मुंबई ट्रैफिक पुलिस की व्हाट्सएप हेल्पलाइन पर एक धमकी भरा संदेश मिला। इस संदेश में, लश्कर-ए-जिहादी नामक एक संगठन ने दावा किया था कि 14 पाकिस्तानी आतंकवादी मुंबई में घुस आए हैं और एक बड़े विस्फोट को अंजाम देने के लिए 34 वाहनों में 400 किलोग्राम आरडीएक्स लगाने की योजना बना रहे हैं। इस धमकी ने मुंबई शहर को हाई अलर्ट पर रख दिया था। मुंबई पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की और उत्तरप्रदेश के नोएडा पुलिस की मदद से इस मामले के आरोपी अश्विनी कुमार सुप्रा (उम्र 50) को गिरफ्तार कर लिया। अश्विनी मूल रूप से बिहार के पटना रहने वाले हैं। वह पिछले पांच सालों से नोएडा के सेक्टर 79 की एक सोसाइटी में रह रहे हैं। वह वास्तु शास्त्र और ज्योतिष का व्यवसाय करते हैं। पुलिस ने उनके पास से धमकी भरा संदेश भेजने के लिए इस्तेमाल किया गया मोबाइल फोन और सिम कार्ड जब्त कर लिया है। इस मामले में, प्रारंभिक जांच से पता चला है कि अश्विनी ने अपने दोस्त को फंसाने के लिए यह धमकी भेजी थी। पुलिस ने तकनीकी निगरानी और स्थानीय खुफिया एजेंसियों की मदद से उसे नोएडा के सोरखा गांव से गिरफ्तार कर मुंबई लेकर आई है।

थिएटर कमांड का गठन जरुरी आज नहीं तो कल होगा ही: सेना प्रमुख द्विवेदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीमा पर बनी हुई सुरक्षा चुनौती के बीच सेनाप्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने तीनों सशस्त्र सेनाओं की संयुक्त रूप से गठित की जाने वाली थिएटर कमांड के गठन को लेकर कहा कि यह कार्य आज नहीं तो कल होगा। हमें बस ये देखना है कि इसमें कितना समय लगता है। पूरी प्रक्रिया के लिए हालांकि कुछ कदम उठाने पड़ेंगे। जिसमें संयुक्तता और एकीकरण मुख्य रूप से शामिल हैं। साथ ही कई और चीजें हैं, जिन पर चर्चा किए जाने की आवश्यकता है।

यह जानकारी सेनाप्रमुख ने राजधानी में आयोजित ऑपरेशन सिंदूर पर लिखी गई एक पुस्तक के लोकार्पण कार्यक्रम से इतर पत्रकारों से बातचीत में दी है। जिसका शीर्षक 'ऑपरेशन सिंदूरः द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ इंडियाज डीप स्ट्राइक्स इनसाइड पाकिस्तान' है। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि थिएटर कमांड या फिर सेना, वायुसेना और नौसेना की क्षमताओं का संयुक्त रूप से एकीकरण जरूरी आकार लेगा। लेकिन प्रश्न यह है कि इसे हकीकत में पूरा होने में कितना समय लगता है? अगर किसी एक को विभिन्न एजेंसियों का संचालन करना है। तो निश्चित रूप से जवाब थिएटर कमांड ही होगा। यहां बता दें कि सेनाप्रमुख का थिएटर कमांड को लेकर यह बयान वायुसेनाप्रमुख और नौसेनाप्रमुख द्वारा बीते करीब दो सप्ताह पहले इस मामले पर अपने विचार रखने के बाद दिया गया है।

जनरल द्विवेदी ने थिएटर कमांड का महत्व बताते हुए कहा कि जब हम कोई लड़ाई लड़ते हैं। तो केवल सेना ही उस लड़ाई को नहीं लड़ती है। हमारी बीएसएफ, आईटीबीपी भी उसमें भाग लेती हैं। उसके साथ ही तीनों सशस्त्र सेनाओं, रक्षा साइबर एजेंसियों, रक्षा स्पेस एजेंसियों की भी भागीदारी रहती है। अब हम ज्ञान संबंधी युद्ध कौशल से जुड़ी एजेंसियों की बात कर रहे हैं। जिसमें इसरो, सिविल डिफेंस, नागर विमानन, रेलवे, एनसीसी और राज्य- केंद्रीय प्रशासन शामिल हैं। ऐसे में अगर किसी एक को सभी एजेंसियों को संचालित करना हो तो निश्चित रूप से उसका जवाब थिएटर कमांड ही होगा। क्योंकि कमांड की एकता सबसे महत्वपूर्ण है। आपको एक कमांडर की जरूरत है, जो किसी भी गतिविधि के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी संभाल सके। थिएटर कमांड का गठन बेहद आवश्यक है।

अलर्टः आंधी-तूफान के साथ झमाझम होगी बारिश, कई राज्यों के जलमग्न होने का खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत में भी अगले सात दिनों तक बारिश का दौर जारी रहेगा। ओडिशा, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, असम और मेघालय में 12 सितंबर के बीच भारी बारिश की संभावना है। उत्तर-पूर्वी राज्यों जैसे नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और अरुणाचल प्रदेश में भी भारी बारिश और गरज के साथ बिजली चमकने की चेतावनी दी गई है। मौसम विभाग ने लोगों से सतर्क रहने और स्थानीय प्रशासन के दिशानिर्देशों का पालन करने की सलाह दी है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों में देश के कई हिस्सों में भारी से अत्यधिक भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। दक्षिणी राजस्थान में निम्न दबाव क्षेत्र के पश्चिम-उत्तर की ओर बढ़ने और गुजरात में अवसाद में बदलने की संभावना है।

इसके कारण आज यानी 7 सितंबर को गुजरात और राजस्थान में अत्यधिक भारी बारिश हो सकती है। राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में भी 12 सितंबर तक अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। गोवा, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में भी भारी से बहुत भारी बारिश का अनुमान है। राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में रविवार को आंधी-तूफान के साथ बारिश होने का अनुमान है। दिल्ली के शाहदरा, मध्य, पूर्व, पश्चिम, उत्तर, उत्तर-पूर्व और उत्तर-पश्चिम जिलों में अगले कुछ घंटों में बारिश होने की संभावना है। आईएमडी ने बताया कि शनिवार को पूर्वी, उत्तरी और मध्य दिल्ली सहित शहर के कई हिस्सों में भारी बारिश हुई। दिल्ली में शनिवार को अधिकतम तापमान 34.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम के औसत से 0.9 डिग्री कम है। न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो मौसम के औसत से 0.6 डिग्री कम है। दिल्ली में शाम 5.30 बजे सापेक्षिक आर्द्रता 78 प्रतिशत दर्ज की गई।

जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात बहाल करने का प्रयास शनिवार भारी बारिश के कारण बाधित हुआ। अधिकारी ने बताया कि 270 किलोमीटर लंबा यह राजमार्ग लगातार पांचवें दिन भी बंद रहा। मौसम विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि 7-8 सितंबर को जम्मू संभाग के कुछ जिलों में मध्यम बारिश या गरज के साथ छींटे पड़ने का अनुमान है। 9 से 12 सितंबर के बीच कुछ स्थानों पर हल्की बारिश या गरज के साथ छींटे पड़ सकती हैं। इस सप्ताह के शुरू में जम्मू संभाग में भारी बारिश के कारण राजमार्ग को यातायात के लिए बंद कर दिया गया था। इस दौरान कई स्थानों पर भूस्खलन और सड़क के ऊपर पहाड़ियों से पत्थर गिरने से उधमपुर और बनिहाल के बीच विभिन्न स्थानों पर सड़क खराब हो गई थी। राजमार्ग बंद होने से दोनों ओर सैकड़ों वाहन फंस गए।

खेलते हुए मेनहोल में गिरा तीन साल का बच्चा, तलाश जारी; मशीन से तोड़ी जा रही गली

नई दिल्ली। बाहरी-उत्तरी जिला के खेड़ा खुर्द गांव में शनिवार सुबह एक दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया। तीन साल का मासूम निकुंज खेलते समय एक खुले मेनहोल में गिर गया। घटना के बाद से बच्चे की तलाश में बड़े पैमाने पर राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया है, लेकिन अभी तक उसका कोई सुराग नहीं मिला है। स्थानीय पुलिस और राहत बचाव दल मौके पर मौजूद हैं। बच्चे को ढूंढने के लिए गली को अर्थ मूवर मशीन से तोड़ा जा रहा है, ताकि सीवर लाइन के अंदर फंसे बच्चे का पता लगाया जा सके। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, निकुंज सुबह खेलते समय अचानक मेनहोल में गिर गया, जो संभवतः खुला छोड़ दिया गया था। स्थानीय लोगों ने प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि खुले मेनहोल की वजह से पहले भी कई बार खतरा उत्पन्न हो चुका है, लेकिन इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और राहत कार्यों को तेज करने के लिए अतिरिक्त संसाधन जुटाए जा रहे हैं। बच्चे के परिजन और स्थानीय निवासी मौके पर मौजूद हैं और निकुंज की सलामती की दुआ कर रहे हैं। प्रशासन ने लोगों से धैर्य बनाए रखने और बचाव कार्य में सहयोग करने की अपील की है। फिलहाल, सभी की निगाहें राहत दल की कोशिशों पर टिकी हैं, जो बच्चे को सुरक्षित निकालने के लिए जुटे हुए हैं।

कड़कड़डूमा के अस्पताल में लगी आग, एक की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली में आज शनिवार को आग लगने की खबर सामने आई है। कड़कड़डूमा के कॉसमॉस अस्पताल में आग लगी है। जहां दमकल की आठ गाड़ियां मौके पर पहुंची हैं। आग की घटना के बाद अस्पताल में हड़कंप मच गया। मिली जानकारी के मुताबिक हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई और कम से कम 10 लोग घायल हो गए। घायलों में से सात को आनंद विहार अस्पताल में ही भर्ती कराया गया है, जबकि तीन अन्य को मामूली चोटें आई हैं। आग लगने की जानकारी होने पर दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुँचीं। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। फिलहाल आग पर काबू पा लिया गया है। अग्निशमन अधिकारी अशोक कुमार जायसवाल ने बताया कि दिल्ली अग्निशमन सेवा के नियंत्रण कक्ष को दोपहर करीब 12.20 बजे सूचना मिली कि कॉसमॉस अस्पताल में आग लग गई है।

दिल्ली को स्पोर्ट्स हब बनाना हमारी सरकार की प्राथमिकता: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली, 7 सितंबर। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि दिल्ली सरकार खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं और अंतरराष्ट्रीय स्तर का खेल ढांचा उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। हमारी सरकार खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय गोल्ड मेडल विजेताओं को 7 करोड़ रुपये, सिल्वर विजेताओं को 5 करोड़ और ब्रॉन्ज विजेताओं को 3 करोड़ रुपये का पुरस्कार दे रही है। इसके साथ ही राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर उभरते खिलाड़ियों को आर्थिक सहायता देने के लिए भी नई योजनाएं शुरू की गई हैं। मुख्यमंत्री ने यह जानकारी आज त्यागराज स्टेडियम में नेशनल रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप के भव्य उद्घाटन पर दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यह भी कहा कि खेलों को बढ़ावा देना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन का अहम हिस्सा है और दिल्ली इस दिशा में हरसंभव योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने देशभर से आए लगभग 3000 खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए कहा, उम्मीद है कि यहां से निकलकर कई खिलाड़ी भारत का नाम ओलंपिक और अंतर्राष्ट्रीय मंच पर रोशन करेंगे। उन्होंने मनिका बत्रा और पायस जैन का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए शुभकामनाएं दीं और शुभकामनाएं दी कि वे भारत के लिए पदक लेकर लौटें। मुख्यमंत्री ने द्रोणाचार्य अवार्डी संदीप गुप्ता का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने वर्षों से

दिल्ली में टेबल टेनिस को नई पहचान दिलाई है और हज़ारों खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने खिलाड़ियों को आश्वस्त कि कि हमारी सरकार की कोशिश है कि दिल्ली स्पोर्ट्स का हब बने और यहां के स्टेडियम व खेल परिसर इंटरनेशनल क्वालिटी के हो। उन्होंने खिलाड़ियों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे आगे बढ़ें और देश व दिल्ली का गौरव बढ़ाएं। इस अवसर पर कॉमनवेल्थ टेबल टेनिस फेडरेशन के अध्यक्ष श्री दुष्यंत चौटाला सहित टेबल टेनिस फेडरेशन ऑफ इंडिया एवं दिल्ली स्टेट टेबल टेनिस एसोसिएशन के वरिष्ठ पदाधिकारी और बड़ी संख्या में खिलाड़ी एवं खेल प्रेमी उपस्थित थे।

गाली-गलौज का विरोध करने पर चाकू से गोदा

नई दिल्ली। नांगलोई में गाली गलौज का विरोध करने पर तीन आरोपियों ने दो भाइयों पर चाकू से हमला कर दिया। घायलों की पहचान पवन (26) और अमन (22) के रूप में हुई है। पुलिस ने पवन के बयान पर शिकायत दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि 27 अगस्त को चाकूबाजी की शिकायत मिली। पवन ने बताया कि वह नांगलोई कैंप नंबर-दो में रहते हैं और बुध बाजार रोड की गली में उनकी कपड़े की दुकान है। 27 अगस्त रात को वह अपनी दुकान बंद कर रहे थे। इसा दौरान पड़ोस में रहने वाले तीन सगे भाई राहुल, आनंद और राज ने नशे की हालत में दुकान के बाहर आकर राहगीरों से गाली-गलौज करने लगे।

मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त चार बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तरी जिले के मादक द्रव्य निरोधक शाखा ने मादक पदार्थों की आपूर्ति में लिप्त चार तस्करों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से ब्यूप्रेनॉर्फिन की दो हजार से अधिक गोलियां और एविल इंजेक्शन की करीब दस हजार शीशियां बरामद की गई है। आरोपियों की पहचान कुलदीप कुमरा, रोहित गोयल, सतीश और सिद्धार्थ बंसवाल के रूप में हुई है। जिला पुलिस उपायुक्त राजा बांठिया ने बताया कि 31 जुलाई को पुलिस को मादक पदार्थों के तस्करी करने वाले गिरोह के एक बदमाश के बारे में सूचना मिली। सूचना के आधार पर पुलिस ने कबीर बस्ती मलका गंज स्थित एक घर में छापा मारा। वहां से कुलदीप कुमार को गिरफ्तार किया। घर की तलाशी के दौरान ब्यूप्रेनॉर्फिन की 133 गोलियां और एविल इंजेक्शन की 420 शीशियां बरामद की गईं। पूछताछ में कुलदीप ने बताया कि उसने बरामद मादक पदार्थ संतनगर निवासी रोहित गोयल से खरीदे थे और उन्हें अवैध रूप से बेचता था। 2 अगस्त को पुलिस ने दबिश देकर रोहित गोयल को भी गिरफ्तार कर लिया। आरोपी रोहित गोयल ने बताया कि यह दवा और इंजेक्शन उसने भलस्वा डेयरी निवासी सतीश से खरीदी थी। पुलिस ने उसके निशानदेही पर सतीश को गिरफ्तार कर लिया। उसके घर की तलाशी लेने पर ब्यूप्रेनॉर्फिन की करीब दो हजार गोलियां और एविल इंजेक्शन की 4700 शीशियां बरामद हुईं। आरोपी सतीश कुमार ने पूछताछ में बताया कि उसने एविल इंजेक्शन चावड़ी निवासी सिद्धार्थ बंसवाल और ब्यूप्रेनॉर्फिन गोलियां बुराड़ी निवासी वंश त्यागी से खरीदी थी। 5 अगस्त को पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सीता राम बाजार चावड़ी बाजार स्थित सिद्धार्थ बंसवाल के घर पर छापा मारा और उसे गिरफ्तार कर लिया। घर की तलाशी के दौरान एविल इंजेक्शन की कुल 4800 शीशियां बरामद हुईं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि कुलदीप ई-रिक्शा चलाता है और रोहित गोयल फास्ट फूड बेचने का काम करता है। वहीं, सतीश अपने घर के पास एक छोटा सा मेडिकल स्टोर चलाता है। सिद्धार्थ बंसवाल एक मेडिकल स्टोर में काम करता है। चारों जल्दी अमीर बनने के चक्कर में दवाओं की तस्करी करने लगे।

प्रतिबंधित पॉलिथीन की जगह कपड़े के थैले का करे इस्तेमाल

यमुनानगर। हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान को लेकर अतिरिक्त निगम आयुक्त धीरज कुमार ने वीरवार को सब्जी मंडी एसोसिएशन व मंडी आढ़तियों व विक्रेताओं की बैठक ली। उन्होंने सभी को स्वच्छता अभियान में सहयोग देने की अपील की और प्रतिबंधित पॉलिथीन का इस्तेमाल न करने, खुले में गंदगी न फैलाने, सड़कों पर सामान रखकर अतिक्रमण करने के बारे में समझाया। उन्होंने सभी को निर्देश दिए कि वे कचरा रखने के लिए कूड़ेदान का प्रयोग करें। प्रतिबंधित पॉलिथीन की जगह 120 माइक्रोन, पोटैटो स्टार्च कम्पोस्टेबल, कॉर्नस्टार्च कम्पोस्टेबल पॉलिथीन या कपड़े के थैलों का इस्तेमाल करें। उन्होंने सभी को समझाया कि अभी नगर निगम हाथ जोड़कर सभी से प्रतिबंधित पॉलिथीन का इस्तेमाल न करने और खुले में कचरा न फैलाने की अपील कर रहा है।

रेलवे ने दी दुर्गा पूजा-दीवाली पर स्पेशल ट्रेनों की सौगात

लखनऊ। दशहरा, दीपावली व छठ त्यौहारों को ध्यान में रखते हुए यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे प्रशासन की ओर से किशनगंज-अमृतसर, नई दिल्ली-बिहार के हसनपुर रोड तथा बांद्रा बढ़नी वाया लखनऊ की तीन जोड़ी स्पेशल ट्रेनों को चलाने का निर्णय लिया गया है। इससे यात्रियों की आवाजाही आसान हो जाएगी। पूर्वोत्तर रेलवे के सीपीआरओ पंकज सिंह ने बताया कि गाड़ी संख्या 05734/33 किशनगंज-अमृतसर-किशनगंज वीकली पूजा स्पेशल ट्रेन दो अक्तूबर से 15 नवंबर तक चलाई जाएगी। 05734 किशनगंज-अमृतसर साप्ताहिक पूजा विशेष गा ?ी दो से 13 नवम्बर तक प्रत्येक बृहस्पतिवार को किशनगंज से सुबह 9:10 बजे चलकर कटिहार, बेगूसराय, गोरखपुर से होते हुए दूसरे दिन चारबाग से सुबह 4:25 बजे गुजरकर रात 12:10 बजे अमृतसर पहुंचेगी। वापसी में 05733 अमृतसर किशनगंज साप्ताहिक पूजा विशेष गा ?ी चार अक्तूबर से 15 नवम्बर तक प्रत्येक शनिवार को अमृतसर से सुबह 4:25 बजे चलकर चारबाग रात 10:20 बजे होते हुए किशनगंज शाम 5:30 बजे पहुंचेगी। ट्रेन में स्लीपर के सात, जनरल के चार, थर्ड एसी का एक, सेकेंड एसी के दो, फर्स्ट एसी का एक एवं थर्ड एसी इकोनॉमी क्लास के पांच कोच रहेंगे। 04098/97 नई दिल्ली-हसनपुर रोड स्टेशन(बिहार)-नई दिल्ली पूजा विशेष गा ?ी पहली अक्तूबर से 30 नवंबर तक चलाई जाएगी। 04098 नई दिल्ली हसनपुर रोड पूजा विशेष गा ?ी पहली अक्तूबर से 29 नवम्बर तक प्रतिदिन नई दिल्ली से सुबह 9:30 बजे चलकर ऐशबाग से शाम सात बजे, बादशाहनगर से शाम 7:30 बजे

होते हुए हसनपुर रोड सुबह सवा दस बजे पहुंचेगी। वापसी में 04097 हसनपुर रोड नई दिल्ली पूजा स्पेशल ट्रेन दो अक्तूबर से 30 नवम्बर तक प्रतिदिन हसनपुर रोड से दोपहर तीन बजे चलकर बादशाहनगर सुबह आठ बजे, ऐशबाग सुबह 8:40 बजे तथा नई दिल्ली शाम 6:30 बजे पहुंचेगी। ट्रेन में थर्ड एसी इकोनॉमी क्लास के 15, जनरल के तीन कोच लगाए जाएंगे। 09043/44 बान्द्रा टर्मिनस-ब ?नी-बान्द्रा टर्मिनस साप्ताहिक पूजा स्पेशल ट्रेन का विस्तार 29 दिसंबर तक किया गया है। 09043 बान्द्रा टर्मिनस ब ?नी 28 दिसम्बर तक प्रत्येक रविवार को बान्द्रा टर्मिनस से रात 12:05 बजे चलकर लखनऊ दूसरी सुबह 3:25 बजे होते हुए ब ?नी सुबह आठ बजे पहुंचेगी। वापसी में 09044 ब ?नी बान्द्रा टर्मिनस 29 दिसम्बर तक प्रत्येक सोमवार को ब ?नी से दोपहर 1:30 बजे चलकर लखनऊ से शाम 6:40 बजे होते हुए अगली रात 11:50 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। ट्रेन में स्लीपर के 18 कोच रहेंगे।

राहत सामग्री नहीं, दिल्ली के लोगों का स्नेह व समर्थन है: सीएम रेखा गुप्ता

प्रथम पृष्ठ का शेष

देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी से हमने सीखा है कि विश्व के किसी देश में विपदा आती है तो हमें कैसे उसके साथ खड़ा होना चाहिए। मुख्य मंत्री ने कहा पंजाब हमारे देश का नवरत्न राज्य है जिसने हमेशा देश एवं दुनिया को सहयोग दिया है। मुख्यमंत्री ने प्रार्थना की कि ईश्वर पंजाब की जनता को जल्द इस कष्ट से उबारे और उन्हें सामान्य जीवन में लौटने की शक्ति प्रदान करे। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि मां भारती की कृपा और सभी के सहयोग से पंजाब जल्द ही इस आपदा से उबरकर फिर से विकास और खुशहाली की राह पर आगे बढ़ेगा।

दिल्ली की हवा इस समय सबसे शुद्ध, सांस लेने लायक हुई देश की राजधानी

नई दिल्ली। राजधानी में वायु गुणवत्ता में निरंतर सुधार का रुझान देखा जा रहा है। ऐसे में चालू वर्ष 2025 में जनवरी से अगस्त की अवधि में दिल्ली ने पिछले आठ वर्षों में अपना सर्वश्रेष्ठ औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) दर्ज किया, 2020 को छोड़कर। यह जानकारी वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने दी है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इस अवधि में दिल्ली का औसत एक्यूआई 172 रहा, जो 2024 में 187, 2023 में 174, 2022 में 194, 2021 में 192, 2020 में 147, 2019 में 199 और 2018 में 203 था। वहीं, इस वर्ष अगस्त माह में %अच्छे-संतोषजनक% दिन 23 रहे, जबकि 2018 में 19 दिन, 2019 में 22 दिन, 2020 में 31 दिन, 2021 में 11 दिन, 2022 में 18 दिन, 2023 में 8 दिन और 2024 में 29 दिन थे। सीएक्यूएम के अनुसार, अनुकूल मौसम संबंधी परिस्थितियों और विभिन्न हितधारकों के प्रयासों से अगस्त माह में औसत एक्यूआई में भी पिछले कुछ वर्षों में सुधार

देखा गया है। अगस्त माह का औसत सूचकांक 2025 में 89, 2024 में 72, 2023 में 116, 2022 में 93, 2021 में 107, 2020 में 64, 2019 में 86 और 2018 में 111 दर्ज किया गया। इसके अलावा, 2025 में जनवरी-अगस्त की अवधि में एक भी दिन ऐसा नहीं रहा जब एक्यूआई 400 गंभीर श्रेणी से अधिक हो। आंकड़ों पर नजर डालें तो, 2018 में 6, 2019 में 7, 2020 में 2, 2021 में 6, 2022 में 1, 2023 में 3 और 2024 में 3 ऐसे दिन दर्ज किए गए थे। साथ ही, इस अवधि में 65 संतोषजनक दिन दर्ज किए गए, जो 2020 में 87 दिन को छोड़कर पिछले वर्षों में सबसे अधिक है। अन्य वर्षों में यह संख्या 2018 में 40, 2019 में 35, 2021 में 42, 2022 में 50, 2023 में 50 और 2024 में 48 थी। सीएक्यूएम के आंकड़ों के अनुसार, 2025 में जनवरी से 27 अगस्त तक के दौरान पीएम2.5 का औसत स्तर 74 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर रहा, जो 2020 को छोड़कर 2018 के बाद से सबसे कम है। तुलना के लिए 2024 में 86, 2023 में 78, 2022 में 85, 2021 में 90, 2020 में 68, 2019 में 91 और 2018 में 95 2020 को छोड़कर था। इसी तरह, पीएम10 का औसत स्तर 2025 में 169 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर रहा, जो 2024 में 192, 2023 में 176, 2022 में 201, 2021 में 198, 2020 में 136, 2019 में 206 और 2018 में 221 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर की तुलना में सबसे कम है।

दूषित भूजल से निपटने में लापरवाही पर एनजीटी की फटकार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने आवासीय सोसाइटियों में खराब और दोषपूर्ण वर्षा जल संचयन प्रणालियों (आरडब्ल्यूएच) के चलते द्वारका में भूजल प्रदूषण से निपटने में दिल्ली के अधिकारियों की तरफ से की गई अपर्याप्त कार्रवाई पर फटकार लगाई है। ऐसे में अदालत ने डीजेबी और डीपीसीसी को चार सप्ताह के अंदर विस्तृत कार्रवाई रिपोर्ट दाखिल करने के लिए कहा। साथ ही, आवेदक को कानूनी सलाहकार नियुक्त करने का समय दिया। मामले में अगली सुनवाई 4 नवंबर को होगी। अदालत ने यह भी नोट किया कि मूल 2021 के आदेश में डीजेबी, डीपीसीसी और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) को शामिल करते हुए संयुक्त सुधारात्मक कार्य योजना अनिवार्य की गई थी। चूंकि सीपीसीबी को मौजूदा निष्पादन कार्यवाही में पक्ष नहीं बनाया गया था, इसलिए आवेदक को इसे शामिल करने के लिए उचित कदम उठाने की अनुमति दी गई। यह मामला 2021 में दायर एक मूल आवेदन से उत्पन्न हुआ है, जिसमें द्वारका की आवासीय कॉलोनियों में दोषपूर्ण या उपेक्षित वर्षा जल संचयन बुनियादी ढांचे के कारण भूजल प्रदूषण के बारे में चिंता जताई गई थी। एनजीटी कहा। साथ ही, आवेदक को कानूनी सलाहकार नियुक्त करने का समय दिया। मामले में अगली सुनवाई 4 नवंबर को होगी। अदालत ने यह भी नोट किया कि मूल 2021 के आदेश में डीजेबी, डीपीसीसी और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) को शामिल करते हुए संयुक्त सुधारात्मक कार्य योजना अनिवार्य की गई थी। चूंकि सीपीसीबी को मौजूदा निष्पादनने पहले डीजेबी, डीपीसीसी और सीपीसीबी द्वारा एक संयुक्त कार्य योजना सहित सुधारात्मक उपायों का आदेश दिया था। सुनवाई के दौरान आवेदक महेश चंद्र सक्सेना अधिकरण के सामने व्यक्तिगत रूप से उपस्थित हुए। उन्होंने संबंधित एजेंसियों की तरफ से पूर्व में जारी किए गए उपचारात्मक निर्देशों को लागू करने में निरंतर विफलता पर जोर दिया। दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) ने 22 जुलाई, 2025 को पुनः प्रस्तुत की गई एक नई रिपोर्ट में द्वारका में 176 आवासीय सोसाइटियों में किए गए एक सर्वेक्षण के चौंकाने वाले निष्कर्ष प्रस्तुत किए गए। डीजेबी की रिपोर्ट से पता चला कि 115 सोसाइटियों में भूजल फीकल कोलीफॉर्म से दूषित था। चार सोसाइटियों में वर्षा जल संचयन (आरडब्ल्यूएच) प्रणालियां पूरी तरह से निष्क्रिय थीं। 25 सोसाइटियों में सूखे गड्ढे थे और केवल 32 सोसाइटियों में फीकल कोलीफॉर्म की कोई उपस्थिति नहीं पाई गई। अदालत ने पाया कि डीजेबी ने पहले 20 जनवरी, 2025 को दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) को सूचित किया था, जिसमें चूक करने वाली सोसाइटियों पर पर्यावरण क्षतिपूर्ति (ईसी) लगाने की सिफारिश की गई थी। हालांकि, एनजीटी के समक्ष कोई ठोस अनुवर्ती कार्रवाई प्रस्तुत नहीं की गई, जिससे प्रवर्तन को लेकर चिंताएं पैदा हुईं।

NAME CHANGE

It is for general information that I BHARAT BHALLA S/o BISHAMBER LAL, R/o L - 20/10, Street No. 8, Jaiparakash Nagar, Ghonda, Garhi Mendu, Dist: North East, Delhi-110053, declare that name of mine has been wrongly written as BHARAT LAL in my Driving License No. DL05 20110148979. The actual name of mine is BHARAT BHALLA respectively, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I HIMANSHU KUMAR S/O MEGH SINGH R/O H.NO-1/3, Budh Vihar Phase-1, Budh Vihar, North West Delhi, DELHI-110086, declare that name of mine has been wrongly written HIMANSHU in my minor daughter BHUMIKA SAGAR is 16Years in her 10th Class Educational Document. The actual name of mine is HIMANSHU KUMAR which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I RAJIV KUMAR S/O MAHENDRA THAKUR R/O PLOT NO. 31-A, DARIYA COLONY, RANHOLLA, NANGLOI, WEST DELHI-110041 declare that name of mine has been wrongly written as Rajeev Kumar in my minor daughter namely Himangi aged 12 years in her school records .The actual name of mine is Rajiv kumar, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Mehak Parveen W/O Shamshad, R/O House No G 37, Meer vihar, Mubarak Pur Dabas, PO: Mubarak Pur Dabas, DIST: North West Delhi, Delhi - 110081,declare that name of mine has been wrongly written as Praveen in my Rasan card no 077003815303. The actual name of mine is Mehak Parveen, respectively which may be amended accordingly .

सार्वजनिक सूचना

मैं, प्रियांशु शुक्ला पिता श्री कृष्ण कांत शुक्ला, निवासी फ्लैट नंबर-302, तीसरी मंजिल, प्लॉट नंबर 15, विक्रम एन्क्लेव, शालीमार गार्डन, साहिबाबाद, गाज़ियाबाद, उत्तर प्रदेश, यह घोषित करता हूँ कि मेरी सही जन्मतिथि 07.05.2007 है, जो कि मेरे जन्म प्रमाण पत्र में दर्ज है। यह प्रमाण पत्र ग्राम दियावां, तहसील मछलीशहर, जिला जौनपुर, उत्तर प्रदेश से जारी हुआ है। हालांकि, मेरी जन्मतिथि गलत तरीके से 07.05.2006 मेरे शैक्षणिक अभिलेखों/दसवीं की अंकतालिका में दर्ज हो गई है। मैं अपनी जन्मतिथि को 07.05.2007के रूप में सही करवाने के लिए आवेदन कर रहा हूँ। मैं यह सत्यापित करता हूँ कि उपरोक्त विवरण मेरी जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य एवं सही है।

Dheeraj Mishra Advocate

NAME CHANGE

I, Mohd Ali Malik S/o Mohammad Javed R/o 2260, Gali Dakotan, Turkman Gate, Delhi-110006 have changed my name to Mohammad Ali Malik.

NAME CHANGE

I,AFSHAN TARANNUM HUSSAIN*, D/O FAZAL HUSSAIN, residing at M-3/A-8, 3RD FLOOR, AZEEM MANZIL, LANE-6/6, JOGA BAI EXTENSION, JAMIA NAGAR, OKHLA, SOUTH DELHI, NEW DELHI-110025, has changed my name to AFSHAN TARANNUM for all future purpose.

NAME CHANGE

I, hitherto known as Sanjay Kumar Sharma S/O ISHWAR DASS SHARMA, R/O A-1/53,1ST FLOOR, MADHU VIHAR, Uttam Nagar, West Delhi, Delhi - 110059, have changed my name and shall hereafter be known as SANJAY SHARMA.

NAME CHANGE

I,hitherto known as SADHANA MALIK W/O ROHIT KUMAR R/O PLOT NO. 31 A, DARIYA COLONY, SHAFI PUR RANHOLA, NANGLOI, WEST DELHI, DELHI-110041, have changed my name and shall hereafter be known as SADHANA.

NAME CHANGE

I, KM CHANDNI SINGH, W/O ABHISHEK MAURYA, R/O B-1,702,G-21,VATIKA INDIA NEXT, SECTOR-83, GURUGRAM, HARYANA-122004, HAVE CHANGED MY NAME TO CHANDNI FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE

I, No. 14683017X Rank-NK Name-AMAPU KUMAR AKELA Presently residing at VILL-OKARI, PO-JAITIPURQURA, TEH-GOSHI, DIST-JEHANABAD, BIHAR-804432, have changed my wife's name from ARTI AKELA to ARTI KUMARI for all future purposes vide Affidavit dated 06/09/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, SANJEEV KUMAR KAUSHIK S/o RAMGOPAL R/o Flat No.-102, Tower-30, Lotus Boulevard, Sector-100, Noida, Uttar Pradesh-201304 declare that name of mine has been wrongly written as SANJEEV KAUSHIK in my minor son namely ARNAV KAUSHIK, aged 14 years, in his school record. The actual name of mine is SANJEEV KUMAR KAUSHIK, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, D GEETHA Mother of JC-442063X Rank-SUB Name-D ARUN Presently residing at VPO-SAMALPATTI, TEH+DIST-KRISHNAGIRI, TAMIL NADU-635306, have changed my name from D GEETHA to SEETHA DURAIRAJ for all future purposes vide Affidavit dated 06/09/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, DURAIRAJ Father of JC-442063X Rank-SUB Name-D ARUN Presently residing at VPO-SAMALPATTI, TEH-UTHANGARAI, DIST-KRISHNAGIRI, TAMIL NADU-635306, have changed my name from DURAIRAJ to DURAIRAJ KALIYAPPAN for all future purposes vide Affidavit dated 06/09/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, A VASANTHI Wife of JC-442063X Rank-SUB Name-D ARUN Presently residing at 56/77, VEDIYAPPAN KOIL STREET, ANNANAGAR, NEWPET, DIST-KRISHNAGIRI, TAMIL NADU-635001, have changed my name from A VASANTHI to VASANTHI A for all future purposes vide Affidavit dated 06/09/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

It is for general information that I, GAUTAM JAIN S/o PUNENDER JAIN, F-39, Block-F, Karampura, Karam Pura, PO: Ramesh Nagar, Dist: West Delhi, Delhi-110015, declare that name of my father has been wrongly written as PUNINDER JAIN in my all Educational Documents. The actual name of my father is PUNENDER JAIN, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, MANDEEP S/O GURVINDER SINGH residing at H NO-394, SECOND FLOOR, GALI NO-6, ASHOK GALI, RAM NAGAR, KRISHNA NAGAR, SHAHDARA, DELHI-110051, have changed my name to MANDEEP SINGH for all future purpose.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, DHARAMPAL SINGH VERMA S/o SHER SINGH VERMA R/o H. No-105, Street No-1, Mangla Puri Phase-1, Palam Colony, Palam Village, South West Delhi, Delhi-110045, declare that name of my wife has been wrongly written as SUSHILA DAVI in my PPO No-349200714434. The actual name of my wife is SHEELA VERMA which may be amended accordingly

NAME CHANGE

I hitherto known as Amrapali W/O Raktim Kumar Singh R/O RZ-339, A-Block Jai Vihar Phase-1 Najafgarh South West Delhi 110043 Have Changed the name of my minor daughter (Hamshika, aged- 2 years) and shall hereafter be known as Rishika Singh.

NAME CHANGE

I, GAURI W/O VEER SINGH resident of B-97, BLOCK-B, RAJDHANI PARK, MUNDKA, DELHI-110041. have changed my name to GAURI DEVI for all future purposes.

NAME CHANGE

I, RATIMA ASTHANA Wife of ALOK KUMAR R/o 1136, GROUND FLOOR, VIKAS KUNJ, VIKAS PURI, WEST DELHI, DELHI-110018, have changed my name from RATIMA ASTHANA to RATIMA for all future purposes.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I HIMANSHU KUMAR S/O MEGH SINGH R/O H.NO-1/3, Budh Vihar Phase-1, Budh Vihar, North West Delhi, DELHI-110086, declare that name of mine has been wrongly written HIMANSHU in my minor daughter BHUMIKA SAGAR is 16Years in her 10th Class Educational Document. The actual name of mine is HIMANSHU KUMAR which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

It is for general information that I, RAMESH KUMAR YADAV S/O BIRENDER YADAV R/O HOUSE NO 2320, KH. NO 141/2/1, GALI NO 62, B-BLOCK, HANUMAN GANJ, SANT NAGAR, BURARI, NORTH DELHI, DELHI-110084, declare that name of my wife has been wrongly written as GAYANTI DEVI in my minor son SURAJ KUMAR YADAV aged 16 years in his school record. The actual name of my wife is GYANTI DEVI, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, Vikash Kansal S/o Hari Prakash Kansal R/o 77/A, Preet Vihar Colony, Meerut have changed my name to Vikash Kumar Kansal.

NAME CHANGE

It is for general information that I MANOHAR S/O KHEEM CHAND R/O RZ-E-35, Gali No-9, Dabri Extension, South West Delhi, Delhi-110045, declare that name of mine has been wrongly written as MANOHAR LAL in my minor son namely SAURABH aged 15 years in his School record. The actual name of mine is MANOHAR which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

This is to inform general public at large that our client, **Mr. Manoj Ray** S/o. Mr. Bharath who have approached **Niwas Housing Finance (Formerly known as 'Indostar Home Finance Pvt Ltd')** for Home Loan of the Land Area Measuring 50 Sq. Yds., Rakba 0.8220, Khasra No. 200, Khata No. 00103, Village Bisrakh Jalalpur, Tehsil Dadri, Gautam Budh Nagar and **Mr. Nandlal Pal** S/o. Mr. Kailash Pal is the current owner of the property vide Sale Deed Regd. As Doc No. 6362, Book No. 1, Vol No. 20120, Dated 23.02.2022, Pages 101-120, SRO –Dadri.

It is to mention that the above-mentioned property has not been generated the plot number.

And the said property is going to be mortgaged in **Niwas Housing Finance (Formerly known as 'Indostar Home Finance Pvt Ltd') Netaji Subhash Place, Pitampura, Delhi-110034** All persons, if any, including bank, financial institutions, or any party/ies having any claim (Objection to Khasra Number), demand, right, interest in respect of or against the said property or any part thereof by way of inheritance, assignment, mortgage, charge, possession, lien or otherwise, are hereby required to make the same known in writing within 7 days with the documentary evidence from the date of publication, falling which the said claim of the person/s, if any will be considered waived and settled.

Ms. Rani Shilpee (Advocate)
Office Add: H. No. T/181, UGF, Shukar Bazaar, Uttam Nagar, New Delhi-110059

NAME CHANGE

I, USHA KHAGESH JIWAL W/O KHAGESH, GAURIDUTT JIWAL R/O FLAT NO-171, 1st FLOOR CAPITAL APARTMENT, NASIRPUR ROAD SECTOR 1A DWARKA, NASIRPUR, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110045 have changed the name of my minor son PIYUSH aged 14 years and he shall hereafter be known as PIYUSH KHAGESH JIWAL.

NAME CHANGE

I, Kanchan W/O Ram Karan Vishwakarma R/O H NO-G-3/120, Street No-7, Sonia Vihar Pust-5, Karawal Nagar, North East Delhi-110094 Have changed my name to Kanchan Devi for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Ram Karan S/O Babu Lal Vishwakarma R/O H NO-G-3/120, Street No-7, Sonia Vihar Pust-5, Karawal Nagar, North East Delhi-110094 Have changed my name to Ram Karan Vishwakarma for all future purposes.

NAME CHANGE

I, PAIDAMMA Mother of JC-442713A Rank-NB/SUB Name-LAXMI-NARAYANA PAIDI residing at D/NO 1/95, VILL-BAMMIDUVANIPETA, PO-PONNAM, TEHSIL & DIST-SRIKAKULAM, ANDHRA PRADESH-532186, have changed my name from PAIDAMMA to PAIDI PAIDAMMA for all future purposes vide Affidavit dated 06/09/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, SYAMALARAO Father JC-442713A Rank-NB/SUB Name-LAXMI-NARAYANA PAIDI residing at D/NO 1/95, VILL-BAMMIDUVANIPETA, PO-PONNAM, TEHSIL & DIST-SRIKAKULAM, ANDHRA PRADESH-532186, have changed my name from SYAMALARAO to PAIDI SYAMALARAO for all future purposes vide Affidavit dated 06/09/2025 before Notary Public, Delhi.

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

मोदी और नायब सरकार की नीतियों व योजनाओं का हर वर्ग को मिल रहा है लाभ : बड़ौली

एजेंसी

सिरसा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि भाजपा का सेवा पखवाड़ा जनसेवा का पर्व है। भाजपा के कर्मठ कार्यकर्ता सेवा पखवाड़ा के जरिए लोगों के दिलों से जुड़ेंगे और पार्टी की नीतियों, उपलब्धियों और योजनाओं पर चर्चा करेंगे। बड़ौली ने कहा कि भाजपा का लक्ष्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। इस दौरान भाजपा के कार्यकर्ता लोगों को मोदी और नायब सरकार की योजनाओं से जोड़ने का माध्यम भी बनेंगे। ये बातें बड़ौली ने सिरसा स्थित भाजपा कार्यालय सरसाई कमल में कार्यशाला को संबोधित करते हुए कही। इस मौके पर संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा, जिलाध्यक्ष यतींद्र सिंह एडवोकेट, पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल, पूर्व विधायक मक्खन लाल सिंगला व अमीरचंद मेहता मौजूद रहे। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से 2 अक्टूबर गांधी जयंती तक सेवा पखवाड़ा के दौरान दर्जन भर कार्यक्रम होंगे। रक्तदान और स्वच्छता अभियान जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से पार्टी लोगों तक पहुंचेगी। मोदी और नायब सरकार की योजनाओं का प्रचार किया जाएगा ताकि गरीब, किसान, महिलाएं, युवाओं को लाभ मिल सके। भाजपा का लक्ष्य 2047 तक विकसित भारत के सपने को साकार करना है।

हरियाणा में लेक्चरर पदों की भर्ती परीक्षा 15 सितंबर से

चंडीगढ़। हरियाणा लोक सेवा आयोग ने विभिन्न विषयों में लेक्चरर पदों पर भर्ती के लिए सब्जेक्ट नॉलेज टेस्ट की तारीखें घोषित कर दी हैं। ये परीक्षाएं 15 से 24 सितंबर तक होंगी। उम्मीदवार अपने एडमिट कार्ड 10 सितंबर से आयोग की वेबसाइट से डाउनलोड कर सकेंगे। जारी कार्यक्रम के मुताबिक, 15 सितंबर को कृषि इंजीनियरिंग, ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग, फूड टेक्नोलॉजी और आर्किटेक्चर विषयों की परीक्षा होगी। 17 सितंबर को इंस्ट्रूमेंट एंड कंट्रोल इंजीनियरिंग, टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी, फैशन टेक्नोलॉजी और मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी की परीक्षा आयोजित होगी। 19 सितंबर को लाइब्रेरी साइंस और ऑफिस मैनेजमेंट एंड कंप्यूटर एप्लीकेशन का टेस्ट लिया जाएगा। जबकि 24 सितंबर को फैशन डिज़ाइन, मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स और बिजनेस मैनेजमेंट विषयों की परीक्षा होगी। आयोग ने उम्मीदवारों को एडमिट कार्ड ए-4 साइज पेपर पर साफ प्रिंट करने की हिदायत दी है। छोटे आकार या धुंधली फोटो वाले एडमिट कार्ड के साथ अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं मिलेगा। इन परीक्षाओं के जरिए प्रदेश में तकनीकी और प्रबंधन विषयों के कॉलेजों में लेक्चरर पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी।

प्रशासन ने हटाया अतिक्रमण, अब ग्रामीणों को मिलेगी राहत

हिसार। नजदीकी गांव आर्यनगर में प्रशासन ने बरसाती नाले के रास्ते से अतिक्रमण हटा दिया है। कुम्हार धर्मशाला के नजदीक स्थित जोहड़ से पानी की निकासी नहीं हो पा रही थी। इस कारण गलियों और मोहल्लों में पानी भर गया था। लुदास रोड पर स्थित कुम्हार धर्मशाला के पास का जोहड़ ड्रेन और लगातार बारिश से भर गया था। इससे आसपास के घरों में पानी घुस गया था। जोहड़ से पानी की निकासी के लिए पहले से कई शिकायतें आ रही थीं। हाईवे के दोनों तरफ बने नाले में जोहड़ का पानी डालने का प्रावधान था लेकिन एक मिठाई की दुकान सहित कुछ अन्य जगहों पर अतिक्रमण के कारण ऐसा नहीं हो पा रहा था। जिला प्रशासन ने पुलिस बल के साथ कार्रवाई करते हुए दो जेसीबी मशीनों की मदद से नाले का रास्ता साफ करवाया गया। अब जोहड़ का पानी मुख्य रास्ते के पास बने नाले के जरिए मुख्य जोहड़ में डाला जाएगा, वहां से मोटरों की मदद से इसे ड्रेन में भेजा जाएगा। इस कार्रवाई से क्षेत्र में जल भराव की समस्या का समाधान होगा। इस दौरान पुलिस दल बल और अन्य प्रशासनिक अधिकारियों के मध्य हिसार खंड द्वितीय की ब्लॉक पंचायत ऑफिसर कीर्ति सिरोहीवाल मौके पर मौजूद रही। पीडब्ल्यूडी के कर्मचारी रोड पैमाइश कर जेसीबी से रोड खाली करा रहे थे।

जींद में लोक निर्माण विभाग की कई परियोजनाएं मंजूर

जींद। जींद के लोगों के लिए खुशखबरी है। जींद से भाजपा विधायक एवं हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा की अनुशंसा पर पीडब्ल्यूडी विभाग देवीलाल चौक से अनाज मंडी तक रोहतक रोड को मॉडल सड़क के रूप में बनाया जाएगा। वहीं गांव पिंडारा के निकट फ्लाईओवर के पास राजमहल के पास जो कट बनाया जाना था, उसे भी एनएचआईए ने मंजूरी दे दी है। इस कट के न होने की वजह से रोहतक की तरफ से आने वाले लोगों को परेशानी होती थी और रॉंग साइड जाना पड़ता था। इसे लेकर एनएचआईए ने टेंडर लगा दिया है। जल्द ही दोनों परियोजनाओं पर काम शुरू होगा। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने पिछले दिनों चंडीगढ़ में पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारियों की बैठक ली थी। इस बैठक में प्रदेश में बनाई जा रही 125 किलोमीटर मॉडल सड़क में से पांच किलोमीटर सड़क जींद के लिए बनाने की बात कही थी। जिस पर देवीलाल चौक से अनाज मंडी के आगे तक सड़क को मॉडल सड़क बनाने की डिप्टी स्पीकर ने अनुशंसा की थी।

हरियाणा में 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलेगा सेवा पखवाड़ा

मुख्यमंत्री ने बैठक कर कार्यक्रम के लिए अधिकारियों को दिए निर्देश

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि 17 सितंबर से लेकर 2 अक्टूबर तक प्रदेशभर में सेवा पखवाड़ा मनाया जाएगा, इस दौरान जनसेवा के अनेक कार्यक्रम, लाभकारी योजनाएं, स्वच्छता अभियान सहित केंद्र व प्रदेश सरकार के अन्य संकल्पों को फलीभूत किया जाएगा। मुख्यमंत्री चंडीगढ़ में विभिन्न विभागों के उच्चाधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में प्रदेश के मंत्री भी वर्चुअल माध्यम से जुड़े और अपने सुझाव सांझा किए।नायब सिंह सैनी ने कहा कि पिछले 11 वर्षों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जनकल्याण के लिए नई-नई योजनाएं और प्रकल्प लागू किए गए हैं, जिनका आज देश की जनता को लाभ मिल रहा है। इसी सोच के साथ सेवा पखवाड़े के दौरान जनता के

बीच सेवा भाव को बढ़ाया जाएगा। हम सभी को मिलकर सेवा पखवाड़ा को सफल बनाना है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विभाग पखवाड़े की पूरी तैयार करें। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग चिकित्सा जांच शिविर आयोजित करेगा। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए तथा अन्य विभागों द्वारा सफाई अभियान व श्रमदान के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सेवा पखवाड़ा के दौरान रक्तदान शिविर, प्लास्टिक मुक्त अभियान, पौधरोपण और गरीबों को योजनाओं का लाभ पहुंचाना सुनिश्चित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने विभाग द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं को जमीन स्तर पर पहुंचाने के लिए सेवा पखवाड़ा के दौरान विशेष कार्यक्रमों का आयोजन करें और इन आयोजनों में अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि लगभग दो सप्ताह से अधिक चलने वाले सेवा पखवाड़ा के दौरान हर विभाग प्रत्येक जिले में एक बड़ा आयोजन करे। साथ ही पूरे प्रदेश में सभी विभाग सम्मिलित रूप से कार्यक्रमों का आयोजन भी करें। पखवाड़ा का उद्देश्य जन सेवा को प्राथमिकता देना है।

मुख्यमंत्री बोले बाढ़ पीड़ितों को मिलेगी हर संभव मदद

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा है कि प्रदेश के 2897 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। जहां लोगों की मदद के लिए एसडीआरएफ तथा एनडीआरएफ की टीमों को लगाया गया है। चंडीगढ़ में पत्रकार-वार्ता में मुख्यमंत्री ने बताया कि हरियाणा में बाढ़ को लेकर स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में हैं। मुख्य सचिव समेत तमाम आला अधिकारी प्रदेश में बाढ़ के हालातों पर नजर रखें हुए हैं। रोजाना संबंधित जिला उपायुक्तों से रिपोर्ट ली जा रही है।

उन्होंने बताया कि झज्जर जिले के बहादुरगढ़ में हालात को देखते हुए सेना की मदद भी ली गई है लेकिन वहां भी अब हालात सामान्य होते जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2897 गांवों के लिए ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल खोला गया है। जिसमें शनिवार तक एक लाख 69 हजार 738 किसानों द्वारा फसलों के नुकसान का दावा किया गया है। उन्होंने बताया कि आज तक प्रदेश से नौ लाख 96 हजार 700 एकड़ में फसल नष्ट होने के दावे आए हैं। इनका आकलन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी विधायकों की ड्यूटी लगाई गई है कि वह संबंधित अधिकारियों के साथ मिलकर प्रभावित क्षेत्रों में रहें। प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि अपनी-अपनी रिपोर्ट देंगे। इसके अलावा पीड़ितों के दावों का भी सत्यापन किया जाएगा। जिसके आधार पर हर वर्ग को नियमानुसार मुआवजा दिया जाएगा। भाखड़ा जल विवाद पर किसी प्रकार की सीधी टिप्पणी करने की बजाए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह वक्त दोषारोपण का नहीं है। अप्रैल में हरियाणा को अतिरिक्त पानी की जरूरत थी लेकिन नहीं मिल सका।

आगामी आठ से दस माह में बंधवाड़ी प्लांट होगा कचरा मुक्त : विपुल गोयल

ज्योति दर्पण

गुरुग्राम। हरियाणा के शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल ने कहा कि आगामी 8 से 10 महीनों में बंधवाड़ी क्षेत्र पूरी तरह कचरा मुक्त हो जाएगा। लिगेसी वेस्ट के निस्तारण की प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। मानसून समाप्त होते ही कचरा निस्तारण का कार्य शुरू कर दिया जाएगा। वे गुरुग्राम-फरीदाबाद रोड स्थित बंधवाड़ी कचरा प्रबंधन साइट पर आयोजित वृक्षारोपण अभियान में शामिल हुए।

इस दौरान उन्होंने यह बात कही। इस मौके पर उन्होंने कहा कि सरकार और निगम मिलकर बंधवाड़ी क्षेत्र की सूरत बदलने के लिए गंभीर हैं। निगम द्वारा यहां पर व्यू कटर स्थापित किया गया है तथा सडक़ और व्यू कटर के बीच के हिस्से में क्षेत्रानुकूल पौधारोपण किया गया है, जिससे अब यह स्थल सौंदर्य और हरियाली से निखर रहा है। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम को स्वच्छ, सुंदर, हरित और बेहतर शहर बनाने के लिए सरकार संकल्पित होकर कार्य कर रही है। इस दिशा में नगर निगम गुरुग्राम निरंतर बेहतर कदम उठा रहा है। इस अवसर पर मौजूद

सोहना विधायक तेजपाल तंवर ने कहा कि बंधवाड़ी परियोजना से पूरे क्षेत्र को लाभ होगा और लोगों को प्रदूषण से राहत मिलेगी। मेयर राजरानी मल्होत्रा ने बताया कि 30 सितंबर के बाद फरीदाबाद का कचरा बंधवाड़ी नहीं लाया जाएगा, यहां केवल गुरुग्राम का कचरा निस्तारित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि निगम का लक्ष्य है कि शहर के प्रत्येक नागरिक को स्वच्छ वातावरण मिले और बंधवाड़ी क्षेत्र का कायाकल्प हो। वृक्षारोपण कार्यक्रम में नगर निगम आयुक्त प्रदीप दहिया, अतिरिक्त निगमायुक्त रविन्द्र यादव, संयुक्त आयुक्त रविन्द्र मलिक सहित निगम पार्षद, अधिकारीगण और क्षेत्र के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। सभी ने मिलकर पौधे लगाए और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

संकट की घड़ी में पड़ोसी राज्य पंजाब की मदद करना हमारा दायित्व : डा. मिड्ढा

एजेंसी

जींद। पंजाब में लगातार हो रही भारी बारिश और बाढ़ के हालात को देखते हुए हरियाणा सरकार ने पड़ोसी राज्य की मदद के लिए हाथ बढ़ाया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देश पर जींद जिला प्रशासन व सामाजिक संस्थाएं की ओर से बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत सामग्री से भरे पांच वाहनों को हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण लाल मिढ़ा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह राहत सामग्री पंजाब के जिला संगरूर में बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए भेजी गई है। जींद की अनाज मंडी में वाहनों को रवाना करते वक्त डिप्टी स्पीकर ने कहा कि भारी बरसात की वजह से देशभर के अनेक राज्यों में बाढ़ जैसी स्थिति बनी हुई है। पंजाब जैसे कुछ प्रदेशों में तो बरसाती पानी ने अपना रोद्ररूप धारण किया हुआ है। डिप्टी स्पीकर ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इस कठिन समय में पंजाब के साथ खड़े होने का जो फैसला लिया है वो सराहनीय है। इसके लिए मुख्यमंत्री द्वारा पहले भी पांच करोड़

रुपये की सहायता राशि पंजाब सरकार को भेजी गई है। डिप्टी स्पीकर ने कहा कि नर सेवा ही वास्तव में नारायण सेवा है और इसी आदर्श पर खरा उतरते हुए जींद जिला प्रशासन, जनसाधारण, समाजसेवी संस्थाओं एवं संगठनों ने इस पुनित कार्य में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया है। जो आपदा की इस घड़ी में पीड़ित लोगों के प्रति उनकी सच्ची संवेदना एवं आत्मियता का परिचायक है। उन्होंने कहा कि हरियाणा आदिकाल से मानव सेवा एवं आतिथ्य सत्कार के लिए जाना जाता है और हर प्रकार की प्रतिकूल परिस्थितियों में देश, समाज व राष्ट्र के प्रति समर्पित रहा है। संकट की घड़ी में पंजाब के लोगों की यथासंभव सहायता करना हमारा नैतिक दायित्व है और उसे हम बखूबी निभाने का प्रयास कर रहे हैं।

जीएसटी की नई दरों से हरियाणा को होगा चार हजार करोड़ का लाभ : नायब सैनी

● केंद्र की गाइडलाइन अनुसार लागू होगा फैसला

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा है कि जीएसटी कांउसिल की बैठक में नई दरों को मंजूरी प्रदान किए जाने के बाद हरियाणा के लोगों को करीब चार हजार करोड़ रुपये का लाभ मिलेगा।

इस बैठक में लिए गए फैसलों के संबंध में चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत करते हुए नायब सैनी ने कहा कि बैठक में कई राज्यों ने इस बात की आशंका जताई कि उनका राजस्व कम हो जाएगा, लेकिन यह राजस्व की कमी किसी एक राज्य की नहीं बल्कि केंद्र सरकार की भी होगी। इसके बावजूद देशवासियों की हितों को ध्यान में रखकर यह फैसला लिया गया है। केंद्र सरकार के अन्य फैसलों की तरह इस फैसले को भी हरियाणा सरकार द्वारा केंद्र की गाइडलाइन के अनुसार लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा में मुख्यमंत्री ने बताया कि हरियाणा का शुद्ध जीएसटी संग्रह 2018-19 में 18 हजार 910 करोड़ रुपये था, जो 2024-25 में बढक़र 39,743 करोड़ रुपये हो गया है। राज्य अब देश में जीएसटी संग्रह

करने वाले शीर्ष पांच राज्यों में शामिल है। वित्त वर्ष 2025-26 में यह संग्रह 20 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि नई दरों से रोजमर्रा के उपभोक्ता के सामान सस्ते होंगे। देश में जीएसटी की सिर्फ दो ही मानक दरें 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत रहेंगी। लग्जरी और अहितकारी आइटम के लिए 40 प्रतिशत की दर रखी गई है। इसमें वर्गीकरण संबंधी विवाद कम होने और मुकदमेबाजी से बचकर करदाताओं को लाभ होगा। लोगों पर टैक्स का बोझ कम करने के लिए सैस को भी समाप्त किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि प्रधान हरियाणा के लिए काउंसिल के फैसले अहम रहे। सिंचाई और जुताई उपकरणों पर टैक्स 12 से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया है। उर्वरक इनपुट्स पर भी 5 प्रतिशत जीएसटी लागू होगा। 1800 सीसी तक की क्षमता वाले ट्रैक्टर पर दर 12 से घटाकर 5 प्रतिशत कर दी गई है जबकि इससे अधिक क्षमता वाले ट्रैक्टर पर 28 से घटाकर 18 प्रतिशत। मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे किसानों की लागत घटेगी और कृषि का आधुनिकीकरण होगा। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जीएसटी सुधार च्वन नेशन, वन टैक्स, वन मार्केट' की परिकल्पना को साकार कर रहे हैं। इन फैसलों से महंगाई पर नियंत्रण होगा, आमजन की बचत बढ़ेगी और आत्मनिर्भर भारत का लक्ष्य और मजबूत होगा।

विधानसभा स्पीकर ने बाढ़ पीड़ितों की मदद को दिया एक माह का वेतन

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने प्रदेश में आई बाढ़ से प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए अपना एक माह का वेतन मुख्यमंत्री राहत कोष में भेजा है। उन्होंने कहा कि सरकार अपने स्तर पर राहत व बचाव के सभी कदम उठा रही है

परन्तु यह समय सरकार के साथ साथ समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए भी ज़रूरतमंदों के साथ खड़े होने का है। उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा पंजाब व जम्मू-कश्मीर को 5-5 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान करने को उनकी संवेदनशीलता, दूरदर्शिता और लोकसेवा के प्रति प्रतिबद्धता बताते हुए उनकी सराहना की। उन्होंने कहा कि आपदा के समय सामूहिक प्रयासों से ही प्रभावित परिवारों को वास्तविक राहत और संबल प्रदान किया जा सकता है। विधानसभा अध्यक्ष ने सभी जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों व कर्मचारियों से अपील की है कि वे कम से कम एक दिन से लेकर एक माह तक का वेतन सहायता राशि के तौर पर दान करें ताकि बाढ़ पीड़ितों को अधिक से अधिक सहायता मिल सके।

जलभराव की आपदा में पक्ष, विपक्ष और आमजन को मिलकर सेवा करने की जरूरत : नायब सिंह सैनी

● फसल और अन्य नुकसान की भरपाई के लिए प्रदेश सरकार ने खोला हुआ है ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जलभराव की आपदा में पक्ष, विपक्ष और आमजन को मिलकर धैर्य के साथ सेवा करने की जरूरत है ताकि सभी इस आपदा से निजात पा सकें। उन्होंने कहा कि जलभराव वाले क्षेत्रों में धीरे-धीरे पानी कम हो रहा है। पहाड़ों से आए ज्यादा पानी से प्रदेश के करीब 3000 गांव प्रभावित हुए हैं। इन गांवों में फसल और अन्य नुकसान की भरपाई के लिए प्रदेश सरकार ने ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल खोला हुआ है,जहां पर अब तक 1,69,738 किसानों ने 9,96,701 एकड़ फसल के खराबे का आवेदन किया है।

मुख्यमंत्री ने शाहाबाद में जलभराव से प्रभावित गांवों के जन प्रतिनिधियों से बातचीत की और एक एक गांव की स्थिति व नुकसान के

बारे में जानकारी ली। इसके बाद मुख्यमंत्री ने मार्कण्डेश्वर मंदिर में पूजा अर्चना की और साथ ही जलभराव प्रभावित क्षेत्र से शिफ्ट किए हुए नागरिकों से बातचीत कर उनकी समस्याओं को जाना और आश्वासन दिया कि प्रदेश सरकार नागरिकों को हर संभव मदद पहुंचा रही है।

इसके बाद पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि पहाड़ी क्षेत्रों में हुई अत्यधिक बारिश से ज्यादा पानी आने की वजह से प्रदेश के गांव जलभराव से प्रभावित हुए हैं। जिन लोगों के घर तक पानी पहुंचा है, उन्हें सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2023 में भी प्रदेश के अंदर ऐसी स्थिति पैदा हुई थी। प्रदेश में अधिकारी व्यवस्था बनाने के लिए लगे हुए हैं। प्रदेश सरकार ने आमजन के नुकसान की भरपाई के लिए ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल खोला है, जिस पर आमजन रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं।

एक सवाल का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मारकंडा नहर की 25000 क्यूसिक पानी की क्षमता है। इस बार लगभग 40,000 क्यूसिक पानी पहुंचा है, जो ओवरफ्लो होकर खेतों और आसपास के क्षेत्र में जलभराव का कारण बना है।

इस मौके पर मुख्यमंत्री के ओएसडी भारत भूषण भारती, उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा, चेयरमैन धर्मवीर मिर्जापुर, चेयरमैन धर्मवीर डागर सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

हरियाणा में पांव पसार रहा डेंगू: 400 पार पहुंची मरीजों की संख्या, यह जिला है हॉट-स्पॉट

चंडीगढ़। पिछले कई दिनों से जारी बारिश से डेंगू-मलेरिया के केसों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। हरियाणा में बीते दिनों डेंगू के 36 नए केस सामने आए हैं। नए केसों को मिलाकर राज्य में डेंगू के कुल 436 मरीज अब तक आ चुके हैं। जिन शहरों में सबसे ज्यादा मरीज आ रहे हैं, उनमें रेवाड़ी (124), गुरुग्राम, (49) और सोनीपत (33) शामिल हैं। स्वास्थ्य विभाग का दावा है कि अब तक किसी शहर में डेंगू से मौत नहीं हुई है। 20 अगस्त तक कुल 2.6 करोड़ घरों का कई बार दौरा किया गया, जिनमें 1.23 लाख घरों में लार्वा पाए गए। 31 अगस्त तक 39 हजार 724 घरों को नोटिस जारी किया गया, जिनके घरों में मच्छरों का प्रजनन पाया गया है। हरियाणा में पिछले 27 जुलाई से लगातार बारिश की गतिविधियां दर्ज की जा रही हैं।

झज्जर में सेना के जवानों ने संभाला ड्रेन का मरम्मत कार्य

एजेंसी

झज्जर। जिले में बारिश के पानी से बचाव करना मुश्किल होता जा रहा है। इलाके में होने वाली बारिश से जल भराव तो होता ही है, दूसरे जिलों से आने वाली ड्रेन भी ओवरफ्लो चल रही हैं, जो कई बार टूट जाती हैं। प्रशासन एक जगह स्थिति को काबू करता है, तो दूसरी जगह हालत बिगड़ जाती है बहादुरगढ़ में सेना के जवान मुंगेशपुर ड्रेन के कमजोर तटबंधों को सुधारने में लगे हुए हैं। यह ट्रेन बहादुरगढ़ में चार दिन के भीतर दो अलग-अलग स्थानों पर तीन बार टूट चुकी है। जिससे दिल्ली के गांव झाड़ौदा के निकट खेती के बड़े रकबे और कई कॉलोनियों में पानी भर गया। उधर छारा गांव के निकट शनिवार को छारा माइनर टूट गई। जिससे गांव की 100 एकड़ से अधिक जमीन में पानी भर गया।

बहादुरगढ़ में दिल्ली बॉर्डर की तरफ टूटी मुंगेशपुर ड्रेन को ठीक करने में सेना के जवान शनिवार सुबह से ही लगे रहे। सेना के 80 जवान और बहादुरगढ़ के विभिन्न विभागों के 100 से ज्यादा कामगार मौके पर ड्रेन के किनारों को दुरुस्त करने में जुटे हुए हैं। लोहे व लकड़ियों के जाल लगाकर उनके

साथ मिट्टी के कट्टे लगाए जा रहे हैं। प्रशासनिक अधिकारियों ने शनिवार शाम तक ड्रेन के किनारे दुरुस्त होने की उम्मीद व्यक्त की है। सिंचाई विभाग के कार्यकारी अभियंता ईशान सिवाच का कहना है कि सेना और कर्मचारियों की सहायता से शनिवार शाम तक ड्रेन के किनारों को दुरुस्त कर लिया जाएगा।

गांव छारा के पास छारा माइनर टूटी तो ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। कस्सी फावड़े आदि लेकर वे मौके पर भागे और बचाव कार्य शुरू किया। लेकिन तब तक 100 एकड़ से अधिक जमीन में एक से तीन फीट तक पानी बढ़ गया। माइनर टूटने की सूचना मिलते ही बहादुरगढ़ के एसडीएम नसीब कुमार भी बचाव कर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे। माइनर के टूटे तटबंध की मरम्मत की गई और जहां से तटबंध कमजोर मिला, वहां मजबूत करने का कार्य शुरू किया गया। गांव की महिलाएं भी बचाव कार्य में पीछे नहीं रहीं। यह माइनर बहुत लंबी नहीं है। गांव लकड़िया से शुरू हुई यह माइनर झज्जर के छारा गांव होकर भदानी गांव तक जाती है।

NAME CHANGE

I hitherto known as ANURADHA PANDEY alias ANNU PANDEY W/o SHYAM SUNDER PANDEY R/o 0, Village- Munichhpra, Moon Chhupra, Moonchapra, Ballia, Uttar Pradesh-277209, have changed my name and shall hereafter be known as ANNU PANDEY.

सडक़ों के सुदृढ़ीकरण का इसी माह शुरू होगा काम: राव नरबीर सिंह

एजेंसी

गुरुग्राम। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि हरियाणा में वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान करीब छह हजार किलोमीटर लंबी सडक़ों की मरम्मत व सुदृढ़ीकरण का प्रावधान किया गया था। इन सडक़ों के निर्माण की टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और इसी माह बरसात के थमते ही इन पर कार्य आरंभ हो जाएगा। उन्होंने यह बात जिला के बोहड़ा कलां में अखिल भारतीय ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (एबीटीए) द्वारा राष्ट्रीय परिवहन दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही।समारोह में पहुंचने पर अखिल भारतीय ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री का फूलमाला और पगड़ी बांध कर स्वागत किया। राव नरबीर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री पिछले 11 वर्ष का समय सडक़ परिवहन के क्षेत्र का स्वर्ण काल है। इस अवधि में देश में राष्ट्रीय राजमार्गों पर ऐतिहासिक कार्य हुआ है। आज प्रदेश के सभी जिले राष्ट्रीय राजमार्गों से कनेक्ट है। ऐसा कार्य स्वतंत्रता प्राप्ति के 60 वर्षों में भी नहीं हुआ। हरियाणा के एक छोर से दूसरे पर जाने की समय अवधि पहले की तुलना में आधी रह गई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की यही मंशा है कि हर वर्ग को सभी प्रकार की सुविधाएं मिले। साथ ही ट्रांसपोर्ट सेक्टर से जुड़ी मांगों का पत्र भी सौंपा। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री ने ध्यानपूर्वक एसोसिएशन की मांगों को सुना और आश्वस्त करते हुए कहा कि आपकी मांगों पर जल्द ही कार्य होता नजर आएगा। साथ ही केएमपी पर अतिरिक्त कैमरे भी लगाए जाएंगे ताकि टोल को लेकर किसी प्रकार की दुविधा न हो। इसके अतिरिक्त बिलासपुर और मानेसर के फ्लाईओवर के कार्य भी जल्द शुरू होंगे और नई कनेक्टिंग सडक़ों पर भी काम होगा। इस अवसर पर बीजेपी के गुरुग्राम महानगर अध्यक्ष अजीत यादव, अखिल भारतीय ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष आरके शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष कंवर यादव, संरक्षक सतबीर सिंह, गुरुग्राम जिला के कार्यकारी प्रधान विजेंद्र सिंह, पार्षद कुलदीप यादव, वीरेंद्र शर्मा व अशोक कुमार सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

भारत में मानसून के दौरान कोयला आयात में 16.4 फीसदी की गिरावट

- एक साल पहले सितंबर में कोयला आयात 2.52 करोड़ टन था

नई दिल्ली ।

मानसून के मौसम में सुस्त मांग और स्टॉक की बेहतर उपलब्धता के कारण जुलाई 2025 में भारत का कोयला आयात 16.4 प्रतिशत घटकर 2.10 करोड़ टन रह गया। एक साल पहले इसी महीने यह 2.52 करोड़ टन था। नॉन-कोकिंग कोयले का आयात जुलाई में 1.15 करोड़ टन था, जो पिछले वित्त वर्ष के जुलाई में 1.65 करोड़ टन था। वहीं, कोकिंग कोयले का आयात 58.5 लाख टन रहा, जो पिछले साल की तुलना में बढ़ा है। चालू वित्त वर्ष के पहले चार महीनों (अप्रैल-जुलाई) के दौरान भारत का कुल कोयला आयात 9.74 करोड़ टन रहा, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 10.04 करोड़ टन था। इस अवधि में नॉन-कोकिंग कोयले का आयात 6.06 करोड़ टन था, जो पिछले साल के 6.56 करोड़ टन से कम है। वहीं कोकिंग कोयले का आयात 2.22 करोड़ टन रहा, जो पिछले वित्त वर्ष के 2.02 करोड़ टन से अधिक है। 'एमजंक्शन' सर्विसेज के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मानसून के कारण कोयले की मांग सुस्त रही, लेकिन सितंबर के अंत से शुरू होने वाले त्योहारी सीजन में मांग में तेजी आने की उम्मीद है। इससे कोयला आयात में फिर से वृद्धि हो सकती है। कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी ने कहा कि मानसून के दौरान कोयले की किसी भी कमी का सामना नहीं करना पड़ेगा। सरकार बिजली सहित विभिन्न क्षेत्रों में मांग को पूरा करने के लिए पूरी तरह तैयार है। साथ ही, सरकार सतत विकास और कोयले की उपलब्धता बढ़ाने के साथ-साथ आयात पर निर्भरता कम करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह स्थिति भारत की ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण है।

फिजिक्सवाला ने सेबी के पास आईपीओ दस्तावेज दाखिल किए

- 3,820 करोड़ रुपए जुटाने का लक्ष्य

नई दिल्ली ।

नोएडा स्थित शिक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी फिजिक्सवाला ने विस्तार और विकास के लिए 3,820 करोड़ रुपये जुटाने के उद्देश्य से बाजार नियामक सेबी के पास अद्यतन दस्तावेज (यूडीआरएचपी) दाखिल किए हैं। इसके तहत कंपनी 3,100 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी करेगी और प्रवर्तक अलख पांडेय व प्रतीक बूब 720 करोड़ रुपये के शेयर बेचेंगे। दोनों प्रवर्तकों के पास कंपनी में लगभग 40.35 फीसीदी हिस्सेदारी है। फिजिक्सवाला ने मार्च में गोपनीय रूप से आईपीओ के लिए दस्तावेज दाखिल किए थे, जिसे जुलाई में सेबी ने मंजूरी दी। इसके बाद अब अद्यतन दस्तावेज दाखिल कर आरएचपी प्रक्रिया पूरी की जा रही है। जुटाए गए फंड का उपयोग कंपनी नए ऑफलाइन और हाइब्रिड केंद्रों की स्थापना (460.5 करोड़ रुपये) और मौजूदा केंद्रों के पट्टे के भुगतान (548.3 करोड़ रुपये) में करेगी। इसके अलावा, फिजिक्सवाला अपनी अनुषंगी कंपनी ज़ाइलम लर्निंग में 47.2 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। सर्वर और क्लाउड इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए 200.1 करोड़ रुपये, विपणन के लिए 710 करोड़ रुपये और उत्कर्ष क्लासेस में अतिरिक्त हिस्सेदारी के लिए 26.5 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। फिजिक्सवाला जेईई, नीट, गेट और यूपीएससी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से कोर्स प्रदान करती है। कंपनी के तकनीक-सक्षम केंद्र छात्रों को व्यक्तिगत सहायता के साथ शिक्षा उपलब्ध कराते हैं। यह आईपीओ फिजिक्सवाला के विस्तार के लिए महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जिससे कंपनी भारत के शिक्षा क्षेत्र में अपनी पहुंच और प्रभाव को और बढ़ा सकेगी।

एफपीआई ने सितंबर के पहले सप्ताह में शेयर बाजार से 12,257 करोड़ निकाले

- अब तक कुल 1.43 लाख करोड़ रुपये की एफपीआई निकासी दर्ज की गई

नई दिल्ली ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने सितंबर के पहले सप्ताह में भारतीय शेयर बाजारों से 12,257 करोड़ रुपये (लगभग 1.4 अरब डॉलर) की बड़ी निकासी की है। यह निरंतर प्रवृत्ति रही है क्योंकि अगस्त में 34,990 करोड़ और जुलाई में 17,700 करोड़ रुपये की निकासी हुई थी। इस तरह, 2025 में अब तक कुल 1.43 लाख करोड़ रुपये की एफपीआई निकासी दर्ज की गई है। विशेषज्ञों के अनुसार डॉलर में मजबूती, अमेरिकी शुल्क संबंधी चिंताएं, और वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव निकासी के प्रमुख कारण हैं। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीतियां, अमेरिकी श्रम बाजार के आंकड़े, और भारतीय रिजर्व बैंक की ब्याज दरों पर निर्णय आगामी सप्ताहों में एफपीआई के निवेश प्रवाह को प्रभावित कर सकते हैं। बाजार के जानकारों के मुताबिक आने वाले सप्ताह में आर्थिक संकेतकों पर नजर रहेगी, जो निवेशकों के निर्णयों को प्रभावित करेंगी। अस्थिरता के बावजूद भारत की मजबूत विकास दर, नीतिगत सुधार और कंपनियों की बेहतर आय के कारण एफपीआई अंततः वापस आएंगे। उन्होंने बताया कि घरेलू संस्थागत निवेशकों की खरीदारी से एफपीआई उच्च मूल्यांकन वाले भारतीय बाजारों से पैसा निकालकर चीन, हांगकांग और दक्षिण कोरिया जैसे सस्ते बाजारों में निवेश कर रहे हैं। समीक्षाधीन अवधि में एफपीआई ने ऋण या बॉन्ड सेक्टर में 1,978 करोड़ रुपये का निवेश किया है, जबकि स्वैच्छिक प्रतिधारण मार्ग से 993 करोड़ रुपये निकाले गए हैं।

टेस्ला ने पहली कार महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री को बेची

नई दिल्ली ।

अमेरिकी उदयोगपति एलन मस्क की कंपनी टेस्ला ने भारत में डिलीवरी शुरू कर दी है। टेस्ला ने अपनी पहली कार महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक को बेची है। राज्य के परिवहन मंत्री ने कहा कि कार खरीदने का उनका फैसला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए था। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, मैंने नागरिकों, खासकर युवा पीढ़ी के बीच इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए टेस्ला की डिलीवरी ली है। मैं चाहता हूं कि बच्चे इन कारों को कम उम्र से ही देखें और सस्टेनेबल परिवहन के महत्व को समझें। सरनाइक ने कहा कि वह प्रतीकात्मक रूप से अपने पोते को यह गाड़ी उपहार में देंगे। सरनाईक ने मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में टेस्ला के नए खुले शोरूम से मॉडल वाई की डिलीवरी ली। हालांकि, भारत में टेस्ला के आगमन को लेकर जितनी चर्चा हुई थी, वह उसकी सेल्स में नहीं दिखी है। इस हफ्ते की शुरुआत में आई कई रिपोर्टों के अनुसार, जुलाई के मध्य में बुकिंग शुरू करने के बाद से, कंपनी को केवल 600 से ज्यादा ऑर्डर मिले हैं। वैश्विक स्तर पर, टेस्ला कुछ ही घंटों में इतनी कारें बेच देती है। कंपनी इस साल भारत में 350 से 500 कारें शिप कर सकती है, जिसकी पहली खेप सितंबर की शुरुआत में शंघाई से आ चुकी है। शुरुआत में डिलीवरी मुंबई, दिल्ली, पुणे और गुरुग्राम तक सीमित रहेगी। डिलीवरी के समय सरनाइक ने कहा, भले ही आज लागत थोड़ी ज्यादा हो, लेकिन अधिक महत्वपूर्ण बात सही उदाहरण पेश करना और इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने में तेजी लाना है।

सेंसेक्स की प्रमुख सात कंपनियों का मार्केट कैप 1.06 लाख करोड़ बढ़ा

- बजाज फाइनेंस और रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे आगे

नई दिल्ली । पिछले सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से सात कंपे नियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में कुल 1,06,250.95 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है। सबसे अधिक लाभ बजाज फाइनेंस और रिलायंस इंडस्ट्रीज में हुआ। बजाज फाइनेंस का बाजार पूंजीकरण 37,960.96 करोड़ रुपये बढ़कर 5,83,451.27 करोड़ रुपये हो गया। वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्य 23,343.51 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी के साथ 18,59,767.71 करोड़ रुपये पर पहुंचा। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 17,580.42 करोड़ रुपये बढ़कर 14,78,444.32 करोड़ रुपये हो गया। एलआईसी का मूल्यांकन भी 15,559.49 करोड़ रुपये की वृद्धि के साथ 5,54,607.42 करोड़ रुपये पहुंचा। भारतीय स्टेट बैंक का बाजार मूल्य 4,246.09 करोड़ रुपये बढ़कर 7,44,864.69 करोड़ रुपये हो गया। भारती एयरटेल और आईसीआईसीआई बैंक के बाजार मूल्य में भी क्रमशः 4,134.02 करोड़ और 3,426.46 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई। वहीं टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार मूल्य 13,007.02 करोड़ रुपये घटकर 11,02,955.89 करोड़ रुपये रह गया। इन्फोसिस का मूल्यांकन 10,427.47 करोड़ रुपये गिरकर 6,00,036.47 करोड़ रुपये हो गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत भी 6,296.91 करोड़ रुपये घटकर 6,18,694.37 करोड़ रुपये रह गई। रिलायंस इंडस्ट्रीज शीर्ष स्थान पर कायम रही। इसके बाद एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस और एलआईसी की स्थिति बनी रही।

सरकार ने तय किए 42 जीवनरक्षक दवाओं के खुदरा दाम

नई दिल्ली । राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने जीवनरक्षक दवाओं की कीमतें तय कर दी हैं। इनमें ज़ाइडस हेल्थकेयर की मेरोपीनम एंड सलबेक्टम इंजेक्शन की कीमत 1938.59 प्रति वायल और इप्का लेबोरेट्रीज़ की मायकोफेनोलेट माफे टिल टेबलेट की कीमत 131.58 प्रति टैबलेट तय की गई है। ये दवाएं गंभीर संक्रमण और अंग प्रत्यारोपण के बाद ऑर्गन रिजेक्शन रोकने में इस्तेमाल होती हैं। इसके अलावा, एबॉट हेल्थकेयर की क्ले रिथ्रोमाय सिन ईआर टेबलेट की कीमत 71.71 रुपए प्रति टैबलेट तय की गई है। एनपीपीए ने सभी दवा निर्माताओं को निर्देश दिया है कि वे निर्धारित मूल्य सूची डीलरों, राज्य औषधि नियंत्रकों और सरकार को सौंपें। साथ ही, सभी रिटेलरों और ऑनलाइन फार्मेसियों को यह सूची सार्वजनिक और स्पष्ट स्थान पर प्रदर्शित करनी होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि इस कदम से मरीजों को राहत मिलेगी और दवा विक्रेताओं द्वारा की जाने वाली अनियमित मुनाफाखोरी पर नियंत्रण होगा।

पोस्ट ऑफिस पीपीएफ योजना- सुरक्षित और लाभकारी बचत का विकल्प

- हर साल 50,000 रुपये बचाइए

नई दिल्ली । पोस्ट ऑफिस की पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) योजना केंद्र सरकार द्वारा संचालित एक सुरक्षित बचत योजना है। इस पर वर्तमान में 7.1 फीसदी वार्षिक ब्याज मिलता है, जो निवेशकों के लिए आकर्षक रिटर्न प्रदान करता है। पीपीएफ खाते में न्यूनतम 500 रुपये और अधिकतम 1.5 लाख रुपये सालाना जमा किए जा सकते हैं। खाता 15 साल की अवधि में मैच्योर होता है, जिसे 5-5 साल की अतिरिक्त अवधि के लिए बढ़ाया जा सकता है। यदि आप हर साल 50,000 रुपये जमा करते हैं, तो 15 साल बाद कुल राशि लगभग 13,56,070 रुपये बनती है, जिसमें आपकी जमा राशि और ब्याज दोनों शामिल हैं। पीपीएफ खाते में आपातकालीन जरूरतों के लिए लोन भी लिया जा सकता है। निकासी 5 साल पूरे होने के बाद ही संभव है, हालांकि कुछ विशेष परिस्थितियों में पहले भी निकासी की अनुमति है। यह योजना सरकार द्वारा समर्थित है, इसलिए यह पूरी तरह सुरक्षित है। अगर सालाना न्यूनतम जमा नहीं किया गया तो जुर्माना देकर खाता सक्रिय कराया जा सकता है।

विपक्षी दलों ने भी जीएसटी 2.0 का किया समर्थन

नई दिल्ली ।

विपक्षी दलों ने भी केंद्र सरकार के जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) प्रणाली में ऐतिहासिक बदलाव का समर्थन किया। कांग्रेस ने इसे जीएटी तस्ज्ञ 1.5 करार दिया और उम्मीद जताई कि इससे छोटे उद्योगों को राहत मिलेगी। कर्नाटक, केरल, झारखंड जैसे आठ विपक्षी राज्यों ने भी टैक्स दरों में कटौती का समर्थन किया, लेकिन यह भी कहा कि टैक्स राहत का लाभ सीधे आम लोगों तक पहुंचे, इसके लिए निगरानी तंत्र बनाया जाए। अब देश में 12 और 28 फीसदी जैसे टैक्स स्लैब खत्म कर दिए गए हैं। इसके स्थान पर सिर्फ दो मुख्य टैक्स दरें लागू होंगी - 5 और 18 फीसदी। यह नया ढांचा 22 सितंबर 2025 से लागू होगा। इस बदलाव के बाद मक्खन, चॉकलेट, शैंपू, ट्रैक्टर और एयर कंडीशनर जैसी चीजें सस्ती हो जाएंगी। वहीं कुछ घरेलू उपयोग की वस्तुओं से टैक्स पूरी तरह हटा दिया गया है। राज्यों ने राजस्व में संभावित नुकसान की चिंता तो जताई, लेकिन जनहित को प्राथमिकता दी।

वैश्विक आर्थिक आंकड़ों, विदेशी निवेशकों से तय होगी बाजार की दिशा

- कच्चे तेल में उतार-चढ़ाव और रुपये-डॉलर के विनिमय दर की दिशा भी बाजार को प्रभावित करेगी

मुंबई ।

इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार की दिशा घरेलू और वैश्विक आर्थिक आंकड़ों, विदेशी निवेशकों की गतिविधियों और मुद्रास्फीति के आंकड़ों से निर्धारित होगी। पिछले सप्ताह बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में अच्छी बढ़त दर्ज की गई, जिससे निवेशकों में सकारात्मक भावना बनी हुई है। बाजार के` विशेषज्ञों बताया कि 12 सितंबर को भारत की मुद्रास्फीति के आंकड़े जारी होंगे, जो बाजार की चाल के लिए अहम भूमिका निभाएंगे। इसके अलावा, हाल ही में जीएसटी दरों में कटौती से बाजार की धारणा में सुधार हो सकता है, जिससे क्षेत्रीय स्तर पर तेजी आ सकती है। अमेरिका के उपभोक्ता मुद्रास्फीति, बेरोजगारी के दावे और उपभोक्ता धारणा के आंकड़े इस सप्ताह प्रमुख रहेंगे। ये आंकड़े अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीतिगत बैठक (16-17 सितंबर) के फैसले को प्रभावित करेंगे। यूरोपीय केंद्रीय बैंक का ब्याज दर निर्णय और जापान की दूसरी तिमाही की जीडीपी भी निवेशकों की नजरों में होंगे। बाजार के एक वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक ने कहा कि बाजार इस सप्ताह सतर्क लेकिन आशावादी रुख के साथ खुलेगा।

निवेशक विशेष रूप से उपभोग-आधारित और पूंजीगत व्यय-आधारित क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और रुपये-डॉलर के विनिमय दर की दिशा भी बाजार को प्रभावित करेगी। विशेषज्ञों ने कहा कि बाजार के लिए यह सप्ताह महत्वपूर्ण है, क्योंकि नीतिगत सुधार और मजबूत आर्थिक आंकड़े बाजार धारणा को बेहतर बना सकते हैं। भारत और अमेरिका की मुद्रास्फीति, यूरोपीय केंद्रीय बैंक का ब्याज दर निर्णय और जापान की जीडीपी प्रमुख आंकड़ों में शामिल हैं। इस सप्ताह के आर्थिक और नीतिगत घटनाक्रम भारतीय शेयर बाजार की दिशा तय करने में निर्णायक भूमिका निभाएंगे।

भारत-चीन संबंधों में नरमी से शेयर बाजार को राहत

टैक्स कटौती और ब्याज दरों की उम्मीद से निवेशकों में भरोसा

नई दिल्ली । भारत और चीन के बीच रिश्तों में नरमी का असर भारतीय शेयर बाजार पर सकारात्मक रूप में देखा जा रहा है। 31 अगस्त को चीन के तियानजिन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच प्रतीकात्मक हैंडशेक और बातचीत से निवेशकों में उम्मीद जगी है कि दोनों देशों के व्यापारिक संबंधों में अब सुधार संभव है। मुलाकात के दौरान सीमा विवाद, सीधी उड़ानों की बहाली और व्यापार बढ़ाने जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने प्रतिद्वंद्विता के बजाय सहयोग को प्राथमिकता देने पर सहमति जताई। जानकारों का मानना है कि इससे भारत को निवेश, तकनीक और चीन की क्लीन एनर्जी सप्लाई चेन तक पहुंच के नए अवसर मिल सकते हैं। इसके साथ ही केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में की गई टैक्स कटौती और भारतीय रिजर्व बैंक की संभावित ब्याज दरों में कटौती ने भी शेयर बाजार को मजबूती दी है। इन कदमों से अमेरिकी टैरिफ और कमजोर तिमाही नतीजों के असर को संतुलित करने में मदद मिल सकती है। वर्तमान में निफ्टी 50 इस साल अब तक सिर्फ 4.6 फीसदी बढ़ा है, जबकि एमएससीआई इमर्जिंग मार्केट्स इंडेक्स 19 फीसदी ऊपर है। विदेशी निवेशक अब तक भारतीय शेयरों से 16 अरब डॉलर की निकासी कर चुके हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि भारत-चीन रिश्तों में सुधार से भारत की उभरते बाजारों में हिस्सेदारी को फिर से मजबूत किया जा सकता है। हालांकि भारत-चीन व्यापार संतुलन अब भी भारत के खिलाफ है, लेकिन यह नरमी आर्थिक दृष्टिकोण से एक नई शुरुआत का संकेत हो सकती है।

अदाणी समूह 2031-32 तक बिजली क्षेत्र में 60 अरब डॉलर निवेश करेगा

- कंपनी नवीकरणीय ऊर्जा और पारेषण पर दे रही जोर

नई दिल्ली ।

अदाणी समूह उद्योगपति गौतम अदाणी के नेतृत्व में, अगले दशक में भारत के बिजली क्षेत्र में लगभग 60 अरब अमेरिकी डॉलर का बड़ा निवेश करने जा रहा है। यह निवेश विशेष रूप से नवीकरणीय ऊर्जा, उत्पादन तथा पारेषण और वितरण के क्षेत्रों में होगा। समूह की योजना है कि वित्त वर्ष 2029-30 तक नवीकरणीय ऊर्जा में 21 अरब डॉलर का निवेश कर इसकी क्षमता को वर्तमान 14.2 गीगावाट से बढ़ाकर 50 गीगावाट तक पहुंचाया जाए। अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) ग्रिड से जुड़ी सौर और पवन ऊर्जा परियोजनाओं के विकास, निर्माण, संचालन और रखरखाव में प्रमुख भूमिका निभाएगी। भारत नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में विश्व में चौथे स्थान पर है और 2031-32 तक इसकी कुल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 571 गीगावाट तक पहुंचने की संभावना है, जिसमें 300 अरब डॉलर से अधिक निवेश के अवसर हैं। अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड (एईएसएल) पारेषण और वितरण नेटवर्क के विस्तार में 17 अरब डॉलर निवेश करेगा। कंपनी 2029-30 तक 30,000 किलोमीटर लंबी पारेषण लाइन स्थापित करने की योजना बना रही है, जो वर्तमान में 19,200 किलोमीटर है। एईएसएल र्ट मीटरिंग और शीतलन समाधान जैसे क्षेत्रों में भी सक्रिय है। दाणी पावर वित्त वर्ष 2031-32 तक अपनी तापीय बिजली उत्पादन क्षमता को 17.6 गीगावाट से बढ़ाकर 41.9 गीगावाट तक पहुंचाएगा। अदाणी पावर भारत की सबसे बड़ी निजी ताप बिजली उत्पादक कंपनी है, जो कई राज्यों में सक्रिय है। भारत में तापीय बिजली क्षमता 2031-32 तक 309 गीगावाट तक पहुंचने का अनुमान है, जिसमें कोयला आधारित 80 गीगावाट अतिरिक्त क्षमता की आवश्यकता होगी।

गैलेक्सी झेड फोल्ड 3 और झेड फलीप 3 को नहीं मिलेंगे सिक्योरिटी अपडेट्स

नई दिल्ली । दक्षिण कोरियाई कंपनी सैमसंग ने घोषणा की है कि गैलेक्सी झेड फोल्ड 3 और गैलेक्सी झेड फलीप 3 स्मार्टफोन को अब से मंथली सिक्योरिटी अपडेट्स नहीं मिलेंगे। इन दोनों फोन्स को अगस्त 2021 में लॉन्च किया गया था और लगभग चार साल तक इन्हें नियमित मंथली अपडेट्स मिलते रहे। अब ये डिवाइस केवल तिमाही यानी हर तीन महीने में सिक्योरिटी पैच प्राप्त करेंगे। हालांकि, कंपनी ने यह भी साफ किया कि यूजर्स को सुरक्षा के मामले में पूरी तरह निराश होने की जरूरत नहीं है क्योंकि क्वॉर्टरली अपडेट्स जारी रहेंगे। इस बदलाव के बाद अब गैलेक्सी झेड फोल्ड 4 और गैलेक्सी झेड फलीप 4 सबसे पुराने ऐसे फोल्डेबल होंगे जिन्हें मंथली अपडेट मिलते रहेंगे। सैमसंग ने गैलेक्सी एस-सीरीज की अपडेट लिस्ट में भी बदलाव किया है। अब सिर्फ गैलेक्सी एस20 एफई 4जी, एस20 एफई 5जी, गैलेक्सी एस21 5जी, गैलेक्सी एस21प्लस 5जी और एस21 अल्ट्रा 5जी जैसे मॉडल्स को ही मंथली सिक्योरिटी पैच मिलेगा। बाकी पुराने एस20 सीरीज मॉडल्स इस लिस्ट से बाहर हो गए हैं। गैलेक्सी झेड फोल्ड 3 में 7.6 इंच का क्यूएक्सजीए प्लस डायनामिक अमोलेड 2एक्स डिस्प्ले और 120एचझेड रिफ्रेश रेट सपोर्ट है, जबकि झेड फलीप 3 में 6.7 इंच का फुल-एचडी प्लस अमोलेड डिस्प्ले मिलता है।

जीएसटी काउंसिल ने वाहनों और कृषि उपकरणों पर कर दरों में किए बदलाव

नई दिल्ली । हाल ही में जीएसटी काउंसिल ने वाहनों और कृषि उपकरणों पर कर दरों में अहम बदलाव किए हैं। हाल ही में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने घोषणा की कि यह नए नियम 22 सितंबर 2025 से लागू होंगे। फैसले के तहत छोटे वाहनों, 350 सीसी तक की मोटरसाइकिलों, तीन पहिया वाहनों, बसों, ट्रकों और एम्बुलेंस पर जीएसटी 28प्रतिशत से घटाकर 18प्रतिशत कर दिया गया है। इससे मारुति सुजुकी ऑल्टो, हुंडई ग्रैंड आई10 और टाटा टियागो जैसी कारों की कीमतें 10प्रतिशत तक कम हो सकती हैं। इसी तरह, होंडा एक्टिवा, बजाज पल्सर और हीरो स्प्लेंडर जैसी लोकप्रिय टू-व्हीलर भी सस्ती हो जाएंगी। ऑटो पार्ट्स पर अब 18प्रतिशत की एक समान दर लागू होगी, जिससे इंडस्ट्री को राहत मिलेगी। छोटे हाइब्रिड वाहनों को भी इस श्रेणी में शामिल किया गया है। किसानों को ध्यान में रखते हुए ट्रैक्टर और हार्वेस्टर समेत कई कृषि उपकरणों पर जीएसटी 12प्रतिशत से घटाकर 5प्रतिशत कर दिया गया है। इससे उत्पादन लागत घटने की उम्मीद है।

मातृत्व का अपमानः बिहार की राजनीति पर असर

ललित गर्ग

बिहार विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आते जा रहे हैं, विपक्षी नेताओं की जुबान फिसलती जा रही है, वे राजनीति से इतर नेताओं की निजी जिंदगियों में तांक-झांक वाले, धार्मिक भावनाओं को भड़काने वाले ऐसे बोल बोल रहे हैं, जो न सिर्फ. आपत्तिजनक हैं, बल्कि राष्ट्र-तोड़क एवं जनभावनाओं को आहत करने वाले है। प्रधानमंत्री मोदी को नीचा दिखाने के मकसद से ये नेता मयार्दा, शालीनता और नैतिकता की रेखाएं पार करते नजर आए हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की माताजी के संबंध में कांग्रेस और राजद के मंच से जो अभद्र व अशालीन शब्द कहे गए, उसने न केवल राजनीतिक वातावरण को कलंकित किया है, बल्कि पूरे देश की संवेदनाओं को भी आहत किया है। भारत में माँ केवल एक परिवार की सदस्य नहीं होती, वह मातृत्व का प्रतीक है, करुणा और संस्कार की धारा है, जीवन की प्रथम शिक्षिका है। किसी भी माँ के लिए अपमानजनक टिप्पणी वस्तुतः संपूर्ण मातृत्व का अपमान है। इसलिए जब किसी दल के नेता राजनीतिक आग्रहों एवं दुराग्रहों के चलते प्रधानमंत्री की माताजी को अपशब्द कहते हैं, तो यह प्रधानमंत्री पर नहीं बल्कि हर उस भारतीय पर चोट करता है, जिसने अपनी माँ को श्रद्धा और सम्मान के उच्चतम स्थान पर रखा है, यह भारतीय संस्कृति एवं तहजीब का भी अपमान है। यही कारण है कि यह घटना केवल राजनीतिक विवाद नहीं रही, यह एक सामाजिक-नैतिक प्रश्न बन गई है। नेताओं को यह बात समझनी चाहिए कि सही तरीके से बोले गए शब्दों में लोगों को जोड़ने की ताकत होती है, जबकि गलत भाषा एवं बोल का इस्तेमाल राजनीतिक धरातल को कमजोर करता है।

बिहार विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आते जा रहे हैं, विपक्षी नेताओं की जुबान फिसलती जा रही है, वे राजनीति से इतर नेताओं की निजी जिंदगियों में तांक-झांक वाले, धार्मिक भावनाओं को भड़काने वाले ऐसे बोल बोल रहे हैं, जो न सिर्फ. आपत्तिजनक हैं, बल्कि राष्ट्र-तोड़क एवं जनभावनाओं को आहत करने वाले है। प्रधानमंत्री मोदी को नीचा दिखाने के मकसद से ये नेता मयार्दा, शालीनता और नैतिकता की रेखाएं पार करते नजर आए हैं। गलत का विरोध खुलकर हो, राष्ट्र-निर्माण के लिये अपनी बात कही जाये, अपने राजनीतिक मुद्दों को भी प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया जाये, लेकिन गलत, उच्छृंखल एवं अनुशासनहीन बयानों की राजनीति से बचना चाहिए। बड़ा सवाल है कि एक ऊजार्वान एवं दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में क्या वाकई अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल औचित्यपूर्ण है? लोकतंत्र में असहमति होना स्वाभाविक है। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकार की नीतियों की आलोचना करना विपक्ष का अधिकार ही नहीं, उसका दायित्व भी है। परंतु आलोचना और अभद्रता में बहुत बड़ा अंतर है। जब राजनीतिक संवाद विचारों, नीतियों और कार्यक्रमों से हटकर व्यक्तिगत और पारिवारिक अपमान तक पहुँच जाता है, तब लोकतंत्र की आत्मा पर आघात होता है। विपक्ष को सरकार की योजनाओं, उसकी कमियों या विफलताओं पर सवाल उठाने चाहिए, लेकिन यदि वे प्रधानमंत्री की माँ को निशाना बनाएंगे, तो जनता इसे राजनीतिक परिपक्वता की कमी, विकृत राजनीति और हताशा का प्रतीक ही मानेगी।

इतिहास साक्षी है कि जब-जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर गाली-गलौज की गई है, तब-तब यह उनके लिए सहानुभूति और समर्थन का कारण बना है। 2014 के लोकसभा चुनाव के समय से ही अनेक अवसर आए, जब कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दलों ने मोदी पर अशालीन एवं अभद्र टिप्पणियां की हैं लेकिन विपक्षी नेताओं ने अब सारी हदें लांघते हुए उन पर राजनीतिक छिद्रान्वेषण से हटकर व्यक्तिगत हमले कर-के, उनकी पृष्ठभूमि और उनके परिवार को लेकर अपमानजनक शब्द कह कर राजनीतिक मयार्दाओं का हनन किया है। लेकिन हर बार जनता ने इसका उत्तर मोदी के पक्ष में समर्थन देकर दिया। 2019 के आम चुनाव में भी जब अपशब्दों की बाढ़ आई, तो मोदी और भी सशक्त होकर सामने आए। जनता ने मानो यह संदेश दे दिया कि जो व्यक्ति अपनी व्यक्तिगत गरिमा और पारिवारिक मयार्दा का स्वयं उत्तर नहीं देता, बल्कि मौन रहकर केवल अपने राष्ट्र विकास के कार्यों से जवाब देता है, वही उनकी सहानुभूति का अधिकारी है। यही कारण है कि मोदी पर गाली की हर चोट उनके समर्थन को और व्यापक बना देती है। मोदी को कोई भी गाली कभी भी कमजोर नही कर सकती।

भारतीय मतदाता भावनाओं से गहराई से जुड़ा हुआ है। वह केवल तर्क और आँकड़ों से प्रभावित नहीं होता, बल्कि उसके निर्णय में संवेदनाएँ और संस्कार भी बराबरी से भूमिका निभाते हैं। प्रधानमंत्री की माता जी पर की गई टिप्पणी ने इस संवेदनशीलता को झकझोर दिया है। भारतीय समाज के लिए माँ केवल परिवार की धुरी नहीं है, बल्कि राष्ट्र की आत्मा का प्रतीक भी है। इसीलिए जब माँ पर आघात हुआ, तो जनता ने इसे मोदी के परिवार का नहीं बल्कि अपने परिवार का अपमान माना। यह भावनात्मक जुड़ाव विपक्ष की रणनीति को उल्टा कर देता है और मोदी के लिए जनसमर्थन का कारण बन जाता है। भारतीय राजनीति में स्तरहीन, हल्की और सस्ती बातें कहने का चलन काफी समय से है। लेकिन पिछले दो दशकों में यह वीभत्स रूप धारण कर चुका है। एक समय राम मनोहर लोहिया ने इंदिरा गांधी को केवल गूंगी गुड़िया कहा था तो काफी विवाद हुआ और बड़ी तादाद में लोगों ने लोहिया का विरोध किया। लेकिन आज कांग्रेस मोदी के खिलाफ काफी कुछ बोल चुकी हैं, कभी रावण तो कभी नीच, कातिल, शैतान, मौत का सौदागर जैसे शब्दों का खुलेआम इस्तेमाल किया है। जिसमें उनकी हताशा साफ झलकती है। कड़वे एवं गलत बयानी के मामले में कांग्रेसियों की तो लम्बी सूची है। चाहे सानिया हो या राहुल, चाहे वह अधीर रंजन हों या दिग्विजय सिंह या फिर संजय निरुपम, खडगे और प्रियंका गांधी। इन नेताओं ने बेहद हल्के शब्दों का इस्तेमाल किया, जिससे उनकी खीझ एवं बौखलाहट का पता चलता है। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि मोदी और उनकी पार्टी ने ऐसे अमर्यादित शब्दों और टिप्पणियों को अपने लाभ के लिए इस्तेमाल किया। नरेन्द्र मोदी को चाय वाला कहकर उनका उपहास उड़ाने वाले विपक्षियों को तो उन्होंने अपने कार्यों और उपलब्धियों से आईना दिखा दिया। आज चाय वाला शब्द मेहनतकश लोगों के सम्मान का प्रतीक बन गया है।

बिहार के चुनावी परिदृश्य पर इस घटना का गहरा असर पड़ना स्वाभाविक है। यहाँ की राजनीति पहले से ही जातीय समीकरणों, आर्थिक पिछड़ेपन और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों में उलझी हुई है। विपक्ष अपने लिए जगह बनाने के लिए संघर्षरत है, परंतु वह जनता को कोई ठोस और विश्वसनीय विकल्प देने में असफल रहा है। ऐसे में जब उसके नेता अभद्रता पर उतर आते हैं, तो जनता का विश्वास और भी कम हो जाता है। वह सोचने लगती है कि जिन नेताओं के पास शब्दों की गरिमा और तर्क का बल नहीं है, वे शासन और प्रशासन की मयार्दा कैसे संभालेंगे? इसीलिए बिहार की जनता ऐसी अभद्रता का समर्थन नहीं करेगी और इसका सीधा असर विपक्ष की चुनावी संभावनाओं पर पड़ेगा। यह भी एक गहन प्रश्न है कि विपक्ष आखिर किस हद तक गिरेगा? क्या लोकतंत्र अब केवल गाली-गलौज और व्यक्तिगत अपमान तक सीमित रह जाएगा? क्या राजनीति में विचारों और सिद्धांतों की जगह अब विकारों और अशालीनता ने ले ली है? यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। प्रधानमंत्री मोदी पर गाली-गलौज की हर घटना उनके व्यक्तित्व को और दृढ़ बनाती है। वे स्वयं बार-बार कहते रहे हैं कि उन्हें जितनी गालियाँ मिलेंगी, वे उतनी ही शक्ति से देश सेवा में लगेंगे। उनके इस धैर्य और संयम ने उन्हें जनता के बीच एक अलग पहचान दी है। जनता यह अनुभव करती है कि जो व्यक्ति व्यक्तिगत अपमान को भी सह लेता है, लेकिन जनता की सेवा से विचलित नहीं होता, वही सच्चा नेतृत्वकर्ता है। यही कारण है कि उनके विरोधियों की अभद्रता अंततः उन्हीं पर भारी पड़ती है। विपक्ष को यह समझना होगा कि लोकतंत्र में सफलता केवल आलोचना से नहीं मिलती, बल्कि वैकल्पिक नीतियों और रचनात्मक दृष्टि से मिलती है। केवल मोदी विरोध करना ही राजनीति का उद्देश्य नहीं हो सकता। जनता को चाहिए कि विपक्ष विकास की कोई ठोस योजना प्रस्तुत करे, रोजगार और शिक्षा की स्थिति सुधारने का मार्ग दिखाए, स्वास्थ्य और किसान समस्याओं पर गंभीरता से बात करे। यदि वे यह सब नहीं कर सकते और केवल गाली-गलौज की राजनीति करेंगे, तो उनका हश्र वही होगा जो बार-बार होता आया है। जनता उन्हें नकार देगी और उनके अपशब्द मोदी के लिए समर्थन की नई ऊर्जा बनेंगे। यदि विपक्ष अपनी भाषा और व्यवहार पर संयम नहीं रखेगा, तो न केवल उसकी साख गिरेगी बल्कि लोकतंत्र की प्रतिष्ठा भी आहत होगी।

संपादकीय

जीएसटी में सुधार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जीएसटी व्यवस्था में किए गए व्यापक सुधारों (जीएसटी 2.0) को राष्ट्र के लिए समर्थन और वृद्धि को 'दोहरी खुराक' करार देते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि आत्मनिर्भर भारत के लिए अगली पीढ़ी के सुधारों की श्रृंखला अब नहीं थमेगी। राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार विजेताओं के साथसंवाद के दौरान कहा कि उन्होंने 15 अगस्त को लाल किले से वादा किया था कि दिवाली और छठ पूजा से पहले देशवासियों को 'दोहरा धमाका' मिलेगा। गौरतलब है कि जीएसटी परिषद की बुधवार को हुई बैठक में अब से सिर्फ पांच और 18 फीसद की दो कर दरें रखने का फैसला किया गया जबकि विलासिता एवं अहितकर उत्पादों को 40 फीसद के दायरे में रखा गया है। जीएसटी में यह राहत 22 सितम्बर से मिलना शुरू हो जाएगी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमारी सरकार का लक्ष्य है कि आम लोगों की जेब में अधिक पैसा बचे और उनका जीवन बेहतर बने। दावा किया जा रहा है कि नये सुधारों से कर प्रणाली सरल होगी, जीवन की गुणवत्ता में सुधार होगा, खपत एवं वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा, कारोबारी सुगमता बढ़ेगी जिससे निवेश और रोजगार सृजन को प्रोत्साहन मिलेगा तथा विकसित भारत के लिए सहकारी संघवाद को मजबूती मिलेगी। हालांकि कांग्रेस और कुछ अन्य विपक्षी दलों ने दावा किया है कि इसे लागू करने में देर हो गई है। हालांकि नये सुधारों का स्वागत किया जा रहा है, लेकिन इस तरफ ध्यान जरूर खींचा जा रहा है कि जीएसटी का मौजूदा ड़िजाइन और कई दरें होनी ही नहीं चाहिए थीं। कांग्रेस का कहना है कि उसने 2019 और 2024 के लोक सभा चुनावों के अपने घोषणापत्र में तर्कसंगत कर व्यवस्था के साथ जीएसटी 2.0 की मांग की थी, लेकिन मोदी सरकार ने एक राष्ट्र, एक कर को एक राष्ट्र, नौ कर बना दिया। बहरहाल, जीएसटी में नये सुधार के खिलाफ बोलने के लिए विपक्ष के पास कुछ ज्यादा नहीं है। सच तो यह है कि विपक्ष दुविधा में है कि जीएसटी में बदलाव पर क्या कहे। कर सरलीकरण के लिहाज से ही नहीं, बल्कि ट्रंप टैरिफ के असर को कम करने के मद्देनजर भी यह सुधार जरूरी था। निर्यात मोर्चे पर भारतीय उत्पादों को ट्रंप टैरिफ के चलते झटका मिलना तय है। घरेलू मांग को मजबूत बनाए रख कर ट्रंप टैरिफ के असर को कम से कम किया जा सकता है। जीएसटी में यह सुधार यकीनन आर्थिक तकाजों को पूरा करने वाला स्वागतयोग्य कदम कहा जा सकता है।

चिंतन-मनन

शांति के लिए संतुलन जरूरी है...

अति हमेशा नुकसान दायक है। यह नियम अच्छी और बुरी दोनों आदतों पर लागू होता है। ऋषि-मुनियों ने अति को वर्जित ही बताया है। बुद्ध ने एक शब्द दिया था मंझम मग्न यानी मध्यम मार्ग। जीवन का यह संतुलन उन्हें एक दिन वह सब दिला गया जिसके लिए उनकी पूरी तपस्या थी। अपनी बोध प्राप्त की अवस्था में उनसे एक प्रश्न पूछा गया था जिसका उन्होंने बड़ा सुंदर उत्तर दिया था। किसी का प्रश्न था उनसे अब आपको क्या मिला? क्या वह प्राप्त हो गया जिसके लिए आपके सारे प्रयास थे? बुद्ध ने कहा- नया कुछ नहीं मिला, जो कुछ मेरे पास पहले से था, पाया ही हुआ था, पूर्व उपलब्ध था, उसका ज्ञान हो गया, पता चल गया उसका। वह दौलत अपने ही भीतर थी हम बाहर ढूंढ रहे थे।

जिसके कारण बाहर निकला, वो तो मेरे भीतर निकला। हम दो भूलें कर जाते हैं या तो बिल्कुल बाहर संसार पर टिक जाते हैं या एकदम भीतर उतर जाते हैं। ये अतियां हमारे लिए हमारे अध्यात्म की दुश्मन बन जाती हैं। आचार्य श्रीराम शर्मा संसार में संतुलन से चलने के लिए एक अच्छा उदाहरण बताया करते थे। दुनिया में ऐसे चलो जैसे पानी में हाथी चलता है। हाथी जानता है पानी में जल्दबाजी करूंगा तो कीचड़ या गड्ढे में गिर सकता हूं। लिहाजा आगे और पीछे के पैर रखने में वह गजब का संतुलन बनाता है। बस, ऐसा ही संतुलन हमें बाहर और भीतर की यात्रा में रखना होगा। जैसे ही हम संतुलन में आते हैं हमारी अंतर दृष्टि स्पष्ट हो जाती है और हम स्वयं को पहचान जाते हैं। स्वयं को जानते ही परमात्मा दिख जाता है। भगवान होना नहीं पड़ता, बस यह समझना पड़ता है कि हम हैं ही भगवान। जरा सा स्वयं का पता लगा और दुनिया बदली। इसीलिए संतुलन जरूरी है संयम की अति से।

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवसः आखिर कब साकार होगा पूर्ण साक्षर भारत का सपना?

योगेश कुमार गोयल

हर व्यक्ति तक पहुंचनी चाहिए ज्ञान की रोशन... दुनियाभर में लोगों को साक्षरता के महत्व के बारे में जागरूक करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 8 सितम्बर को विश्वभर में 'अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस' मनाया जाता है। दुनिया से अशिक्षा को समाप्त करने के संकल्प के साथ आज 59वां 'अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस' मनाया जा रहा है। पहली बार यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन) द्वारा 17 नवम्बर 1965 को 8 सितम्बर को ही अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाए जाने की घोषणा की गई थी, जिसके बाद प्रथम बार 8 सितम्बर 1966 से शिक्षा के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने तथा विश्वभर के लोगों का इस ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए प्रतिवर्ष इसी दिन यह दिवस मनाए जाने का निर्णय लिया गया। वास्तव में यह संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों का ही प्रमुख घटक है।

निरक्षरता को खत्म करने के लिए ईरान के तेहरान में शिक्षा मंत्रियों के विश्व सम्मेलन के दौरान वर्ष 1965 में 8 से 19 सितम्बर तक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा कार्यक्रम पर चर्चा करने के लिए पहली बार बैठक की गई थी और यूनेस्को ने नवम्बर 1965 में अपने 14वें सत्र में 8 सितम्बर को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस घोषित किया। उसके बाद से सदस्य देशों द्वारा प्रतिवर्ष 8 सितम्बर को 'अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस' मनाया जा रहा है। साक्षरता दिवस के अवसर पर निरक्षरता समाप्त करने के लिए जन जागरूकता को बढ़ावा देने तथा प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रमों के पक्ष में वातावरण तैयार किया जाता है। यह दिवस लगातार शिक्षा को प्राप्त करने की ओर लोगों को बढ़ावा देने के लिए तथा परिवार, समाज और देश के लिए अपनी जिम्मेदारी को समझने के लिए मनाया जाता है।

दुनियाभर में आज भी अनेक लोग निरक्षर हैं और यह दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य व्यक्तिगत, सामुदायिक तथा सामाजिक रूप से साक्षरता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विश्व में सभी लोगों को शिक्षित करना ही है। साक्षरता दिवस के माध्यम से यही प्रयास किए जाते हैं कि इसके जरिये तमाम बच्चों, व्यस्कों, महिलाओं तथा वृद्धों को भी साक्षर बनाया जाए। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार दुनियाभर में फिलहाल करीब चार अरब लोग साक्षर हैं लेकिन विड़म्बना यह है कि आज भी विश्वभर में करीब एक अरब लोग ऐसे हैं, जो पढ़ना-लिखना नहीं जानते। तमाम प्रयासों के बावजूद दुनियाभर में 77 करोड़ से भी अधिक युवा भी साक्षरता की कमी से प्रभावित हैं अर्थात प्रत्येक पांच में से एक युवा अब तक साक्षर नहीं है, जिनमें से दो तिहाई महिलाएं हैं। आंकड़े बताते हैं कि 6-7 करोड़ बच्चे आज भी ऐसे हैं, जो कभी विद्यालयों तक नहीं पहुंचते जबकि बहुत से बच्चों में नियमितता का अभाव है या फिर वे किसी न किसी कारणवश विद्यालय जाना बीच में ही छोड़ देते हैं। कोरोना काल में यह समस्या और ज्यादा गहरी हुई। करीब 58 फीसदी के साथ सबसे कम व्यस्क साक्षरता दर के मामले में दक्षिण और पश्चिम एशिया सर्वाधिक पिछड़े हैं।

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के लिए प्रतिवर्ष एक विशेष थीम चुनी जाती है और इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की थीम है 'डिजिटल युग में साक्षरता को बढ़ावा देना', जो संचार को बेहतर बनाने और विविध संस्कृतियों के बीच आपसी समझ को बढ़ावा देने के लिए कई भाषाओं में शिक्षा प्रदान करने के महत्व पर जोर देती है। पिछले साल साक्षरता दिवस 'बहुभाषी शिक्षा को बढ़ावा देनाः आपसी समझ और शांति के लिए साक्षरता' थीम के साथ मनाया गया था। इस विशेष दिवस के लिए 2006 से लेकर अब तक निर्धारित थीम पर नजर डालें तो 2006 में सामाजिक प्रगति प्राप्ति पर ध्यान देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस का विषय 'साक्षरता सतत विकास' रखा गया था। वर्ष 2007 और 2008 में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की विषय-वस्तु 'साक्षरता और स्वास्थ्य' थी, जिसके जरिये टीबी, कॉलेरा, एचआईवी, मलेरिया जैसी फैलने वाली बीमारियों से लोगों को बचाने के लिए महामारी के ऊपर ध्यान केन्द्रित करने का लक्ष्य रखा गया था। वर्ष 2009 में लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण पर ध्यान देने के लिए इसका विषय 'साक्षरता और सशक्तिकरण' रखा गया था जबकि 2010 की थीम 'साक्षरता विकास को बनाए रखना' थी। 2011 में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के लिए थीम 'साक्षरता और महामारी' (एचआईवी, क्षय रोग, मलेरिया आदि संक्रमणीय बीमारियों) पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए थी। 2012 में लैंगिक समानता और महिलाओं को सशक्त बनाने पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए थीम थी 'साक्षरता और सशक्तिकरण'। 2013 में शांति के लिए साक्षरता के महत्व पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए 'साक्षरता और शांति', 2014 में '21वीं शताब्दी के लिए साक्षरता', 2015 में 'साक्षरता और सतत विकास', 2016 में 'अतीत पढ़ना, भविष्य लिखना', 2017 में 'डिजिटल दुनिया में साक्षरता', 2018 में 'साक्षरता और कौशल विकास' अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की थीम थी। 2019 में 'साक्षरता और बहुभाषावाद', वर्ष 2020 में 'कोविड-19 संकट और उससे संबंधित शिक्षा और शिक्षण', 2021 में 'मानव-केन्द्रित पुनर्प्राप्ति के लिए साक्षरताः डिजिटल विभाजन को कम करना' (लिटरेसी फॉर ए ह्यूमन-सेंट्रड रिकवरीः नैरोइंग द डिजिटल डिवाइड), 2022 में 'ट्रांसफॉर्मिंग लिटरेसी लर्निंग स्पेसेस' (साक्षरता सीखने के स्थान को बदलना) तथा 2023 में 'संक्रमण काल में दुनिया के लिए साक्षरता को बढ़ावा देनाः टिकाऊ और शांतिपूर्ण समाजों की नींव का निर्माण' (प्रोमोटिंग लिटरेसी फॉर ए वर्ल्ड इन ट्रांजिशनः बिल्डिंग द फाउंडेशन फॉर सस्टेनेबल एंड पीसफुल सोसायटीज) अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की थीम थी।

बहरहाल, भारत हो या दुनिया के अन्य देश, गरीबी मिटाना, बाल मृत्यु दर कम करना, जनसंख्या वृद्धि नियंत्रित करना, लैंगिक समानता प्राप्त करना आदि समस्याओं के समूल विनाश के लिए सभी देशों का पूर्ण साक्षर होना बेहद जरूरी है। दरअसल साक्षरता ही सामाजिक विकास का आधार स्तंभ बन सकती है। साक्षरता में ही वह क्षमता है, जो परिवार और देश की प्रतिष्ठा बढ़ा सकती है। आंकड़े देखें तो दुनिया में 100 से भी अधिक देश अभी भी ऐसे हैं, जो पूर्ण साक्षरता हासिल करने के लक्ष्य से अभी दूर हैं और चिंता की बात है कि भारत भी इनमें शामिल है। हालांकि आजादी के बाद देश में साक्षरता दर काफी तेजी से बढ़ी है लेकिन अभी इस दिशा में बहुत किया जाना बाकी है।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सामयिक : चेतावनी है अफगान में आया भूकंप

प्रमोद भार्गव

31 अगस्त, 2025 की मध्य रात्रि के बाद पूर्वी अफगानिस्तान में 6.0 तीव्रता के भूकंप ने त्रासदी रच दी। करीब 1400 लोग काल के गाल में समा गए और 3000 से ज्यादा लोग घायल हो गए। भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान-पाकिस्तान सीमा पर जलालाबाद नगर से 27 किमी. पूर्व में था। इसकी गहराई मात्र 8 से 10 किमी. थी। भूकंप से कई गांव पूरी तरह मलबे में दब कर बर्बाद हो गए। सबसे अधिक तबाही नंगरहार में हुई है। अमेरिकी भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण ने भी इसे 6.0 तीव्रता का उथला भूकंप बताया है। उथले भूकंप गर्भ से भूमि की सतह पर फूटने के साथ भीषण बबार्दी का कारण बनते हैं। अफगानिस्तान में भूकंपों का आना लगा रहता है। 1998 में आए भूकंप में 7,500 लोग मारे गए थे, वहीं मार्च, 2002 में हिंदूकुश में 1000, हिंदूकुश में ही 2015 में 399, खोस्त में 2022 में 1000 और हैरात में 2023 में 6.3 तीव्रता के आए भूकंप के 2000 से ज्यादा लोग मारे गए थे।

अफगानिस्तान हिंदुकुश पर्वत श्रृंखला में है, जहां यूरोएशियन परत, अरेबियन परत और इंडियन परत के परस्पर टकराव से भूकंप आते हैं। यहां प्रति वर्ष 100 से ज्यादा भूकंप आते हैं, लेकिन 6.0 तीव्रता के ऊपर का भूकंप असाधारण होता है। नंगरहार और कुनार पूर्वी प्रांत पाकिस्तान सीमा पर हैं। जहां दोष रेखाएं (फॉल्ट लाइंस) सक्रिय हैं। जलवायु परिवर्तन के चलते पूरे क्षेत्र में भूस्खलन का खतरा भी मंडरा रहा है। इस कारण इस भूकंप से नुकसान कहीं अधिक हुआ है।

दरअसल, दुनिया के नामचीन विशेषज्ञों व पर्यावरणविद् की मानें तो सभी भूकंप प्राकृतिक नहीं होते, बल्कि मानवीय हस्तक्षेप से विकराल बन जाते हैं। प्राकृतिक संसाधनों के अकूत दोहन से छोटे स्तर के भूकंपों की पृष्ठभूमि तैयार होती है। भूकंपों की व्यापकता और विकरालता बढ़ जाती है। यही कारण है कि भूकंपों की आवृत्ति बढ़ रही है। पहले 13 सालों में एक बार भूकंप आने की आशंका रहती थी, लेकिन अब घट कर 4 साल रह गई है। भूकंपों के वैज्ञानिक आकलन से यह भी पता चला है कि भूकंपीय विस्फोट में जो ऊर्जा निकलती है, उसकी मात्रा भी पहले की तुलना में ज्यादा बढ़ी है।

जापान और फिर क्वोटो में सिलसिलेवार भूकंपों से पता चला है कि धरती के गर्भ में अंगड़ाई ले रही भूकंपीय हलचलें महानगरीय आधुनिक विकास और आबादी के लिए खतरनाक साबित हो रही हैं। ये हलचलें भारत, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, चीन और बांग्लादेश की धरती के नीचे भी अंगड़ाई ले रही हैं। इसलिए इन देशों के महानगर भी भूकंप के मुहाने पर खड़े हैं। भूकंप आना कोई नई बात नहीं है। बावजूद हैरानी इस पर है कि विज्ञान की आश्चर्यजनक तरक्की के बाद भी वैज्ञानिक ऐसी तकनीक ईजाद नहीं कर पाए हैं, जिससे भूकंप की जानकारी पहले मिल जाए।

वैज्ञानिक मान्यता है कि करीब साढ़े पांच करोड़ साल पहले भारत और ऑस्ट्रेलिया को जोड़े रखने वाली भूगर्भीय परतें एक-दूसरे से अलग हो गई और वे यूरेशिया परत से जा टकराई। फलस्वरूप हिमालय पर्वतमाला अस्तित्व में आई और धरती की विभिन्न परतों के बीच वर्तमान में मौजूद दरारें बनीं। हिमालय पर्वत उस स्थल पर खड़ा है, जहां पृथ्वी की दो अलग-अलग परतें परस्पर टकरा कर एक-दूसरे के भीतर घुस गई थीं। परतों के टकराव की प्रक्रिया की वजह से हिमालय और उसके प्रायद्वीपीय क्षेत्र में भूकंप आते रहते हैं। इसी प्रायद्वीप में ज्यादातर एशियाई देश बसे हुए हैं।

कुछ भूकंप धरती की सतह से 100 से 650 किमी. के नीचे से भी आते हैं, लेकिन इनकी तीव्रता धरती की सतह पर आते-आते कम हो जाती है, इसलिए बड़े रूप में त्रासदी नहीं झेलनी पड़ती। दरअसल, इतनी गहराई में धरती इतनी गर्म होती है कि एक तरह से वह द्रव रूप में बदल जाती है। इसलिए इसके झटकों का असर धरती पर कम ही दिखाई देता है। बावजूद इन भूकंपों से ऊर्जा बड़ी मात्रा में निकलती है। धरती की इतनी गहराई से प्रगट हुआ सबसे बड़ा भूकंप 1994 में बोलिविया में रिकॉर्ड किया गया है। पृथ्वी की सतह से 600 किमी. भीतर दर्ज इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 8.3 मापी गई थी। इसीलिए यह मान्यता बनी है कि इतनी गहराई से चले भूकंप धरती पर तबाही मचाने में कामयाब नहीं हो सकते क्योंकि चट्टानें तरल द्रव्य के रूप में बदल जाती हैं।

पाकिस्तानी मूल की शबाना महमूद बनीं ब्रिटेन की गृह मंत्री, सोशल मीडिया पर मच गया बवाल?

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने शुक्रवार को अपनी कैबिनेट में बड़े स्तर पर फेरबदल किया। यह कदम उन्होंने उप-प्रधानमंत्री एंजेला रेयनर के इस्तीफे के बाद उठाया, जिन्हें एक अपार्टमेंट की खरीद में स्टांप ड्यूटी कम चुकाने का दोषी पाया गया था। इस फेरबदल में पाकिस्तानी मूल की सांसद शबाना महमूद को देश का नया गृह मंत्री (होम सेक्रेटरी) नियुक्त किया गया है। शबाना महमूद ब्रिटेन की सबसे वरिष्ठ मुस्लिम महिला राजनेता हैं। उन्होंने इस पद पर यवेटे कूपर की जगह ली है। उनकी नियुक्ति ने सोशल मीडिया पर व्यापक चर्चा छेड़ दी है।

कौन हैं शबाना महमूद : 44 वर्षीय शबाना महमूद का जन्म बर्मिंघम, ब्रिटेन में हुआ था और उनके माता-पिता कश्मीरी मूल के हैं। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से पढ़ीं शबाना एक पूर्व बैरिस्टर हैं और 2010 से बर्मिंघम लेडीवुड से सांसद हैं। वह ब्रिटेन की सबसे वरिष्ठ मुस्लिम महिला राजनेता हैं और लेबर पार्टी में एक विश्वसनीय और कट्टर समर्थक मानी जाती हैं। उन्होंने पहले कई शैडो पोर्टफोलियो संभाले हैं, लेकिन पूर्व लेबर नेता जेरेमी कार्बाइन के नेतृत्व में वह उनकी टीम का हिस्सा नहीं बनी थीं।

अब गृह मंत्री के रूप में, उन्हें आव्रजन, छोटी नौकाओं से होने वाली अवैध सीमा पार, और शरणार्थी होटलों जैसे जटिल और संवेदनशील मुद्दों से निपटना होगा। उनकी नियुक्ति ने सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रियाओं को जन्म दिया है। ङ्क पर कई यूजर्स ने इसे अल्पसंख्यक समुदायों के बढ़ते राजनीतिक प्रभाव और एकीकरण का प्रतीक बताया। यूजर्स ने उनकी नियुक्ति पर चिंता जताई है, विशेष रूप से उनकी सख्त आव्रजन नीतियों की वकालत को लेकर। ब्रिटिश पत्रकार टॉमी रॉबिन्सन ने एक वीडियो शेयर करते हुए लिखा, शबाना महमूद, जिन्होंने कुरान पर संसदीय पद की शपथ ली थी, अब वह स्टारमर की नई गृह सचिव होंगी। अब वह आव्रजन और सीमाओं का प्रभार संभालेंगी। यहां वह कह रही हैं कि उनके लिए इस्लाम किसी भी चीज से ज्यादा महत्वपूर्ण है। लेबर पार्टी को हटाना होगा। एक अन्य यूजर क्रिस रोज ने लिखा, ब्रिटेन में अब एक ऐसी गृह सचिव है जिसने पहले इजरायल विरोधी प्रदर्शन में शामिल होकर भीड़तंत्र को बढ़ावा दिया था, जिसके कारण दुकानें बंद करनी पड़ी थीं। शबाना महमूद अयोग्य और खतरनाक हैं। एक यूजर ने लिखा, ये हैं ब्रिटेन की नई गृह सचिव, शबाना महमूद। इस्लाम, मेरा अपना धर्म, और बहुत से धार्मिक मुसलमानों की तरह, मेरे जीवन में सबसे महत्वपूर्ण चीज है। यह मेरे हर काम का मूल आधार है। हम तो बर्बाद हो गए। मंत्रिमंडल में बड़े बदलाव रेयनर की जगह विदेश मंत्री

डेविड लैमी को उप-प्रधानमंत्री बनाया गया है। अब लैमी का विदेश मंत्रालय का कार्यभार गृह मंत्री यवेट कूपर संभालेंगी। लैमी अब उप-प्रधानमंत्री होने के साथ-साथ न्याय मंत्रालय भी देखेंगे। स्टारमर ने पर्यावरण, व्यापार और विज्ञान-प्रौद्योगिकी विभागों में भी बदलाव किए हैं और दो मंत्रियों को कैबिनेट से बाहर कर दिया है। सरकार पर बढ़ते संकट स्टारमर ने जुलाई 2024 में 14 साल की कंजरवेटिव सरकार का अंत कर प्रधानमंत्री पद संभाला था। लेकिन इसके बाद से उनकी सरकार कई मुद्दों पर डगमगाई है- कल्याणकारी योजनाओं और बुजुर्गों के ईंधन लाभ पर यू-टर्न लेना पड़ा, जबकि अर्थव्यवस्था को गति देने का वादा अधूरा है। आने वाला बजट भी कठिन माना जा रहा है। साथ ही, छोटे नावों से आ रहे अवैध प्रवासियों को रोकने में असफलता ने सख्त रुख अपनाने वाली नाइजेल फराज की रिफॉर्म यूके पार्टी को मजबूती दी है, जो अब लोकप्रियता में लेबर से आगे निकल चुकी है। अब इस चुनौती से निपटने की जिम्मेदारी शबाना महमूद पर होगी। रेयनर का विवाद और इस्तीफा 45 वर्षीय रेयनर ने बुधवार को स्वीकार किया कि उन्होंने हव (ब्राइटन के पास) में खरीदे गए 8 लाख पाउंड के समुद्र तटीय अपार्टमेंट पर स्टांप ड्यूटी कम चुकाई। उन्होंने स्वयं को सरकार के स्वतंत्र नैतिकता सलाहकार के पास जांच के लिए भेजा था। जांच में पाया गया कि रेयनर ने अपने पूर्व पारिवारिक घर के दस्तावेज से नाम हटाकर नया फ्लैट मुख्य निवास के रूप में दर्ज कराया, जबकि उनके नाबालिग बेटे के कारण पुराने घर में उनकी हिस्सेदारी बनी रही। इस तरह उन्होंने लगभग 40,000 पाउंड कर बचाया। रेयनर ने इस्तीफे में लिखा, मैं स्वीकार करती हूं कि मैंने उच्चतम मानकों का पालन नहीं किया। मुझे अतिरिक्त कर सलाह लेनी चाहिए थी, लेकिन मैंने गलती की। मैं इसकी गहरी खेद व्यक्त करती हूं। स्टारमर ने उनके इस्तीफे पर अफसोस जताते हुए कहा कि वह अब भी पार्टी में एक बड़ी हस्ती बनी रहेंगी।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिकी नागरिक को गलत तरीके से बंधक बनाने वाले देशों पर कार्रवाई करेगी ट्रम्प सरकार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को एक एक्सक्लूजिव ऑडर पर साइन किया है। इसके तहत अमेरिका के नागरिकों को गलत तरीके से बंधक बनाने वाले देशों पर कार्रवाई की जाएगी। इनमें चीन ईरान और अफगानिस्तान शामिल हैं। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अमेरिकी नागरिकों को गलत तरीके से गिरफ्तार करने वाले देशों पर आर्थिक, वीजा और विदेशी सहायता से जुड़े प्रतिबंध लगाए जाएंगे। अमेरिकियों को इन देशों का पासपोर्ट भी नहीं दिया जाएगा। ?रुबियो ने कहा कि, च्अमेरिकियों को सौदेबाजी के लिए इस्तेमाल करने वाले देशों को भारी कीमत चुकानी होगी।' इससे पहले 2022 में पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इसे नेशनल इमरजेंसी बता चुके हैं।

'पीएम मोदी ने नोबेल पुरस्कार देने का समर्थन नहीं किया तो ट्रंप दिल पर ले गए', अमेरिकी विशेषज्ञ का दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के एक शीर्ष विद्वान ने भारत और अमेरिका के संबंधों में आई खटास की संभावित वजह का कारण बताते हुए कहा कि ट्रंप खुद को वैश्विक शांतिकार दिखाना चाहते हैं और इसी के चलते उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम का श्रेय लेने की कोशिश की, लेकिन जब पीएम मोदी ने इससे इनकार किया तो ट्रंप इस बात को शायद निजी तौर पर ले गए। अमेरिकी शिक्षाविद् ने बताया, ट्रंप ने क्यों लगाया भारत पर टैरिफ न्यूज एजेंसी एएनआई के साथ बातचीत में अमेरिकी शिक्षाविद् टेरिल जोंस ने कहा कि 'ट्रंप प्रशासन में नीतियां तेजी से बदलती हैं और जल्द ही उन्हें लागू कर दिया जाता है। ट्रंप की रणनीति दो पक्षों में बातचीत के लिए पहले बड़ी-बड़ी शर्तें लगाना और फिर उन्हें बातचीत के लिए राजी करना है और अभी भी वे यही कर रहे हैं।' जोंस ने कहा कि 'ट्रंप ने उम्मीद की थी कि पीएम मोदी भी उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित करें, लेकिन जब पीएम मोदी ने ऐसा नहीं किया तो ट्रंप इस बात को दिल पर ले गए और इसी के चलते ट्रंप ने भारत पर टैरिफ लगाया।

भारत द्वारा लगाए गए सबसे ऊंचे टैरिफ से अमेरिकी नौकरियां खत्म हो रही हैं : पीटर नवारो

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति के व्यापार और विनिर्माण मामलों के वरिष्ठ सलाहकार पीटर नवारो ने एक बार फिर बेतुका बयान दिया है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, भारत द्वारा लगाए गए सबसे ऊंचे टैरिफ से अमेरिकी नौकरियां खत्म हो रही हैं। भारत रूसी तेल पूरी तरह से लाभ कमाने के लिए खरीदता है। इसी राजस्व से रूस अपने युद्ध की मशीन चला रहा है। यूक्रेन और रूस के लोग मारे जा रहे हैं। अमेरिकी करदाताओं को अधिक भुगतान करना पड़ता है। भारत सच/झूठ को बर्दाश्त नहीं कर सकता।

श्रीलंका में 10 करोड़ के कुश संग भारतीय नागरिक गिरफ्तार

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के कोलंबो अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर एक भारतीय नागरिक को शुक्रवार को 10 करोड़ के 10.75 किग्राकुश (भांग की अत्यंत नशीली प्रजाति) के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार 43 वर्षीय व्यक्ति नई दिल्ली में जूते की दुकान में काम करता है। सीमा शुल्क विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उन्होंने अवैध मादक पदार्थों की खेप का पता लगाने के लिए ग्रीन चैनल में स्थापित स्कैनिंग मशीनों का इस्तेमाल किया। अधिकारियों ने बताया कि उसने कुश की खेप बैंकॉक, थाईलैंड से खरीदी थी।

गूगल-एपल पर जुर्माने से भड़के ट्रंप, धारा 301 के तहत कार्यवाही की चेतावनी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर कर गूगल पर जुर्माने को लेकर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, यूरोप ने आज एक और महान अमेरिकी कंपनी, गूगल पर 3.5 अरब डॉलर का जुर्माना लगाया है। वह पैसा छीन लिया गया है जो अमेरिकी निवेश और रोज़गार के लिए जाता। यह कई अन्य जुर्मानों और करों के अलावा है जो गूगल और अन्य अमेरिकी टेक कंपनियों पर लगाए गए हैं। यह कार्रवाई बहुत ही अनुचित है। अमेरिकी करदाता इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे! जैसा कि मैंने पहले भी कहा है, मेरा प्रशासन इन भेदभावपूर्ण कार्रवाइयों को बर्दाश्त नहीं करेगा। उदाहरण के लिए, एपल को 17 अरब डॉलर का जुर्माना भरने के लिए मजबूर किया गया, जो मेरे विचार से, नहीं लगना चाहिए था। एपल को अपना पैसा वापस मिलना चाहिए! हम शानदार और अभूतपूर्व अमेरिकी प्रतिभा के साथ ऐसा नहीं होने दे सकते और अगर ऐसा हुआ, तो मुझे इन करदाता अमेरिकी कंपनियों पर लगाए जा रहे अनुचित जुर्मानों को रद्द करने के लिए धारा 301 के तहत कार्यवाही शुरू करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

ट्रंप ने माना रूस यूक्रेन युद्ध रोकने में रहे असफल, कहा- नहीं कर पाया अपना वादा पूरा

वॉशिंगटन, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच तीन साल से ज्यादा समय से संघर्ष चल रहा है और अभी भी इसके थमने के फिलहाल कोई आसार नहीं है। कारण है कि पिछले दिनों इस संघर्ष को खत्म करने के सभी प्रयास विफल होते दिख रहे है। ऐसे में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को पहली बार सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया कि वह अपने एक बड़े चुनावी वादे को पूरा नहीं कर सके। ट्रंप ने माना कि वह रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध को रोकने में नाकाम रहे हैं, जिसे उन्होंने अपने कार्यकाल का सबसे कठिन संघर्ष बताया। ट्रंप ने ये बात व्हाइट हाउस के नए नवीनीकरण के बाद आयोजित पहले आधिकारिक डिनर पर कही। इस दौरान ट्रंप ने ये भी दावा किया कि उन्होंने दुनिया के कई पुराने युद्धों को खत्म किया है, लेकिन रूस-यूक्रेन युद्ध को रोकना सबसे बड़ी चुनौती बन गया। इस डिनर में अमेरिकी कांग्रेस के सदस्य और अन्य वरिष्ठ मेहमान मौजूद थे। पुतिन के साथ अच्छी बातचीत, लेकिन... ट्रंप ने आगे कहा कि मैंने सोचा था रूस-यूक्रेन युद्ध को रोकना सबसे आसान होगा, क्योंकि मेरी रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से अच्छे संबध है। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। यह सबसे मुश्किल निकला।

उन्होंने यह भी कहा कि उनके कार्यकाल में कि एक युद्ध जो 31 साल से चल रहा था, 2 घंटे में खत्म हुआ, दूसरा 35 साल, और तीसरा 37 साल पुराना संघर्ष भी उन्होंने सुलझा लिया। चुनावी वादा 24 घंटे में युद्ध खत्म करने का दावा बता दें कि ट्रंप ने अपने चुनाव प्रचार के दौरान दावा किया था कि वे सत्ता में आते ही 24 घंटे में रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म कर देंगे, लेकिन अब तक कोई बड़ी सफलता नहीं मिली है। अगस्त में हुई अलास्का शिखर बैठक को उन्होंने उत्पादक बताया, लेकिन कोई औपचारिक समझौता नहीं हुआ। ट्रंप का भरोसा बरकरार इस दौरान ट्रंप ने ये भी कहा कि लोगों ने कहा था कि ये युद्ध खत्म नहीं हो सकते, लेकिन मैंने उन्हें खत्म किया। रूस और यूक्रेन वाला कठिन है, पर हम इसे भी हल करेंगे। गौरतलब है कि इससे पहले गुरुवार को ट्रंप ने अपने युद्ध रोकने के पहले के दावे में बदलाव करते हुए कहा कि उन्होंने सात नहीं, तीन युद्ध रोके हैं।

ट्रंप को जान से मारने की धमकी देने की आरोपी महिला के खिलाफ मामला वापस लिया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी न्याय विभाग ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को जान से मारने की धमकी देने की आरोपी महिला के खिलाफ मामला वापस ले लिया है। अमेरिकी अटॉर्नी जीनिन पिरो के कार्यालय द्वारा शुक्रवार को जिला अदालत में नथाली रोज जोन्स के मामले को खारिज करने के अनुरोध से पहले एक ग्रैंड जूरी ने उन पर अभियोग लगाने से इनकार कर दिया था। पिरो के कार्यालय द्वारा बताया गया है कि जोन्स के खिलाफ मामला खारिज करना न्याय के हित में है, लेकिन इसमें विस्तार से कुछ नहीं कहा गया है।

इंडियाना के लाफायेट की 50 वर्षीय जोन्स को 16 अगस्त को वाशिंगटन में सोशल मीडिया पर और सीक्रेट सर्विस एजेंटों के साथ एक साक्षात्कार के दौरान ट्रंप को जान से मारने की धमकी देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। अभियोजकों ने कहा कि जोन्स ने 6 अगस्त को फेसबुक पर एक संदेश पोस्ट किया था कि 'वह इस राष्ट्रपति का पेट फाड़कर और उनकी सांस नली को काटकर उन्हें मारने को तैयार हैं।'

अभियोजकों के अनुसार, जब सीक्रेट सर्विस एजेंटों ने 15 अगस्त को उससे पूछताछ की, तो जोन्स ने कहा कि 'वह ट्रंप को शांतिपूर्वक पद से हटाना चाहती हैं, लेकिन अगर मुझे ऐसा करना पड़ा तो मैं उन्हें परिसर में ही मार डालूंगी'। जोन्स को एक दिन बाद वाशिंगटन में गिरफ्तार कर लिया गया, जहां वह व्हाइट हाउस के पास एक विरोध प्रदर्शन में शामिल हुईं। जोन्स के वकील के अनुसार, जोन्स ने सीक्रेट सर्विस एजेंटों से बार-बार कहा कि उनका किसी को नुकसान पहुंचाने का कोई इरादा नहीं था, उनके पास कोई हथियार नहीं था और वह शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन के लिए वाशिंगटन गई थीं।

हमारे यहां खालिस्तानी संगठनों को मिल रही आर्थिक मदद, अपनी ही रिपोर्ट ने खोली कनाडा की पोल

ओटावा, एजेंसी। खालिस्तानी आतंकियों की फंडिंग को लेकर कनाडा सरकार की अपनी ही नई रिपोर्ट में बड़ा खुलासा हुआ है। इसमें कहा गया है कि खालिस्तानी हिंसक उग्रवादी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल और इंटरनेशनल सिख यूथ फेडरेशन समेत कई आतंकी संगठनों को कनाडा से आर्थिक सहायता मिल रही है। यह जानकारी हाल ही में जारी की गई रिपोर्ट 2025 असेसमेंट ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एंड टेररिस्ट फाइनेंसिंग रिस्क्स इन कनाडा में सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार, कनाडा में आपराधिक संहिता के अंतर्गत सूचीबद्ध कुछ आतंकवादी संगठन जैसे हमास, हिजबुल्लाह और खालिस्तानी चरमपंथी संगठन, राजनीतिक रूप से प्रेरित हिंसक उग्रवाद श्रेणी में आते हैं और इन्हें कनाडा से वित्तीय सहयोग प्राप्त होता रहा है।

खालिस्तानी नेटवर्क और फंडिंग के तरीके : रिपोर्ट में कहा गया है कि खालिस्तानी संगठन भारत के पंजाब में स्वतंत्र राज्य बनाने के लिए हिंसक तरीकों का इस्तेमाल कर रहे हैं। इन्हें कनाडा समेत विभिन्न देशों में मौजूद समर्थकों से धन जुटाने में मदद मिलती है। रिपोर्ट ने यह भी स्वीकार किया कि पहले कनाडा में इनका बड़ा फंडिंग नेटवर्क सक्रिय था, लेकिन अब यह ऐसे छोटे-छोटे समूहों और व्यक्तियों के माध्यम से संचालित हो रहा है, जिनकी निष्ठा खालिस्तान आंदोलन के प्रति है, भले ही वे किसी विशेष संगठन से प्रत्यक्ष रूप से जुड़े न हों। एनपीओ और चैरिटेबल संगठनों के जरिए धन जुटाना जांच में पाया गया है कि इन आतंकी संगठनों ने धन जुटाने के लिए गैर-लाभकारी संस्थाओं (एनपीओएस) और चैरिटेबल संगठनों का भी इस्तेमाल किया है। रिपोर्ट के अनुसार, हमास और हिजबुल्लाह लंबे समय से चैरिटेबल और एनपीओ सेक्टर के दुरुपयोग के लिए कुख्यात रहे हैं। इसी तरह खालिस्तानी चरमपंथी संगठनों ने भी प्रवासी समुदायों से चंदा के जरिए धन इकट्ठा करने और उसे ट्रांसफर करने के लिए ऐसे नेटवर्क का सहारा लिया है। हालांकि रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि कनाडा में अधिकांश एनपीओएस में मनी लॉन्ड्रिंग और टेरर फाइनेंसिंग का खतरा शून्य है, लेकिन कुछ संस्थाओं के मामले में यह जोखिम अधिक हो सकता है। भारत-कनाडा संबंध खालिस्तानी उग्रवाद का उल्लेख ऐसे समय पर हुआ है जब भारत और कनाडा के रिश्तों में धीरे-धीरे सुधार देखने को मिल रहा है। मार्क कार्नी की सरकार के सत्ता में आने के बाद दोनों देशों ने हाल ही में एक-दूसरे के लिए नए उच्चायुक्तों की नियुक्ति की है। गौरतलब है कि पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के कार्यकाल में रिश्ते गहरे संकट में आ गए थे, जब उन्होंने भारत पर कनाडा में खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में संलिप्त होने का आरोप लगाया था। इसके बाद भारत और कनाडा के बीच कई उच्च-स्तरीय राजनयिकों को निष्कासित कर दिया गया था। नई रिपोर्ट से यह साफ हो गया है कि कनाडा में सक्रिय खालिस्तानी तत्व अब भी प्रवासी सिख समुदाय और गैर-लाभकारी संगठनों के जरिए अपनी गतिविधियों को जारी रखे हुए हैं।

इजरायल ने बदली रणनीति; गाजा शहर की ऊंची इमारत को बनाया निशाना, आगे और हमलों की धमकी

गाजा, एजेंसी। इजरायल ने हमास के खिलाफ अपना सैन्य अभियान एक बार फिर से तेज कर दिया है। इजरायली सेना ने गाजा शहर में एक ऊंची इमारत पर हमला किया। फिलिस्तीनियों ने बताया कि शुक्रवार को हुए हमले में रिमल स्थित मुश्ताहा टावर को निशाना बनाया गया। गाजा सिटी निवासी अहमद अल-बोआरी ने कहा कि शहर के अन्य हिस्सों में इजरायली हमलों के कारण भाग रहे लोगों ने इस इमारत में और इसके आसपास शरण ली थी। सैटेलाइट से ली गई तस्वीरों में आसपास बड़ी संख्या में तंबू दिखाई दे रहे हैं। हमले में किसी के मारे जाने या घायल होने की अभी पुष्टि नहीं हो सकी है। सेना ने हमास चरमपंथियों पर शहर में अन्य ऊंची

इमारतों का उपयोग निगरानी और योजनाबद्ध घात लगाने के लिए करने का आरोप लगाया। इसने कहा कि वह आने वाले दिनों में आतंकवादी बुनियादी ढांचे पर सटीक और टारगेटेड हमले करेगी। इजरायल ने कहा कि उसने इमारत पर इसलिए हमला किया कि हमास इसका इस्तेमाल निगरानी के लिए करता था। शुक्रवार के हमले से पहले ली गई इमारत की तस्वीरों से पता चला कि इसकी छत पहले के हमलों से पहले ही बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी थी। शहर के कुछ हिस्सों को पहले ही रेड जोन माना जा चुका है, जहां फिलिस्तीनियों को संभावित भीषण लड़ाई से पहले ही खाली करने का आदेश दिया गया है। आक्रमण को और बढ़ाने की तैयारी स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, गाजा में अन्य स्थानों पर हमले में कम से कम 27 लोग मारे गए हैं। इजरायल ने हजारों रिजर्व सैनिकों को जुटाना शुरू कर दिया है। सेना अपने आक्रमण को बढ़ाने की योजना के तहत निकासी की चेतावनियां दोहरा रही है, जिसे लेकर घरेलू स्तर पर विरोध और विदेशों में निंदा हो रही है। शहर के शिफा अस्पताल ने बताया कि इजरायली हमलों में 27 लोग मारे गए, जिनमें एक ही परिवार के छह सदस्य शामिल हैं। चरमपंथियों को निशाना बनाने का दावा इजरायली सेना का कहना है कि वह केवल चरमपंथियों को निशाना बनाती है और नागरिकों की मौतों के लिए हमास को जिम्मेदार ठहराया।

इमरान खान से मिलने अदियाला जेल पहुंचीं बहन अलीमा पर फेंके अंडे

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की सियासत में एक बार फिर गर्माहट का माहौल है। कारण है कि शुक्रवार को पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहन अलीमा खान पर अंडा फेंकने की घटना सामने आई। ये घटना तब हुई जब अलीमा रावलपिंडी की अदियाला जेल के बाहर पत्रकारों से बातचीत कर रही थीं। अडियाल जेल में पिछले दो साल से इमरान खान कैद हैं। अलीमा पर अंडे फेंकने की घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर लगातार वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि अलीमा को अंडा मारा गया। इसके बाद इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के समर्थकों में भारी नाराजगी देखने को मिल रहा है। फलस्वरूप पीटीआई के कार्यकर्ताओं ने अंडा फेंकने के आरोप में दो महिलाओं को पकड़ लिया और उन्हें पुलिस के हवाले कर दिया। मामले में क्या कहना है पुलिस का? वहीं इस पूरे घटनाक्रम पर पुलिस की प्रतिक्रिया की बात करें तो रावलपिंडी पुलिस के बयान के अनुसार, गिरफ्तार की गई दोनों महिलाएं भी पीटीआई समर्थक हैं। वे ऑल-गवर्नमेंट एम्प्लॉइज ग्रैंड एलायंस के अन्य सदस्यों के साथ अपने मांगों को लेकर प्रदर्शन करने आई थीं। पुलिस का कहना है कि

अलीमा से पूछे गए सवालों का जवाब न मिलने पर उन्होंने अंडा फेंका। दूसरी ओर पीटीआई ने इस घटना को शर्मनाक बताते हुए आरोप लगाया कि यह एक राजनीतिक साजिश थी। पार्टी का दावा है कि इन महिलाओं को जानबूझकर वहां भेजा गया और पुलिस ने उन्हें बच निकलने में मदद की। इस घटनाक्रम से राजनीति में बयानबाजी तेज इस घटना के बाद पाकिस्तान भर में चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है। ऐसे में बीएनपी मेंगल प्रमुख अख्तर मेंगल ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि दुश्मनी में भी महिलाओं की इज्जत होनी चाहिए। यह राजनीति का सबसे घटिया रूप है। फेडरल डेवेलपमेंट मिनिस्टर अहसन इकबाल ने कहा कि राजनीति विचारों की होनी चाहिए, न कि नफरत और हिंसा की। इसके साथ ही पीएमएल एन के नेता साद रफीक ने घटना को घिनौना और निंदनीय बताया।

हंगरी ने रूसी तेल खरीद का बचाव किया, यूरोपीय संघ के देशों पर चोरी-छिपे आयात का आरोप लगाया

बुडापेस्ट, एजेंसी। रूस से तेल खरीद को लेकर हंगरी ने अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। विदेश और व्यापार मंत्री पीटर सिजार्तो ने कहा है कि हंगरी खुले तौर पर रूसी तेल खरीदता है क्योंकि उसके पास कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने यह भी दावा किया कि कुछ अन्य यूरोपीय देश गुपचुप तरीके से बिचौलियों के जरिए सस्ती कीमतों पर तेल आयात कर रहे हैं।पीटर सिजार्तो ने शुक्रवार को हंगरी-अजरबैजान संयुक्त आर्थिक समिति की बैठक के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हमें पाखंडियों के बहकावे में नहीं आना चाहिए, क्योंकि जो लोग हंगरी और स्लोवाकिया पर तेल खरीद को लेकर सबसे ज्यादा चिल्लाते हैं, उनमें से एक बड़ी संख्या ऐसे लोगों की भी है, जो कुछ एशियाई देशों के जरिए अप्रत्यक्ष रूप से रूसी तेल खरीदते हैं। मंत्री ने आगे कहा, हंगरी सप्लाई सिक्योरिटी मामले में रूस के साथ सहयोग करता है। यूरोपीय संघ ने दक्षिण-पूर्वी यूरोप में गैस पाइपलाइन की क्षमता बढ़ाने में मदद करने का हमारा अनुरोध अस्वीकार कर दिया था। क्रोएशिया ने हमारे लिए एक वैकल्पिक पाइपलाइन की क्षमता नहीं बढ़ाई, बल्कि उस मार्ग पर ट्रांजिट शुल्क यूरोपीय मानकों से 5 गुना बढ़ाया। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, जब उनसे अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान के बारे में पूछा गया, जिसमें उन्होंने यूरोपीय देशों से रूस से तेल खरीदना बंद करने के लिए कहा था, तो मंत्री ने इसका जवाब दिया। उन्होंने कहा कि हंगरी और स्लोवाकिया की खरीदारी की आलोचना करने वाले खुद भी अप्रत्यक्ष चैनलों के

माध्यम से इसी तरह के लेनदेन में शामिल हैं। पीटर सिजार्तो ने कहा, वे ऐसा सस्ता तेल खरीदने के लिए करते हैं। वे ऐसा इसलिए करते हैं कि उन्हें सस्ता तेल मिल सके। वे गुप्त रूप से रूसी तेल खरीदते हैं क्योंकि यह सस्ता है। हम रूसी तेल खुलकर खरीदते हैं क्योंकि हमारे पास कोई अन्य विकल्प नहीं है। सिजार्तो ने कहा कि हंगरी की ऊर्जा आपूर्ति भौतिक बुनियादी ढांचे पर निर्भर करती है, क्योंकि तेल और गैस सिर्फ मौजूदा पाइपलाइनों के माध्यम से ही पहुंचाए जा सकते हैं। उन्होंने उल्लेख किया कि यूरोपीय संघ ने दक्षिण-पूर्व यूरोपीय पाइपलाइन क्षमताओं के विस्तार के लिए हंगरी के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया, जबकि हंगरी के दक्षिणी पड़ोसी क्रोएशिया ने वैकल्पिक मार्ग पर क्षमता बढ़ाने के बजाय ट्रांजिट शुल्क बढ़ाया। इससे पहले, विदेश और व्यापार मंत्री पीटर सिजार्तो ने घोषणा की थी कि बुडापेस्ट यूक्रेन के यूरोपीय संघ सदस्यता की राह पर पहली क्लस्टर वार्ता शुरू करने का समर्थन नहीं करेगा। 4 सितंबर को यह बात सामने आई कि एक वर्चुअल मीटिंग में ट्रंप ने यूक्रेन और यूरोपीय यूनियन (ईयू) के नेताओं से कहा था कि यूरोप रूसी तेल खरीदकर इस युद्ध के लिए पैसे दे रहा है। अमेरिका ने यूरोपीय यूनियन से रूस पर आर्थिक दबाव बढ़ाने का आग्रह किया। अमेरिका ने यह भी कहा कि पिछले साल रूस को ईंधन बेचने से ईयू से लगभग 1.1 बिलियन यूरो मिले थे। रीपावरईयू के तहत, यूरोपियन कमीशन ने 2027 तक रूसी गैस और तेल पर अपनी निर्भरता कम करने और आपूर्ति के स्रोतों को पूरी तरह से अलग-अलग करने का फैसला किया है। हालांकि, स्लोवाकिया और हंगरी ने रीपावरईयू योजना का विरोध किया है। दरअसल, जुलाई 2025 में स्लोवाकिया ने रीपावरईयू के माध्यम से रूस के खिलाफ यूरोपीय संघ के 18वें प्रतिबंध पैकेज को रोक दिया था, यह कहते हुए कि इससे देश की अर्थव्यवस्था और ऊर्जा सुरक्षा को खतरा है।

पाकिस्तान-चीन ने शुरू किया सीपीईसी का दूसरा चरण

बीजिंग, एजेंसी। पाकिस्तान और चीन ने विवादित चीन-पाकिस्तान आर्थिक कॉरिडोर (सीपीईसी) के दूसरे चरण की औपचारिक शुरुआत की और 21 समझौतों व संयुक्त उपक्रमों पर हस्ताक्षर किए। इनकी कुल कीमत करीब 8.5 अरब डॉलर है। ये समझौते बृहस्पतिवार को बीजिंग में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और चीनी प्रधानमंत्री ली कियांग के बीच हुई बैठक और निवेशक सम्मेलन के दौरान हुए। भारत लंबे समय से सीपीईसी का विरोध करता आया है, क्योंकि यह परियोजना पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) से होकर गुजरती है।

ज्यादा देर सोने से याददाश्त पर पड़ता है बुरा असर, दिमाग में हो जाते हैं जख्म

पिछले कई अध्ययनों में अल्जाइमर की बीमारी को नींद की कमी से जुड़ा हुआ पाया गया, लेकिन एक नए शोध में दावा किया गया है कि ज्यादा देर तक आंख बंद रहने या ज्यादा नींद लेने से याद्दाश्त पर बुरा असर पड़ता है।

शोध के दौरान वैज्ञानिकों ने पाया की जो व्यक्ति नौ घंटे या उससे अधिक की नींद लेते हैं उनकी याद्दाश्त और भाषा कौशल में महत्वपूर्ण गिरावट देखने को मिली। इसके साथ ही उन लोगों में भी खतरा देखने को मिला, जो छह घंटे की नींद लेते हैं। शोध के बाद वैज्ञानिकों ने दावा किया कि सात या आठ घंटे की नींद लेना सबसे बेहतर है और इससे इन खतरों को टाला जा सकता है। हालांकि, शोधकर्ता इस बात को लेकर पूरी तरह से आश्वस्त नहीं थे कि ज्यादा सोना अवसाद के खतरे को बढ़ा सकता है, लेकिन उनका कहना था कि यदि व्यक्ति के मस्तिष्क में किसी प्रकार का व्यावधान या रोग हो, तो उसे नींद ज्यादा आती है। इसके लिए मिआमी मिलर स्कूल यूनिवर्सिटी की टीम ने सात वर्षों तक करीब 5,247 स्पेन के लोगों पर अध्ययन किया। इसमें शामिल होने वाले प्रतिभागी 45 से 75 वर्ष की उम्र के और अलग-अलग समुदाय के थे। इसमें शिकागो, मिआमी, सेनडिआगो, न्यूयॉर्क के लैटिनो शामिल थे। इस अध्ययन के दौरान शोधकर्ताओं ने प्रतिभागितयों के ध्यान, याददशत, भाषा के साथ-साथ मस्तिष्क स्वास्थ्य और उसमें होने वाले बदलावों का निरीक्षण किया।

अधिक सोने से दिमाग में हो जाता है जख्म: वैज्ञानिकों के अनुसार ज्यादा सोने से दिमाग में जख्म हो जाता है, जिसे व्हाइट मैटर हाइपर इंटेंसिटी भी कहा जाता है। इन जख्मों के चलते दिमाग में रक्त प्रवाह भी प्रभावित होता है। एमआरआई में दिखाई देने वाले ये सफेद घब्बे अवसाद और स्ट्रोक के खतरे को बढ़ाते हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ मिआमी के न्यूरोलॉजिस्ट और नींद के विशेषज्ञ डॉक्टर रामोस ने कहा कि अल्पनिद्रा और अधिक नींद लेने का सीधा संबंध व्यक्ति के तंत्रिका संबंधी रोग से है, जो अल्जाइमर और अवसाद के लिए जिम्मेदार होता है।

डॉक्टर से कम नहीं घर का खाना

थायरॉइड जैसे कई रोगों की कर देता है छुट्टी

कभी शौक में, तो कभी अलग स्वाद के लिए अक्सर लोग बाहर खाना पसंद करते हैं। मगर सेहत के नजरिए से बाहर का खाना कभी घर के खाने की बराबरी नहीं कर सकता।

अमेरिका में हुए एक हालिया अध्ययन की मानें तो बाहर का खाना कई गंभीर व लाइलाज बीमारियों की वजह बन सकता है। अध्ययन के मुताबिक खुद खाना बनाकर खाने से कई ऐसे टॉक्सिक रसायनों से बचा जा सकता है, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को नुकसान पहुंचाते हैं। साइलेंट प्रिरंग इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिकों ने अध्ययन में पाया कि जो लोग घर का बना खाना खाते हैं, उनके शरीर में पीएफएएस नामक खतरनाक रसायन कम पाए गए। यह रसायन हमारे पर्यावरण की तमाम जगहों पर पाए जाते हैं और इस तरह शरीर में चले जाते हैं।

कैंसर-थायरॉइड से बचाता है घर का भोजन

घर का बना खाना पीएफएएस के खतरे को टाल देता है। यह कैंसर और थायरॉइड की समस्या से बचाव में खासतौर पर मददगार है। सबसे खास बात है कि घर के बने खाने के हर टुकड़े में सेहतमंद गुण मिलेंगे। विशेषज्ञों का कहना है कि पर्यावरण में मौजूद टॉक्सिन के खिलाफ कोई बेहतरीन बचाव का उपाय नहीं है।

रेसिपी

ब्रेड पोहा

सामग्री

■ ब्रेड स्लाइस: 8-10 छोटे टुकड़ों में कटे हुए ■ मूंगफली दाना : 1/2 कप ■ प्याज: 1 बारीक कटा ■ टमाटर: 1 बारीक कटा ■ हरी मिर्च : 2 बारीक कटी ■ नींबू का रस ■ जीरा : 1 छोटा चम्मच ■ राई :1 छोटा चम्मच ■ सौंफ : 1 छोटा चम्मच ■ हल्दी पाउडर : 1 छोटा चम्मच ■ धनिया पाउडर: 1 छोटा चम्मच ■ लाल मिर्च : 1/2 छोटा चम्मच ■ तेल : 1 बड़ा चम्मच ■ नमक : स्वाद के अनुसार

विधि

कढ़ाई में तेल गर्म करें। अब इसमें जीरा, राई और करी पत्ता डालकर तड़काएं। अब इसमें बारीक कटी प्याज, हरी मिर्च को डालकर प्याज के सुनहरा होने तक भुनें। इसके बाद इसमें टमाटर, मूंगफली के दाने डाल दें। 2 मिनट भनने के बाद सारे मसाले डाल दें। टमाटर को सॉफ्ट होने तक पकाएं। टमाटर जब पक जाएं तब इसमें ब्रेड के छोटे टुकड़े कर डालें और 2 मिनट और पकाएं। तैयार है ब्रेड पोहा, जिसे आप ब्रेकफास्ट के अलावा शाम के स्नैक्स में भी सर्व कर सकते हैं।

फ्लेवर्ड कोकोनट इडली

सामग्री

■ 12-15 मिनी इडली ■ नमक: स्वाद के अनुसार ■ कुछ टूथपिक्स ■ तेल ■ राई दाना: 1 टी स्पून ■ 1 नींबू, ■ हींग: चुटकी भर ■ थोड़ा हल्दी पाउडर ■ थोड़ा करी पत्ता ■ साउथ इंडियन मसाला ■ लाल मिर्च पाउडर

विधि

नॉनस्टिक कड़ाही में राई दाना, हींग और साउथ इंडियन मसाला डालकर 4-5 इडली डालकर निकालें। यह लाल रंग की हो जाएगी। अब हरे रंग के लिए कड़ाही में तेल डालें। उसमें राई, हींग और करी पत्ते का पेस्ट डालकर थोड़ी इडली डालें और निकालें। इडली को पीला रंग देने के लिए तेल, राई दाना, हींग, हल्दी, नमक और नींबू डालकर बाकी बची इडलियां डालकर निकाल लें। अब सभी रंग की इडलियों को टूथपिक में लगाकर सेट करें। अगर आपके पास मिनी इडली स्टैंड नहीं है तो नॉर्मल साइज वाली इडली बनाएं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कामकाज की व्यस्तता से सुख-चैन प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। शुभांक-1-3-5

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें, शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। नौकरी में अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-4-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-1-5-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शुभांक-3-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होगें। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शुभांक-6-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। शुभांक-3-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): आलसी न बनें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-3-5-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंग। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-6-8

काकुरो पहेली - 2580

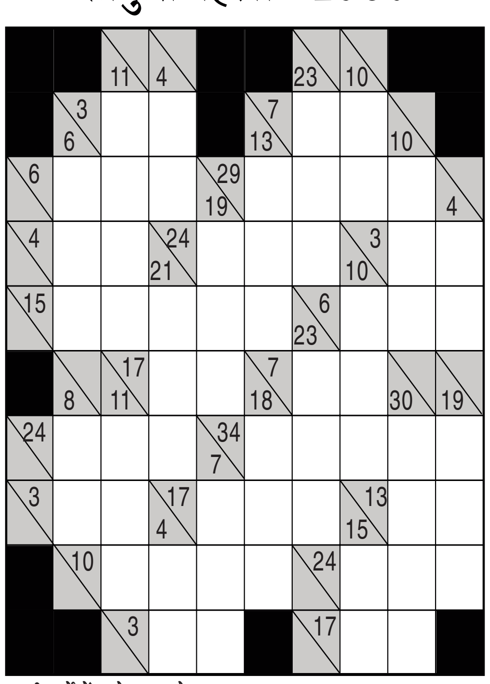

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

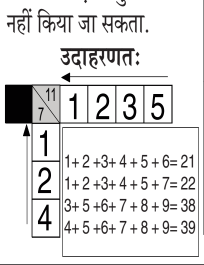

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 2579 का हल

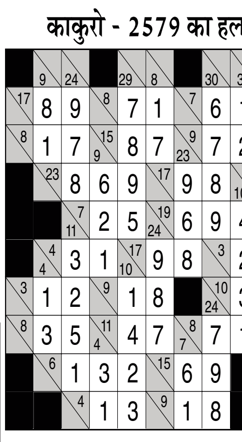

लॉफिंग ज़ोन

एक हीरो का जब बुरा समय आया तो एक होटल में बैरागिरी करने लगा. एक दिन उसका दोस्त उस होटल में खाना खाने पहुंचा. जब उसने हीरो को वहां वेटर के रूप में देखा तो उसने आश्चर्य प्रकट करते हुए कहा- 'अरे! तुम ऐसे मामूली होटल में बैरागिरी कर रहे हो ?'

'हां !' हीरो शान्त स्वर में बोला- 'सब समय की बात है. फिर भी अभी ऐसी हालत नहीं हुई कि इस होटल में खाना खाना पड़े.'

☺ ☺ ☺

एक अधिकारी ने कागजी कार्यवाही के दौरान अपने पास बैठे एक आदमी से पूछा- 'आपकी राष्ट्रीयता तो भारतीय है ना!'

'जी नहीं !'

'फिर ?'

'मेरे मां और बाप दोनों अंग्रेज थे, इसलिए मेरी राष्ट्रीयता अंग्रेजी है.'

'मगर आप पैदा तो भारत में हुए थे.'

'तो क्या हुआ!' वह आदमी कड़क आवाज में बोला- 'आपकी कुतिया यदि घुड़साल में जाकर पिल्ला दे तो क्या आप उसे घोड़ा मान लेंगे ?'

☺ ☺ ☺

बेटा- 'पापा मुझे तीन विषयों में एक समान अंक मिले हैं.'

पिता- कितने अंक मिले हैं.

बेटा- 'शून्य, शून्य, शून्य !'

☺ ☺ ☺

फिल्म वर्ग पहेली- 2580

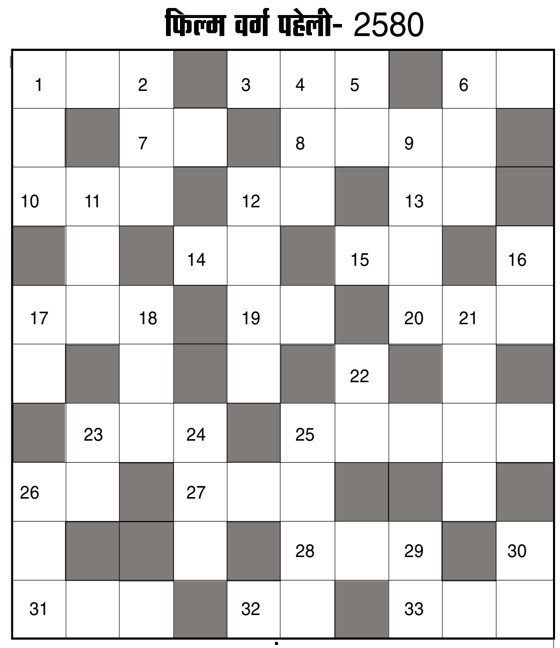

बायें से दायें:-

१. जैकी श्रॉफ, सलमान, रंभा, अश्विनी भावे की फिल्म-३
३. 'छम छम बरसा' गीत वाली फिल्म-३
६. 'जलता है जिया मेरा भीगी भीगी' गीत वाली फिल्म-२
७. राकेश रोशन, सिम्मी की फिल्म-२
८. अमिताभ, शर्मिला, हेमा, परवीन की फिल्म-४
१०. 'मरना तेरी गली में जीना तेरी' गीत वाली फिल्म-३
१२. फरदीन, करीना की 'रंग दीन्ही रंग' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'कहना है तुम' गीत वाली आमिर, मनीषा की फिल्म-२
१४. 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं तो प्यार' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'चाँदनी रात है' गीत वाली सलमान, नगमा की फिल्म-२
१७. 'जिंदगी ये जिंदगी दो घड़ी की जिंदगी' गीत वाली फिल्म-३
१९. नागार्जुन, उर्मिला की फिल्म-२
२०. जैकी श्रॉफ, जूही, एकता की एक सस्पेंस फिल्म-३
२३. मिलिंद, विक्रम सलूज की फिल्म-३
२५. विनोद मेहरा, अनिल कपूर, स्मिता, रति की फिल्म-२,१,२
२६. 'याइला रे लड़की मस्त' गीत वाली फिल्म-२
२७. धर्मेन्द्र, शर्मिला की 'बहारों की बारात आ' गीत वाली फिल्म-३
२८. 'तुझे देखके दिल' गीत वाली फिल्म-३
३१. सनी, जॉन, सुनील शेट्टी की फिल्म-३
३२. 'जिस का मुझे था' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२
३३. अक्षय, सैफ, रवीना टंडन, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'रंग भरे मौसम से' गीत वाली फिल्म-३
२. अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
४. 'मैं तेरी मुहब्बत में' गीत वाली फिल्म-३
५. बिजॉय आनंद, कृतिका पाने, सोनू वालिया की फिल्म-२
६. 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली फिल्म-३
९. राजबब्बर, अनिता की फिल्म-४
११. 'किसी के दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१२. नवीन निश्चल, सायरा की 'इधर गया था' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'तेरे बिना तेरे' गीत वाली फरदीन, करीना की फिल्म-२
१७. संजय, उर्मिला की 'ओ भंवरे देखो हम' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'खाई है रे हमने कसम संग रहने की' गीत वाली फिल्म-३
२१. जैकी, नीलम की 'चुराया तूने दिल' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'अपनी चाहतों पे काबू' गीत वाली जॉन, उदिता की फिल्म-२
२३. इरफान खान, की 'मैंने दिल से कहा' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'हम तीनों की वो यारी' गीत वाली फिल्म-३
२५. राजेंद्रकुमार, राखी की फिल्म-२,२
२६. 'पहली बार जो' गीत वाली फरदीन, उर्मिला की फिल्म-३
२९. 'सुन जरा सोनिये' गीत वाली फिल्म-२
३०. रणधीरकपूर, बबीता की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2579

सूडोकु -2580

8	5			3		6	1	
6	7		9		4		2	
2					1			4
	3	9			7			
	6	2		8		4	7	
			6			9	3	
3			5					7
	4		1		6		8	3
	8	5		7			9	6

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2579 का हल

6	3	7	2	1	5	4	8	9
9	8	4	3	7	6	5	2	1
2	5	1	9	4	8	7	3	6
3	6	8	5	9	7	1	4	2
7	2	9	4	8	1	6	5	3
4	1	5	6	3	2	8	9	7
5	7	6	8	2	9	3	1	4
8	4	2	1	6	3	9	7	5
1	9	3	7	5	4	2	6	8

शब्द पहेली - 2580

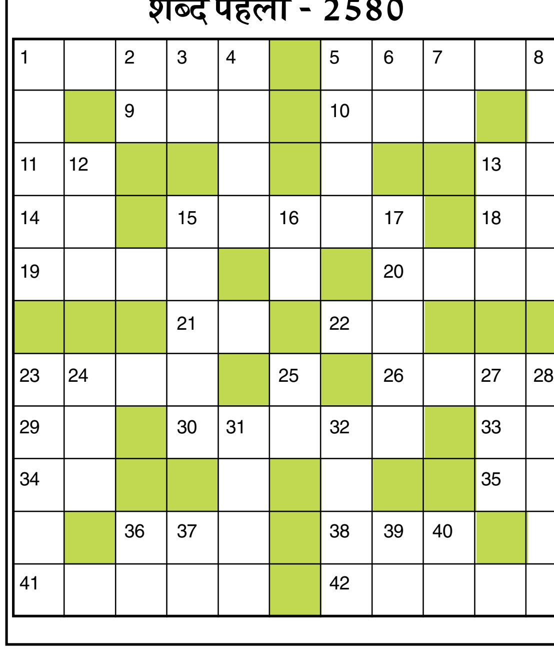

बाएँ से दाएँ

1.यश प्राप्त करना-5
5.चतुर, जहीन-5
9.दया, तरस-3
10.कामदेव-3
11.लीन, तल्लीन-2
13.बोली, आवाज-2
14.राजदुर्वा-2
15.एक प्रकार का बिस्किट-2,3
18.मत, सलाह-2
19.जो लायक न हो-4
20.अधीनस्थ-4
21.कहानी, गाथा-2
22.श्रवणेंद्रिय-2
23.कुएं से पानी भरने का चबूतरा-4
26.दान देने वाला-4
29.वरदान, दूल्हा-2
30.पत्नी का नाना-2,3
33.सूर्य, दिनकर-2
34.भीगा हुआ-2
35.सुर आलाप-2
36.फूलों का रस,अर्क-3
38.तरंग, हिलोर-3
41.जरुरतमंद-5
42.सेंधमार-5

ऊपर से नीचे

1.नामकरण-5
2.टैक्स,हाथ-2
3.महीना, मास-2
4.नामवर, प्रसिद्ध-4
5.संधि, सामंजस्य-4
6.सरुर, नशा-2
7.झंकार-2
8.रमण योग्य-5
12.तगारी, नांद-3
13.सुअर-3
15.अभिमान मर्दित होना -2,3
16.समाप्त-2
17.नेकनीयत-5
23.हनुमान-3,2
24.मुलायम-3
25.उम्मीद, आशा-2
27.बहादुरी-3
28.शिव, रविलोचन-2,3
31.नामचीन-4
32.सुसंचालन-4
36.चेहरे का तेज, दर्प-2
37.रिश्तेदार-2
39.अधिकार-2
40.ईश्वर, भगवान-2

शब्द पहेली -2579 का हल

बिहार के गयाजी में पितृपक्ष मेला का हुआ उद्घाटन

एजेंसी

पटना। मोक्ष की भूमि बिहार के गयाजी में पितरों के मुक्ति का 17 दिनों तक चलने वाले मेले का प्रभारी मंत्री सुनील कुमार सहित अन्य मंत्रियों ने उद्घाटन किया। गयाजी में छह (06) से इक्कीस (21) सितंबर तक इस मेले का आयोजन होगा। बिहार के गयाजी में विश्व प्रसिद्ध पितृपक्ष मेला-2025 का शुभारंभ आज वैदिक मंत्रोच्चारण और दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। बिहार सरकार के प्रभारी मंत्री ने मेला का उद्घाटन किया। मेला उद्घाटन के अवसर पर प्रभारी मंत्री सुनील कुमार, सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेम कुमार, राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री संजय सरावगी, पर्यटन मंत्री राजू कुमार सिंह, गया के विधायक मंजू अग्रवाल, मेयर गणेश पासवान, जिला परिषद अध्यक्ष नैना कुमारी सहित प्रशासनिक अधिकारी एवं गणमान्य मौजूद रहे। विश्वप्रसिद्ध पितृपक्ष मेला के लिए गयाजी में 324 सेक्टर अधिकारियों की तैनाती की गयी है। विदेशों से भी आने वाले श्रद्धालुओं पर प्रशासन की नजर रहेगी। पिंडदानियों की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था के लिए विष्णुपद मंदिर के पास पुलिस कंट्रोल रूम भी खोल दिया गया है। सुबह तीन बजे से रात 11 बजे तक गयाजी शहर के किसी भी रूट पर ट्रक और बस जैसे बड़े वाहनों के प्रवेश पर रोक लगा दी गयी है। दरअसल, मोक्ष का यह महापर्व 17 दिनों तक चलेगा। इस दौरान देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु गयाजी आएंगे।

अशोक गहलोत ने अजमेर में बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया, सरकार से तत्काल सर्वे और राहत पैकेज की मांग

अजमेर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अजमेर के फायसागर रोड स्थित स्वास्तिक नगर कॉलोनी में भारी बारिश और बाढ़ से हुए नुकसान का जायजा लिया। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि हालात बेहद गंभीर हैं और एक-एक घर की अपनी अलग कहानी है। उन्होंने कहा कि यह कोई मामूली नुकसान नहीं है और सरकार को इस बात को गंभीरता से समझना होगा। एक-एक घर का सर्वे हो: गहलोत ने जोर देकर कहा कि सरकार को तत्काल पूरे इलाके का, और विशेष रूप से हर एक घर का सर्वे करवाना चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल खाना या बस्ती में राहत सामग्री पहुंचाना पर्याप्त नहीं है। सर्वे से यह पता चलेगा कि किसको कितना नुकसान हुआ है, चाहे वह कम हो या ज्यादा, और उसी के अनुसार सरकार की तरफ से एक विशेष राहत पैकेज मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब तक यह सर्वे और पैकेज नहीं मिलेगा, तब तक इन परिवारों का भला नहीं हो सकता। स्पीकर और मुख्यमंत्री से करेंगे बात: पूर्व मुख्यमंत्री ने बताया कि वह अजमेर के कलेक्टर और विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से बात करेंगे, क्योंकि यह उनका ही क्षेत्र है। उन्होंने कहा कि देवनानी को खुद यहां आकर स्थिति देखनी चाहिए। गहलोत ने मुख्यमंत्री से भी बात करने का आश्वासन दिया और कहा कि जब तक सरकार एक-एक घर के सर्वे का आदेश नहीं देगी, तब तक लोगों को सही राहत नहीं मिलेगी। उन्होंने कहा कि वे धर्मेंद्र राठौड़ के साथ मिलकर प्रभावित परिवारों से लिखित में जानकारी लेंगे और उसे सरकार तक पहुंचाएंगे।

सहोदरा नदी में उफान, जयपुर-भीलवाड़ा स्टेट हाईवे दूसरी बार बंद

मालपुरा। आसपास हुई तेज़ बारिश के कारण सहोदरा नदी उफान पर है, जिससे जयपुर-भीलवाड़ा स्टेट हाईवे एक बार फिर बंद हो गया है। इंदौली गाँव के पास स्थित पुलिया के ऊपर से पानी बहने के कारण प्रशासन ने सुरक्षा के लिहाज़ से वाहनों की आवाजाही रोक दी है। मालपुरा के केकड़ी मोड़ पर बैरिकेड लगाकर रास्ता बंद किया गया है। करीब एक महीने पहले भी इसी नदी में पानी बढ़ने से यह स्टेट हाईवे बंद हो गया था। यही स्थिति नयागाँव जाटान के रपटे पर भी बनी हुई है, जहाँ सड़क पर पानी बहने का खतरा बढ़ गया है।

ज्ञान और संस्कार का केंद्र बने श्री परशुराम ज्ञानपीठ - सीएम भजनलाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहां कि भगवान परशुरामजी सत्य व ज्ञान के प्रतीक हैं। भगवान परशुरामजी के आदर्शों को अपनाते हुए श्री परशुराम ज्ञान पीठ में अध्ययन करने वाले बच्चों को ज्ञान, विज्ञान के साथ सनातन संस्कार की भी सीख दे। जिससे यहां से पढकर निकलने वाला हर बच्चा देश दुनिया में समाज व राष्ट्र का नाम रोशन करे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा विप्र फाउंडेशन की ओर से जयपुर के मानसरोवर में नवनिर्मित श्रीपरशुराम ज्ञानपीठ (सेंटर फॉर एक्सीलेंस एंड रिसर्च) के उद्घाटन समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। भगवान के जयकारों के साथ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने श्री परशुराम ज्ञानपीठ के लिये विप्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय संयोजक सुशील ओझा समेत अन्य पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि यह बहुत ही अच्छे कार्य की शुरुआत हुई है। भगवान परशुरामजी की कृपा से पीठ की शुरुआत हुई है। समाज के हर गरीब व वंचित वर्ग को अच्छा ज्ञान मिले इसके लिए समाज की जिम्मेदारी है कि ऐसे केंद्र गांवों तक खोले। तभी वंचित वर्ग के युवा आगे बढ़ेंगे। ब्राह्मण समाज के युवाओं के शिक्षा, संस्कार और स्वावलंबन के लिए श्रीपरशुराम ज्ञानपीठ (सेंटर फॉर एक्सीलेंस एंड रिसर्च) का निर्माण बड़ा ही सराहनीय कार्य है। यह सेंटर निश्चित ही युवाओं के लिये लाभकारी होगा। प्रधानमंत्री नरेंद मोदी की भी यही परिकल्पना है कि सबका साथ सबका विकास हो। राजस्थान सरकार भी सभी वर्ग व समाज के विकास, उन्नति के लिये कार्य कर रही है।

संघ की समन्वय बैठक में शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों पर हुई विस्तृत चर्चा

एजेंसी

जोधपुर। राजस्थान के जोधपुर में चल रही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तीन दिवसीय अखिल भारतीय समन्वय बैठक के पहले और दूसरे दिन संघ के शताब्दी वर्ष (विजयादशमी 2025 से विजयादशमी 2026) के विभिन्न कार्यक्रमों पर विस्तृत चर्चा की गयी। विविध क्षेत्र में कार्य करने वाले संगठनों के पदाधिकारियों ने अपने कार्यक्रमों एवं योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। संघ के प्रचार विभाग के मुताबिक प्रमुख रूप से सक्षम (समदृष्टि, क्षमताविकास एवं अनुसन्धान मण्डल) द्वारा रामदेवरा में 1 अगस्त से 2 सितंबर तक सामाजिक समरसता सहित श्रद्धा के केंद्र लोक देवता बाबा रामदेव के मेला अवधि में संपन्न हुए नेत्र कुंभ की जानकारी दी गई। इस 33 दिनों की अवधि में रामदेवरा में 1,00,797 लाभार्थियों के

नेत्र जांच करके 85,337 को चश्मा वितरण किया गया और 6,234 रोगियों को नेत्र ऑपरेशन के लिए चिन्हित किया गया, जिनका शीघ्र ही ऑपरेशन करवाया जाएगा। इस प्रकार सीमा क्षेत्र में सक्षम का यह अनूठा प्रयोग प्रथम बार हुआ। सहकारिता के भाव को समाज में सुदृढ़ कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए दुग्ध संघ विषय पर भी चर्चा हुई। विश्व हिंदू परिषद द्वारा समाज में व्याप्त नशा एवं उसके दुष्प्रभावों के उन्मूलन के लिए जनजागरण अभियान तथा भारत विकास परिषद द्वारा किए जा रहे एनीमिया मुक्त भारत अभियान की जानकारी दी गई।महिला समन्वय द्वारा समाज जीवन में महिलाओं की सहभागिता बढ़ाने के लिए विविध गतिविधियां एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। भारतीय किसान संघ द्वारा जैविक खेती को प्रोत्साहित करने और रासायनिक कृषि से हटकर जैविक पद्धति अपनाने के लिए कृषक वर्ग को प्रेरित करने की योजनाओं पर चर्चा हुई। स्वदेशी जागरण मंच द्वारा स्वदेशी उत्पादों के उपयोग, आर्थिक आत्मनिर्भरता एवं समृद्धि की दिशा में जनजागरण के कार्यों की जानकारी दी गयी।

हैदराबाद के उपनगर मेडचल में 12 हजार करोड़ की मेफेड्रोन जब्त, विदेशी नागरिक समेत 12 लोग गिरफ्तार

एजेंसी

हैदराबाद। मुंबई की क्राइम ब्रांच की टीम ने राजधानी हैदराबाद के उपनगर मेडचल केंद्र द्वारा संचालित एक दवा निर्माण कारखाने पर छापा मारा। इस दौरान 12,000 करोड़ रुपये की प्रतिबंधित दवाइयां ज़ब्त की गईं। इसके अलावा टीम ने मेडचल स्थित एमडी ड्रग्स कंपनी पर भी छापेमारी की और वहां भी बड़े पैमाने पर बनाई जा रही तीन तरह की दवाइयां ज़ब्त कीं। इनमें एक्सटीसी, मौली और एमडीएमए जैसी सबसे खतरनाक ड्रग्स पाई गईं। क्राइम ब्रांच की टीम ने कुल 12 हजार करोड़ रुपये की एमडी ड्रग्स जब्त की। विशेष रूपे से यह कंपनी मेफेड्रोन (म्याऊ म्याऊ) नामक नशीले पदार्थ का उत्पादन कर रही थी। टीम ने लगभग 32,000 लीटर कच्चा माल भी बरामद किया। क्राइम ब्रांच के अधिकारियों ने बताया कि इस दौरान ड्रग निर्माण में शामिल 13 लोगों को गिरफ्तार किया गया। मुंबई क्राइम ब्रांच ने महाराष्ट्र पुलिस को मिली विश्वसनीय जानकारी के आधार पर यह छापेमारी की है। इस दौरान पता चला कि हैदराबाद में बन रही ये ड्रग्स देश-विदेश में भेजी जा रही है। पिछले माह महाराष्ट्र पुलिस ने एक विदेशी नागरिक को पकड़ा था। विदेशी नागरिक की जानकारी के आधार पर महाराष्ट्र पुलिस ने जांच शुरू की थी। विदेशी नागरिक के पास से 25 लाख रुपये मूल्य की ड्रग्स ज़ब्त की गई। छापेमारी में पुलिस ने 1,000 किलोग्राम केमिकल भी ज़ब्त किया। इस तरह महाराष्ट्र पुलिस ने आपूर्तिकर्ताओं, निर्माताओं और वितरकों के एक बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ किया।

छत्तीसगढ़ के री-एजेंट घोटाला मामले में ईडी ने मोक्शित कॉरपोरेशन की दो लग्जरी गाड़ियां जब्त कीं

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में री-एजेंट प्रोक्योरमेंट घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के रायपुर जोनल कार्यालय ने छापामार कार्रवाई की। इस दौरान मोक्शित कॉरपोरेशन के नाम पर रजिस्टर्ड दो लग्जरी वाहन पोर्श केयेन कूप और मर्सिडीज-बेंज को जब्त किया गया है। यह गाड़ियां शशांक चोपड़ा और उनके पिता शांतिलाल चोपड़ा संचालित करते थे।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जांच की शुरुआत एंटी करप्शन ब्यूरो और आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) रायपुर की एफआईआर के आधार पर की। इस एफआईआर में मोक्शित कॉरपोरेशन के साथ-साथ छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन लिमिटेड (सीजीएमएससीएल) और डायरेक्टरेट ऑफ हेल्थ सर्विसेज (डीएचएस) के कई वरिष्ठ अफसरों के खिलाफ आपराधिक साजिश और भ्रष्टाचार का मामला दर्ज है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का आरोप है कि शशांक चोपड़ा और कुछ अधिकारियों ने मिलकर टेंडर प्रक्रिया में गड़बड़ी की, झूठी मांग दिखाई और मेडिकल इक्विपमेंट और री-एजेंट्स की सप्लाई फर्जी तरीके से महंगे दामों पर की, इससे राज्य सरकार को भारी आर्थिक नुकसान हुआ और आरोपितों ने खुद को फायदा पहुंचाया। इससे पहले, 30 जुलाई 2025 को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने इसी केस में छापा मारकर 40 करोड़ रुपये से ज़्यादा की संपत्ति जब्त/फ्रीज की थी। उस वक्त भी मोक्शित कॉरपोरेशन के नाम पर मिनी कूपर और टोयोटा फॉर्च्यूनर जैसी लग्जरी

गाड़ियां जब्त की गई थीं। अब तक की कार्रवाई में करोड़ों की संपत्ति और कई लग्जरी गाड़ियां जब्त हो चुकी हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी)की जांच आगे भी जारी है।

शांताराम सर्राफ का संपूर्ण जीवन समाज और राष्ट्र के प्रति समर्पित रहा : विष्णुदेव साय

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, छत्तीसगढ़ के पूर्व प्रांत प्रचारक और वरिष्ठ स्वयंसेवक शांताराम सर्राफ को जागृति मंडल में उनके पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि शांताराम सर्राफ जी का संपूर्ण जीवन समाज और राष्ट्र के प्रति समर्पण, अनुशासन तथा प्रेरणा का अद्वितीय उदाहरण रहा है। सामाजिक कार्यों में उनके योगदान को सदैव स्मरण किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिजनों व शुभचिंतकों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।पूर्व मुख्यमंत्री और छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने शांताराम जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि वे हमारे लिए पिता तुल्य थे। उन्होंने मदकूदीप को पुनर्जीवित कर राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वे अपनी विनम्रता तथा जीवन मूल्यों से सभी के आदर्श बने। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक के रूप में उन्होंने छत्तीसगढ़ की जनता और स्वयंसेवकों को

परिवार मानकर निरंतर मार्गदर्शन किया। मुख्यमंत्री रहते हुए भी मुझे उनका स्नेह और आशीर्वाद मिलता रहा। उनके निधन से पूरा प्रदेश शोकाकुल है। सर्राफ जी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को प्रदेश में सशक्त एवं मजबूत बनाने में अमूल्य योगदान दिया है, उनके जीवन से प्रेरणा लेकर हम सभी उनके कार्य को आगे बढ़ायें। भाजपा अध्यक्ष किरण सिंह देव ने शोक व्यक्त करते हुए कहा है कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक शांताराम सराफ जी के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। उनका जीवन राष्ट्र और समाज सेवा को समर्पित रहा। ईश्वर से प्रार्थना है कि वे दिवंगत आत्मा को शांति और परिजनों को यह गहन दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। भाजपा क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने उन्हें हिन्दुत्व की अलख जगाने वाले प्रेरणा के आकाशदीप की संज्ञा दी।

मायावती ने भतीजे आकाश के ससुर अशोक सिद्धार्थ को माफ कर पार्टी में शामिल किया

एजेंसी

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने भतीजे आकाश आनंद के ससुर अशोक सिद्धार्थ को माफ कर दिया है। उन्होंने कहा कि अशोक ने सार्वजनिक तौर पर अपनी गलती स्वीकार ली है। उन्हें अपनी गलती का अहसास हो चुका है इसलिए उन्हें एक बार और मौका देते हुए पार्टी में वापस लिया गया है। बसपा प्रमुख मायावती ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि कई जिम्मेदार पदों पर लम्बे वर्षों तक कार्यरत एवं पार्टी के पूर्व राज्यसभा सांसद अशोक सिद्धार्थ, जिन्हें पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिये कुछ माह पहले पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था, उन्होंने सोशल मीडिया पर आज अपने लम्बे पोस्ट के जरिये सार्वजनिक तौर पर अपनी गलती की माफी मांगी है। उन्होंने पार्टी और बसपा मूवमेन्ट के

प्रति पूरी तरह से वफादर रहकर बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के आत्म-सम्मान एवं स्वाभिमान के मूवमेन्ट को आगे बढ़ाने में पूरे जी-जान से लग जाने का आश्वासन दिया है। हालांकि उन्हें अपनी गलती का एहसास बहुत पहले हो चुका था और वे इसका लगातार पश्चाताप विभिन्न स्तर पर कर रहे थे। लेकिन आज उन्होंने सार्वजनिक तौर पर अपना पछतावा जाहिर किया है, जिसको ध्यान में रखते हुये पार्टी व मूवमेन्ट के हित में उन्हें पार्टी की ओर से एक मौका दिया जाना उचित समझा है। इसलिए, बसपा से उनके निष्कासन का फैसला आज तत्काल प्रभाव से रद्द करते हुए उनको पार्टी में वापस ले लिया गया है। उम्मीद है कि पार्टी के अन्य सभी छोटे-बड़े कार्यकर्ताओं की तरह वे भी पूरे तन, मन, धन से पार्टी व मूवमेन्ट को आगे बढ़ाने में अपना भरपूर योगदान जरूर देंगे।अशोक सिद्धार्थ मायावती के भतीजे व बसपा के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद के ससुर है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म फेसबुक पर बसपा प्रमुख मायावती से माफी मांगी और पार्टी में ईमानदारी से कार्य करने की इच्छा जाहिर की थी। इस पर मायावती ने उन्हें माफ करते हुए उनके निष्कासन को रद्द कर पार्टी में शामिल कर लिया है।

किश्तवाड़ और उधमपुर जिलों में सड़क संपर्क बहाल करने में उल्लेखनीय प्रगति हुई : डॉ. जितेंद्र सिंह

एजेंसी

श्रीनगर। केंद्रीय माननीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में भूस्खलन और बारिश से हुए भारी नुकसान के बाद किश्तवाड़ और उधमपुर जिलों में बंद सड़क संपर्क बहाल करने में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। डॉ. जितेंद्र सिंह ने अपने एक्स पोस्ट में कहा, थाथरी से किश्तवाड़ तक राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच)-244 पर हुए भूस्खलन क्षेत्र को बाईपास करके खोला गया है, जबकि किश्तवाड़-चतरू-सिंथन टॉप सड़क भारी चट्टानों को हटाने के लिए कल किए गए विस्फोट कार्य के बाद आज (शनिवार)को खोल दी जाएगी। उधमपुर जिले में 400 क्षतिग्रस्त सड़कों में से 50 प्रतिशत से अधिक सड़कों को पहले ही बहाल कर दिया गया है। प्रतिकूल मौसम के बावजूद राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात बहाली का काम जारी है और एक या दो दिन में यातायात के सुचारू आवागमन के लिए सड़कों के फिर से खुलने की उम्मीद है।डॉ. सिंह ने कहा कि गोरडी, लट्टी, डुडू और बसंतगढ़ जैसे परिधीय क्षेत्रों में यातायात संपर्क बहाल करने के प्रयास जारी हैं। रामनगर, मौंगरी, लट्टी और बसंतगढ़ के कुछ हिस्सों में जलापूर्ति अभी भी प्रभावित है। लेकिन टैंकरों के माध्यम से वैकल्पिक आपूर्ति की जा रही है।

राजा रघुवंशी हत्याकांड में मेघालय पुलिस ने दाखिल किया 790 पन्नों का आरोपपत्र

एजेंसी

शिलांग। मेघालय पुलिस ने इंदौर के व्यवसायी राजा रघुवंशी की सनसनीखेज हनीमून हत्याकांड में 790 पन्नों का आरोपपत्र दाखिल किया है, जिसमें उनकी पत्नी सोनम, उनके प्रेमी राज कुशवाहा और तीन भाड़े के हत्यारों को मुख्य आरोपित बनाया गया है।

29 वर्षीय राजा ने इसी साल 11 मई को 25 वर्षीय सोनम से शादी की थी। मेघालय में अपने हनीमून के कुछ ही दिन बाद, वह लापता हो गए। 2 जून को, उनका सड़ा-गला शव वेइसाडोंग फॉल्स के पास एक घाटी में मिला, जिससे गुमशुदगी की शिकायत हाल के वर्षों के सबसे परेशान करने वाले हत्याकांडों में से एक बन गई। जांच से पता चला कि सोनम, जो अपने परिवार की कंपनी में अकाउंटेंट राज के साथ रिश्ते में थी, ने कथित तौर पर शादी से पहले ही अपने पति की हत्या की साजिश रची थी। दोनों पर तीन सुपारी किलरों- आकाश राजपूत, विशाल चौहान और आनंद कुर्मी को अपराध को अंजाम देने के लिए लगभग 20 लाख रुपये देने का आरोप है। सूचीबद्ध पांच आरोपी हैं-

सोनम रघुवंशी, राज सिंह कुशवाह, विशाल सिंह चौहान, आकाश सिंह राजपूत और आनंद कुर्मी पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 103(1), 238(ए) और 61(2) के तहत हत्या, सबूत नष्ट करने और आपराधिक षड्यंत्र से संबंधित आरोप लगाए गए हैं। 30 मई को, झरने के पास एक ट्रेकिंग के दौरान, राजा पर किराए के लोगों ने घात लगाकर हमला किया, उसके सिर पर कुल्हाड़ी से वार किया और उसे खाई में फेंक दिया। पुलिस का कहना है कि सोनम ने हमले को होते हुए देखा, फिर फोन बंद कर दिया और इंदौर वापस भाग गई। बाद में उसने अपने प्रेमी और सुपारी किलरों की गिरफ्तारी के एक दिन बाद 8 जून को उत्तर प्रदेश में आत्मसमर्पण कर दिया।

भरतपुर के नेहुल सिंह चौधरी भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट बने

भरतपुर। भरतपुर जिले के गांव जघीना निवासी नेहुल सिंह चौधरी को भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट के पद पर नियुक्त किया गया है। उनकी ट्रेनिंग बिहार के गया में पूरी हुई थी। इस खबर से पूरे गांव में खुशी की लहर है। उनके चाचा और महामंत्री चन्द्रवीर जघीना ने बताया कि नेहुल

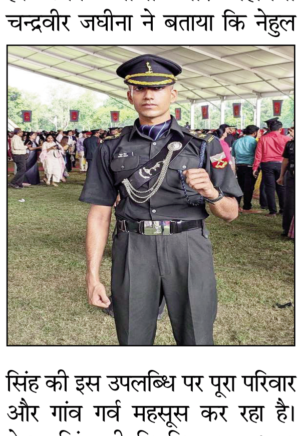

सिंह की इस उपलब्धि पर पूरा परिवार और गांव गर्व महसूस कर रहा है। नेहुल सिंह की नियुक्ति पर लक्ष्मण सिंह, महेंद्र सिंह, विनय सिंह, जसवीर सिंह, हरेंद्र सिंह और लोकेंद्र सिंह सहित अन्य ग्रामीणों ने भी हर्ष व्यक्त किया है और उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

हिमाचल में 12 सितंबर तक धीमा रहेगा मॉनसून, कुल्लू में मलबे से निकाला एक और शव

एजेंसी

शिमला। हिमाचल प्रदेश में मॉनसून की भारी बारिश से अगले कुछ दिनों तक राहत मिलने के आसार हैं। मौसम विभाग के अनुसार आगामी 12 सितंबर तक प्रदेश में हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है, लेकिन किसी तरह का अलर्ट या चेतावनी नहीं जारी की गई है। आज राजधानी शिमला और कुछ अन्य जिलों में बारिश हुई, जबकि कुछ क्षेत्रों में बादल छाए रहे और कुछ जगहों पर धूप भी खिली। बीते 24 घंटों में बिलासपुर जिले के नैनादेवी में सबसे अधिक 136 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। कुल्लू के इन्नर अखाड़ा बाजार में बीते दिनों हुए भूस्खलन में दबे लोगों को निकालने के लिए सर्च ऑपरेशन जारी रहा। यहां 3 और 4 सितंबर को दो अलग-अलग भूस्खलन की घटनाओं में कुल 9 लोग मलबे में दब गए थे। इनमें से आठ लोगों के शव निकाल लिए गए हैं। 3 सितंबर को दबे एनडीआरएफ के सदस्य नरेंद्र पुत्र सुखराम का शव आज निकाला गया। 4 सितंबर को भूस्खलन की चपेट में आए बकार अहमद मीर, हुसैन लोन और ताहिर दीन अहमद शेख के शव भी निकाले गए हैं। एक व्यक्ति की खोज अभी भी जारी है। प्रशासन,

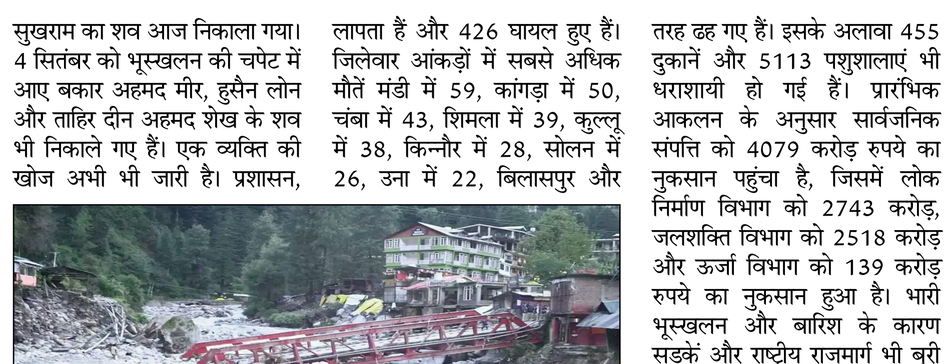

एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पुलिस और आपदा प्रबंधन की टीमें लगातार राहत और बचाव कार्यों में जुटी हुई हैं। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र की रिपोर्ट के अनुसार, इस मॉनसून सीजन में अब तक 366 लोगों की मौत हो चुकी है, 41 लोग लापता हैं और 426 घायल हुए हैं। जिलेवार आंकड़ों में सबसे अधिक मौतें मंडी में 59, कांगड़ा में 50, चंबा में 43, शिमला में 39, कुल्लू में 38, किन्नौर में 28, सोलन में 26, उना में 22, बिलासपुर और सिरमौर में 18-18, हमीरपुर में 16 और लाहौल-स्पीति में 9 दर्ज की गई हैं। बारिश के कहर से 1984 पशु और 26 हजार से अधिक पोल्ट्री पक्षियों की भी मौत हुई है। प्रदेश में अब तक 6025 कच्चे-पक्के मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं, जिनमें 1159 पूरी तरह ढह गए हैं। इसके अलावा 455 दुकानें और 5113 पशुशालाएं भी धराशायी हो गई हैं। प्रारंभिक आकलन के अनुसार सार्वजनिक संपत्ति को 4079 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचा है, जिसमें लोक निर्माण विभाग को 2743 करोड़, जलशक्ति विभाग को 2518 करोड़ और ऊर्जा विभाग को 139 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। भारी भूस्खलन और बारिश के कारण सड़कें और राष्ट्रीय राजमार्ग भी बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। शनिवार शाम तक प्रदेश में तीन नेशनल हाइवे और 897 सड़कें अवरुद्ध थीं। बंद नेशनल हाइवे में कुल्लू का एनएच-3 और एनएच-305 तथा लाहौल-स्पीति का एनएच-505 शामिल हैं। कुल्लू जिले में 225 सड़कें, मंडी में 198, शिमला में 167, चंबा में 116, सिरमौर में 48 और कांगड़ा में 42 सड़कें बंद हैं। शिमला के ऊपरी इलाकों में लिंक रोड अवरुद्ध रहने से सेब बागवानों की फसल समय पर मंडियों तक नहीं पहुंच पा रही है।

गुजरात में दो दिवसीय अत्यंत भारी बारिश की चेतावनी

एजेंसी

गांधीनगर। भारतीय मौसम विभाग ने दो दिवसीय अत्यंत भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। राज्य के विभिन्न जिलों में रेड अलर्ट घोषित किया गया है जबकि कुछ अन्य जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। अत्यंत भारी वर्षा की चेतावनी को ध्यान में रखते हुए मुख्य सचिव पंकज जोशी की अध्यक्षता में गांधीनगर स्थित राज्य आपातकालीन ऑपरेशन सेंटर में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े विभिन्न जिला कलेक्टरों को मुख्य सचिव ने मौसम विभाग की चेतावनी को ध्यान में रखते हुए संभावित जोखिमों के प्रति सतर्क रहने के निर्देश दिए और जिला प्रशासन द्वारा की गई अग्रिम तैयारियों की समीक्षा की। भारतीय मौसम विभाग ने बैठक में बताया कि आज 6 सितंबर को बनासकांठा, साबरकांठा, अरावली, मेहसाणा और सुरेंद्रनगर जिलों में रेड अलर्ट तथा पाटन, गांधीनगर, खेड़ा, महीसागर, मोरबी, राजकोट और बोटाद जिलों में ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है। इसके अलावा कल 7 सितंबर को भी बनासकांठा, साबरकांठा, मेहसाणा और कच्छ जिलों में रेड अलर्ट तथा पाटन, गांधीनगर, मोरबी, सुरेंद्रनगर और अरावली जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग की चेतावनी को ध्यान में रखते हुए संबंधित जिला प्रशासन को सभी आवश्यक अग्रिम तैयारियां करने के निर्देश मुख्य सचिव द्वारा दिए गए। मुख्य सचिव ने राज्य के विभिन्न जिलों में बने बांधों के जलस्तर और उनमें बारिश के पानी की आवक के बारे में विस्तृत जानकारी ली। इसके बाद आवश्यक होने पर बांधों से पानी छोड़ने और निचले इलाकों में बसे गांवों को पहले से ही सतर्क करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने वर्तमान वर्षा की स्थिति को ध्यान में रखते हुए जिला और तालुका प्रशासन के सभी अधिकारी-कर्मचारियों को मुख्यालय पर ड्यूटी पर उपस्थित रहने के निर्देश भी दिए। साथ ही राज्य के विभिन्न स्थानों पर तैनात एनडीआरएफ और एसडीआरएफ टीमों की जानकारी लेकर रेड अलर्ट वाले जिलों में आवश्यकता अनुसार और अधिक टीमें तैनात करने के निर्देश दिए।

अर्शदीप सिंह इतिहास रचने की दहलीज पर, इस उपलब्धि से एक विकेट दूर

दुबई(एजेंसी)। भारत आगामी एशिया कप 2025 की तैयारी कर रहा है, जो 9 से 28 सितंबर तक दुबई में आयोजित होने वाला है। इस बीच बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह 100 टी20आई विकेट पूरे करने वाले पहले भारतीय बनने की दहलीज पर हैं और कुल मिलाकर, वह ऐसा करने वाले 25वें भारतीय होंगे। इस 26 वर्षीय खिलाड़ी ने अब तक 63 टी20आई मैचों में 18.30 की औसत से 99 विकेट लिए हैं, जहां उन्होंने 8.29 की इकॉनमी से रन दिए हैं और दो बार चार विकेट लिए हैं। खेल के सबसे छोटे प्रारूप में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 4/9 है, जो उन्होंने पिछले साल टी20 विश्व कप के ग्रुप चरण के मैच में् श्व क्रिकेट टीम के खिलाफ बनाया था।

यह तेज गेंदबाज निरंतरता का प्रतीक है जिसने अपनी लाइन, लेंथ और स्विंग से बल्लेबाजों को परेशान किया है। टी20 विश्व कप 2024 के बाद से अर्शदीप ने 11 मैचों में हिस्सा लिया है और 15.15 की औसत से 20 विकेट लिए हैं जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 3/14 रहा है, जबकि उनका इकॉनमी रेट 7.87 का रहा है। अर्शदीप इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड दौरे पर गई भारतीय टीम का हिस्सा थे, जहां उन्होंने 5 टेस्ट मैच खेले थे। प्रशंसकों और पूर्व क्रिकेटरों ने कयास लगाए थे कि अर्शदीप आखिरकार अपना पहला टेस्ट मैच खेलेंगे और लाल गेंद के प्रारूप में अपने कौशल का प्रदर्शन करेंगे। हालांकि पहले तीन टेस्ट मैचों में टीम में जगह न मिलने के बाद उनका इंतजार जारी रहा और मैनचेस्टर में चौथे मैच से पहले उनके हाथ में चोट लगने के बाद यह उम्मीद भी धूमिल हो गई।

एशियाई वर्चस्व के लिए टीम इंडिया 10 सितंबर को यूएई के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगी जिसमें भारत-पाकिस्तान का बहुप्रतीक्षित मुकाबला 14 सितंबर को होगा। भारत अपना आखिरी लीग मैच 19 सितंबर को यूएई के खिलाफ खेलेगा। सुपर 4 चरण 20 सितंबर से शुरू होगा। ग्रुप चरण के बाद टूर्नामेंट सुपर 4 में जाएगा, जहां प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें क्वालीफाई करेंगी। अगर भारत ग्रुप ए में शीर्ष पर रहता है, तो उसके सभी सुपर 4 मैच दुबई में होंगे। अगर भारत दूसरे स्थान पर रहता है तो उसके सुपर 4 मुकाबलों में से एक अबू धाबी में और बाकी दो दुबई में होंगे। सुपर 4 चरण 20 से 26 सितंबर तक चलेगा। दुबई फाइनल की मेजबानी करेगा, जो 28 सितंबर को निर्धारित है।

एशिया कप के लिए भारतीय टीम

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुबमन गिल (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), जसप्रित बुमरा, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, संजू सैमसन (विकेटकीपर), हर्षित राणा, रिंकू सिंह।

रिजर्व खिलाड़ी : प्रसिद्ध कृष्णा, वाशिंगटन सुंदर, रियान पराग, ध्रुव जुरेल, यशस्वी जयसवाल।

भारतीय पुरुष कंपाउंड तीरंदाजी टीम ने विश्व चैंपियनशिप में पहला स्वर्ण पदक जीता

ग्वांगजू (दक्षिण कोरिया) (एजेंसी)। भारतीय पुरुष कंपाउंड तीरंदाजी टीम ने रविवार को यहां फाइनल में फ्रांस को हराकर विश्व चैंपियनशिप में अपना पहला स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया।

ज्योति सुरेखा वेन्नम और ऋषभ यादव की मिश्रित टीम को फाइनल में नीदरलैंड से 155-157 से हारकर रजत पदक से संतोष करना पड़ा। लेकिन 23 वर्षीय ऋषभ ने इसके तुरंत बाद बेहतर प्रदर्शन किया। उन्होंने अमन सैनी और प्रथमेश फुगे के साथ मिलकर भारत को पुरुष कंपाउंड टीम के खिताबी मुकाबले में फ्रांस पर 235-233 से रोमांचक जीत दिलाई।

तीन सेट के बाद स्कोर 176-176 से बराबर था लेकिन दूसरी वरीयता प्राप्त भारतीय टीम ने निर्णायक दौर में अपना धैर्य बनाए रखा और फ्रांस के 57 के मुकाबले शानदार 59 का स्कोर बनाकर ऐतिहासिक स्वर्ण पदक हासिल किया। भारत ने फाइनल तक के अपने सफ़र में ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और तुर्की पर प्रभावशाली जीत दर्ज की थी।

क्रिकेट के बाद धोनी की फिल्मों में जबरदस्त एंट्री, द चेज के टीजर में गोलियां चलाते आए नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय कप्तान और महान विकेटकीपर बल्लेबाज अब फिल्मों में नजर आएंगे। काफी लम्बे समय से धोनी के फिल्म जगत में खबरें आ रही थी और अब धोनी की फिल्म का टीजर रिलीज किया गया है। क्रिकेट के बाद अब धोनी 'द चेज' में दिखाई देंगे। माधवन द्वारा शेयर किए गए 'द चेज' के टीजर में धोनी गोलियां चलाते हुए नजर आए।

इस फिल्म का निर्देशन वासन बाला ने किया है, जिन्होंने इससे पहले आलिया भट्ट और वेदांग रैन की 'जिग्रा' का निर्देशन किया था। इस क्लिप में माधवन और धोनी काले रंग के कपड़े और धूप का चश्मा पहने, बंदूकें पकड़े हुए दिखाई दे रहे हैं। माधवन ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'एक मिशन। दो लड़ाके। कमर कस लीजिए - एक रोमांचक, धमाकेदार चेज की शुरूआत। 'द चेज' का टीजर अब रिलीज़ हो गया है। वासन बाला द्वारा निर्देशित। जल्द आ रही है।'

गौर हो कि धोनी ने 15 अगस्त 2020 को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था और अब वह IPL में ही नजर आते हैं। धोनी ने कुल 538 मैच खेले हैं जिसमें 90 टेस्ट, 350 वनडे, और 98 टी20 इंटरनेशनल मैच शामिल हैं। धोनी ने 38.09 की औसत के साथ 6 शतकों और 33 अर्धशतकों सहित टेस्ट में 4,876 रन बनाए हैं। वनडे में उन्होंने 50.58 की औसत से कुल 10,773 रन बनाए हैं जिसमें 9 शतक और 73 अर्धशतक शामिल हैं। टी20आई में धोनी ने 37.60 की औसत और दो अर्धशतकों सहित 1,617 रन बनाए हैं। विकेटकीपिंग के मामले में धोनी ने टेस्ट में 256 कैच और 38 स्टंप्स उड़ाए हैं। वहीं वनडे मे यह आंकड़ा 321 कैचों और 123 स्टंपिंग तक जाता है। धोनी ने टी20आई में 57 कैच और 34 स्टंप्स उड़ाए हैं।

भारत और पाकिस्तान ने किया अभ्यास, एशिया कप के लिए बेताबी बढ़ी

दुबई (एजेंसी)। शाम सात बजे के कुछ ही देर बाद आईसीसी अकादमी में सभी की निगाहें पाकिस्तान टीम के नेट एरिया पर टिक गईं। वे रविवार को शारजाह में अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले त्रिकोणीय सीरीज के फाइनल से पहले अपने अंतिम प्रशिक्षण सत्र के लिए पहुंचे थे। क्या भारत के साथ कोई क्रॉस-ओवर होगा, जो पहले से ही अपनी तैयारियों में व्यस्त था? क्या खिलाड़ी एक-दूसरे का अभिवादन करेंगे या दूरी बनाए रखेंगे? जो लोग इस पल को फिल्माने लायक होने की उम्मीद कर रहे थे, वे निराश हो गए क्योंकि दोनों टीमें अपनी-अपनी दिनचर्या में डटी रहीं।

भारत का सत्र लगभग तीन घंटे तक चला, जिसमें उनके प्रत्येक विशेषज्ञ बल्लेबाज ने मैदान पर एक घंटे से अधिक समय बिताया, उसके बाद ऑलराउंडरों ने पैड पहनकर गेंद को सभी कोनों में मारा, जिससे यह नेट सत्र की तुलना में अधिक रेंज-हिटिंग साबित हुआ जिसका उद्देश्य खिलाड़ियों को टच पाने में मदद करना था। पाकिस्तान ने नेट एरिया में एक शांत कोने में किसी की नजरों से दूर बल्लेबाजी की। उन्होंने ऐसी सतहों पर तैयारी की जो टर्न और असमान उछाल दे रही थीं, शायद टीम रविवार को राशिद खान, एएम गजनफर और नूर अहमद के खिलाफ होने वाली चुनौतियों की तैयारियों में थी। नेट से दूर, शाहीन शाह अफरीदी ने कुछ कैच लिए और हल्का वार्म-अप किया, जबकि हारिस रऊफ ने दौड़ लगाई।

आईसीसी अकादमी में विभिन्न प्रकार की पिचें हैं, लगभग 40 पिचें जिनमें से अधिकांश एशियाई हैं, लेकिन कुछ ऐसी भी हैं जो वाका, गाबा जैसी उछाल वाली परिस्थितियों की तरह हैं और कुछ स्विंग और सीम प्रदान करती हैं, जिनका पिछले कुछ दिनों में 60 से अधिक खिलाड़ियों ने अच्छा उपयोग किया, जिनमें ओमान और हांगकांग के खिलाड़ी भी शामिल हैं।

शनिवार को जब प्रशिक्षण समाप्त हुआ, तब आयोजकों ने राहत की सांस ली। पाकिस्तान को रविवार को एक मैच खेलना था और भारत ने विश्राम का दिन घोषित कर दिया था। शाम की शुरुआत भारत द्वारा 20, 40 और 60 मीटर की दूरी पर कोन्स के साथ ब्रोंको ड्रिल के साथ हुई। टीम पांच-पांच के तीन समूहों में बंट गई। ट्रेनर एड्रियन ले रॉक्स ने निर्देश दिए, सितांशु कोटक ने स्कोर बनाए रखा, जबकि मुख्य कोच गौतम गंभीर चीयरलीडर बने।

यह अभ्यास परिणामों के बारे में नहीं था, बल्कि मैच के दिन की परिस्थितियों से सामंजस्य बैठाने के बारे में था, अगर भारत हीट में पहले क्षेत्ररक्षण करता है। जैसे ही लाइटें पूरी तरह से जलीं, खिलाड़ी पूरी तरह से सेंटर विकेट नेट पर आ गए। शुक्रवार को तो सब कुछ आसान लग रहा था, लेकिन शनिवार का खेल और भी तीखा था, शायद हमें उन संयोजनों की भी झलक मिल गई जो धीरे-धीरे उभरने लगे हैं। पहले दो दिनों के प्रदर्शन को देखते हुए, ऐसा लग रहा है कि जितेश शर्मा भारत के पहले पसंद के विकेटकीपर के रूप में संजू सैमसन पर थोड़ा भारी पड़ सकते हैं।

शनिवार को उन्होंने लंबे समय तक बल्लेबाजी की और गंभीर ने नेट्स के पीछे से उन पर कड़ी नजर रखी। एक समय तो ऐसा लगा कि उन्होंने जितेश को स्कूप और पिक-अप शॉट लगाने के उनके कुछ पूर्व-नियोजित प्रयासों के बारे में सलाह दी। इस बीच सैमसन ने शुरुआत में सिर्फ़ थ्रोडाउन लिया और दूसरे बल्लेबाजों को अपनी गति से खेलते हुए देखते रहे। हालांकि, सत्र समाप्त होने से ठीक पहले उन्होंने पैड पहने और गेंद को दूर और लंबी दूरी तक मारा। पुल, फ़्लैट-बैट और कुछ शॉट ऐसे थे जिनसे उन्हें कभी-कभी अपनी शेप खोने पर मुंह बनाना पड़ा।

बीसीसीआई ने बनाया रिकार्ड, पांच साल में 14,627 करोड़ रुपये कमाये

मुम्बई ।भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की कमाई हार साल बढ़ती जा रही है। बीसीसीआई पहले ही दुनिया का सबसे धनी क्रिकेट बोर्ड है पर आईपीएल के आने के बाद उसकी कमाई और भी बढ़ी है। पिछले पांच साल के आंकड़ों पर नजर डालें तो बीसीसीआई ने 14,627 करोड़ रुपये कमाये हैं। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार बोर्ड का बैंक बैलेंस 12 महीने पहले 20,686 करोड़ रुपये था। बीसीसीआई की संपत्ति पिछले एक साल में काफी तेजी से बढ़ी है। इसका वित्तीय आंकलन 28 सितंबर को होने वाली आम बैठक में आयेगा। साल 2024 की आम बैठक में सामने आये आंकड़े के अनुसार साल 2019 से ही बीसीसीआई की नगदी और बैंक बैलेंस 6,059 करोड़ रुपये से बढ़कर 20,686 करोड़ रुपये पहुंची है। ये रकम राज्य क्रिकेट संघों को बांटी गई राशि से पहले थी। 'इसलिए साल 2019 से ही बीसीसीआई ने पिछले पांच सालों में 14,627 करोड़ रुपये की संपत्ति बनायी है। यह पिछले वित्तीय वर्ष से 4,193 करोड़ रुपये ज्यादा है। इसके अलावा 2019 से ही उसका जेनरल कोष भी 3,906 करोड़ रुपये से बढ़कर 7,988 करोड़ रुपये पहुंच गया इस प्रकार उसमें 4,082 करोड़ रुपये की बढ़त हुई है।'बीसीसीआई ने आयकर के लिए ही 3000 करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान किया है। बोर्ड के लिए राजस्व और भी अधिक होता पर अंतरराष्ट्रीय मैचों से प्रसारण अधिकार राशि पिछले साल के 2,524.80 करोड़ रुपये की तुलना में घटकर 813.14 करोड़ रुपये रह गई। एक रिपोर्ट के अनुसार, 'यह कमी पिछले साल की तुलना में साल के दौरान खेले गए अंतरराष्ट्रीय घरेलू मैचों की की कम संख्या से आई है।'

पंड्या अभ्यास सत्र में 20 करोड़ की घड़ी पहनकर उतरे

दुबई ।भारतीय क्रिकेट टीम एशिया कप के लिए यहां पहुंचने के बाद से ही अभ्यास में लगी हुई है। भारतीय खिलाड़ियों ने यहां जमकर अभ्यास किया। अभ्यास के दौरान भारतीय टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या पर सभी की नजरें रही। लंबे समय के बाद वापसी कर रहे पंड्या यहां बदले हुए हेयर स्टाइल के साथ ही 20 करोड़ रुपये की घड़ी पहनकर उतरे जिसे देखकर सभी हैरान रह गये। पंड्या की घड़ी की कीमत एशिया कप विजेता टीम को मिलने वाली रकम से भी ज्यादा है।

इस साल टूर्नामेंट की विजेता टीम को तीन लाख अमेरिकी डॉलर यानी 2.6 करोड़ रुपये मिलेंगे। वहीं हार्दिक पंड्या के हाथ के घड़ी की कीमत इससे करीब 10 गुना ज्यादा निकली है। तकरीबन 20 करोड़ है. जिस घड़ी को हार्दिक ने पहनी थी वो रिचर्ड मिल आरएम 27-04 है। इसकी कीमत तकरीब 2250000 अमेरिकी डॉलर है। जिस घड़ी को हार्दिक ने पहना था वो पूरी दुनिया में केवल 50 लोगों के पास ही है। इसे खास तौर पर स्पेन के महान टेनिस स्टार राफेल नडाल के लिए बनाया गया था। इस घड़ी का वजह केवल 30 ग्राम है। वहीं ये 12,000 जी फोर्स से भी ज्यादा के दबाव का सामन कर सकती है।

जोस बटलर मात्र 43 रन हैं दूर, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में हासिल करेंगे बड़ी उपलब्धि

साउथेम्प्टन (यूके) (एजेंसी)। इंग्लैंड के विकेटकीपर-बल्लेबाज जोस बटलर साउथेम्प्टन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपने तीसरे वनडे से पहले अपने देश के लिए 12,000 अंतरराष्ट्रीय रन बनाने से 43 रन दूर हैं। अगर बटलर इस मुकाम तक पहुंच जाते हैं, तो वह ऐसा करने वाले केवल सातवें अंग्रेजी बल्लेबाज होंगे। वर्तमान में 387 मैचों में बटलर ने 36.12 की औसत, 95.49 के स्ट्राइक रेट, 14 शतकों और 73 अर्द्धशतकों के साथ 11,957 रन बनाए हैं। वह इंग्लैंड के अब तक के सातवें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मौजूदा श्रृंखला में बटलर ने पिछले दो वनडे मैचों में 15 और 61 रन बनाए थे। इस साल 20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में बटलर ने 35.50 की औसत, 113 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट, 4 अर्धशतकों और 96 के सर्वश्रेष्ठ स्कोर के साथ 639 रन बनाए हैं। इंग्लैंड के लिए 57 टेस्ट मैचों में बटलर ने 100 पारियों में 31.94 की औसत, 2 शतकों और 18 अर्द्धशतकों के साथ 2,907 रन बनाए हैं जिसमें 152* का सर्वश्रेष्ठ स्कोर शामिल है। इंग्लैंड के लिए उनका आखिरी टेस्ट 2022 में आया था, लेकिन वह हमेशा से ही सीमित ओवरों के क्रिकेट में थ्री लायंस के लिए लगातार रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे हैं।

उन्होंने 193 एकदिवसीय मैचों में 39.05 की औसत और 115 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 5,350 रन बनाए हैं जिसमें 11 शतक और 28 अर्द्धशतक शामिल हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 162* है। इसके अलावा बटलर टी20आई में इंग्लैंड के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं, जो उनके सबसे महान सीमित ओवरों के दिग्गजों में से एक होने की उनकी स्थिति को और पुख्ता करता है। 137 मैचों और 126 पारियों में उन्होंने 35.92 की औसत और 147.05 के स्ट्राइक रेट से 3,700 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और 27 अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 101* है। वह टी20आई इतिहास में चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। इंग्लैंड के रन-स्कोरिंग चार्ट में सबसे ऊपर जो रूट हैं जिनके नाम 49.62 की औसत, 57 शतक और 114 अर्धशतकों के साथ 21,637 अंतर्राष्ट्रीय रन हैं। श्रृंखला की बात करें तो इंग्लैंड पहले ही इसे 2-0 से हार चुका है और अपने सम्मान के लिए अंतिम वनडे जीतने का लक्ष्य रखेगा।

तीसरे वनडे के लिए प्लेइंग इलेवन

इंग्लैंड : जेमी स्मिथ, बेन डकेट, जो रूट, हैरी ब्रुक (कप्तान), जोस बटलर (विकेट कीपर), जैकब बेथेल, विल जैक्स, जेमी ओवरटन, ब्रायडन कार्स, जोफ्रा आर्चर, आदिल राशिद

दक्षिण अफ्रीका : एडेन मार्करम, रयान रिकेल्टन (विकेट कीपर), टेम्बा बावुमा (कप्तान), मैथ्यू ब्रीट्ज़के, ट्रिस्टन स्टब्स, डेवाल्ड ब्रेविस, वियान मुल्डर, कॉर्बिन बॉश, केशव महाराज, कोडी यूसुफ, नंद्रे बर्गर

जिम्बाब्वे ने श्रीलंका को दूसरे टी20 में आसानी से हराकर सीरीज 1–1 से बराबर की

हरारे ।जिम्बाब्वे ने तीन मैचों की टी20 सीरीज के दूसरे मुकाबले में श्रीलंका को एकतरफा मुकाबले में हराकर सभी को हैरान कर दिया। इसी के साथ ही उसने सीरीज में 1–1 से बराबरी हासिल कर ली है। एशिया कप ठीक पहले मिली ये हार श्रीलंकाई टीम के लिए एक करारा झटका है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए लंकाई टीम मेजबान टीम के गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पायी और केवल 80 रन ही बना पायी। इसके बाद जीत के लिए मिले छोटे से लक्ष्य को जिम्बाब्वे ने 14.2 ओवर में ही पांच विकेट खोकर हासिल कर लिया। इसी के साथ ही जिम्बाब्वे 1–1 से सीरीज में बराबरी करने में सफल रही है। सीरीज का पहला मैच श्रीलंका ने जीतकर सीरीज में बढ़त ली थी जिसे वह बनाये नहीं रख सकी। जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा ने जीत पर खुशी जतायी है। वहीं श्रीलंका के कप्तान चरिथ असलंका ने कहा कि पावरप्ले में बहुत ज्यादा विकेट खोने से हमें हार मिली। यह पिच आसान नहीं थी पर हमारे बल्लेबाजों की भी गलती थी। कमील मिशारा ने श्रीलंका के लिए सबसे ज्यादा 20 रन बनाये। इसके अलावा असलंका 18 और दासुन शनाका 15 ही दो अंकों तक पहुंच पाये। वहीं मेजबानों की ओर से रजा ने 11 रन देकर 3 जबकि इवांस ने 15 रन देश्कर इतने ही विकेट लिए। 81 रन का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे की बल्लेबाजी भी अच्छी नहीं रही और उसने भी शुरुआत में अपने तीन विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद ब्रायन बेनेट 19 और रयान बर्ल 20 नाबाद ने चौथे विकेट के लिए 26 रन जोड़कर टीम को संभाला। ताशिंगा मुसेकिवा ने चौका मारकर टीम को जीत दिलायी।

सीएएफए नेशंस कप 2025 में भारत को तीसरे स्थान के मैच में ओमान से मिलेगी कड़ी टक्कर

अपने पहले प्रयास में सीएएफए नेशंस कप के प्लेऑफ में पहुंची भारतीय फुटबॉल टीम के पास सोमवार को ओमान के खिलाफ तीसरे स्थान के मैच में कड़ी चुनौती मिलेगी। भारतीय टीम अग्रिम पंक्ति में कमजोरी के बावजूद अपने ग्रुप में दूसरे स्थान के साथ प्लेऑफ में जगह पक्की करने में सफल रही। विश्व रैंकिंग में 133वें स्थान पर काबिज भारत को अपने से 54 स्थान बेहतर टीम के खिलाफ मुकाबले में अपनी इस कमजोरी से पार पाने पर ध्यान देना होगा। यह आठ टीमों का टूर्नामेंट उज्बेकिस्तान और ताजिकिस्तान द्वारा सह-आयोजित किया जा रहा है, जिसमें ग्रुप मैच क्रमश : ताशकंद और हिसोर में खेले गए हैं। ओमान और भारत दोनों अपने-अपने ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहे। उज्बेकिस्तान और ईरान की टीमें क्रमश : ग्रुप ए और बी में शीर्ष पर रहीं। ये दोनों टीमें ताशकंद में सोमवार को फाइनल मैच खेलेंगी। ओमान की टीम कागजों पर मजबूत है लेकिन भारत को हिसोर के इस मैदान पर ग्रुप चरण के अपने तीनों मैच खेलने का फायदा मिलेगा। कोच खालिद जमील की देखरेख में पहली बार खेल रही भारत ने ग्रुप बी में सह मेजबान ताजिकिस्तान पर 2-1 की जीत के साथ अपना अभियान शुरू किया। उसे ईरान के खिलाफ 0-3 ये हार का सामना करना पड़ा लेकिन टीम ने अफगानिस्तान को गोलरहित ड्रॉ पर रोककर ग्रुप में दूसरा स्थान हासिल किया। विश्व रैंकिंग में 79वें स्थान पर काबिज ओमान ने फीफा विश्व कप 2026 के लिए क्वालीफाई कर चुके उज्बेकिस्तान को 1-1 की बराबरी पर रोकने के बाद किर्गिस्तान और तुर्कमेनिस्तान को एक समान 2-1 के अंतर से हराया। भारत के खिलाफ ओमान का रिकॉर्ड काफी अच्छा है। साल 2000 के बादे दोनों टीमें के बीच नौ मैचों में ओमान ने छह में जीत हासिल की है जबकि तीन मैच बराबरी पर छूटे है। ओमान की टीम यहां एक नए कोच कार्लोस क्विरोज के साथ आई है। उन्होंने इससे पहले ईरान, यूएई और कतर की राष्ट्रीय टीमों का प्रबंधन किया है। अत्यधिक अनुभवी क्विरोज ने स्पेन के शीर्ष क्लब रियल मैड्रिड और पुर्तगाल, मिस्र और दक्षिण अफ्रीका की राष्ट्रीय टीमों को भी कोचिंग दी है। भारत के मुख्य कोच खालिद जमील ने कहा कि उनकी टीम यहां सिर्फ टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए नहीं, बल्कि एक खास मकसद से आई है। मैच से पहले की प्रेस कॉन्फ्रेंस में जमील ने कहा, ''हमारे सभी खिलाड़ी ठीक हैं और इन नतीजों के बाद सभी में सकारात्मकता है। हमें इस सकारात्मकता को अगले मैच में भी बनाए रखना होगा। मुझे पूरी उम्मीद है कि हमें एक अच्छा नतीजा मिलेगा।''

एरिना सबालेंका लगातार दूसरी बार अमेरिकी ओपन चैंपियन बनी, अमेरिका की अनिसिमोवा को हराया

दुबई (एजेंसी)। न्यूयॉर्क - दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी एरिना सबालेंका ने कुछ विषम पलों से गुजरने के बाद अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा को सीधे सेटों में हराकर लगातार दूसरी बार अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में महिला एकल का खिताब जीता। सबालेंका जब खिताब से दो अंक दूर थीं, तब उन्होंने एक ऐसा ओवरहेड स्मैश लगाया जो आसान शॉट होना चाहिए था लेकिन उन्होंने उसे नेट में उलझा दिया जिससे अनिसिमोवा को ब्रेक का मौका मिल गया। सबालेंका ने हालांकि अपना धैर्य बनाए रखा और आखिर में 6-3, 7-6 (3) से जीत दर्ज करके अपने करियर का चौथा ग्रैंड स्लैम खिताब जीता। इस तरह से उन्होंने इस साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन और फ्रेंच ओपन के फाइनल में अमेरिकी खिलाड़ियों से मिली हार की पीड़ा भी खत्म कर दी।

सबालेंका ने जीत हासिल करने के बाद कोर्ट पर अपना रैकेट गिरा दिया और मुस्कान बिखेर दी। उन पर भावनाओं का ज्वार उमड़ रहा था क्योंकि एक बार उनके मन में संदेह पैदा हो गया था। उन्होंने मैच के बाद कहा, 'मेरे मन में शक घर कर गया था लेकिन इसके बाद मैं पलटी और मैंने गहरी सांस ली। मैंने खुद से कहा कि चलो ठीक है ऐसा होता है। यह बीती बात है और अब अगले अंक पर ध्यान दो।'

11 वर्षों में खिताब का बचाव करने वाली पहली महिला

सबालेंका पिछले 11 वर्षों में पहली महिला खिलाड़ी बन गई है जिन्होंने अमेरिकी ओपन में अपने खिताब का बचाव किया। उनसे पहले यह कारनामा सेरेना विलियम्स ने किया था। वह 2012 से लेकर 2014 तक लगातार तीन बार चैंपियन बनी थी। अमांडा को लगातार दूसरे ग्रैंड स्लैम के फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। वह जुलाई में विंबलडन के फाइनल में इगा स्वियातेक से हार गई थी। उस मैच में वह एक भी गेम नहीं जीत पाई थी लेकिन शनिवार को यहां उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन अवसरों का फायदा नहीं उठा पाई।

सबालेंका कड़ी मेहनत करती है और इसी लिए आज इस मुकाम पर हैं : अनिसिमोवा

अमेरिका की इस 24 वर्षीय खिलाड़ी (अनिसिमोवा) ने सबालेंका की तारीफ करते हुए कहा, 'मैं वास्तव में उनकी बहुत प्रशंसा करती हूं। वह कड़ी मेहनत करती है और इसी लिए आज इस मुकाम पर हैं। मुझे भी मौके मिले थे लेकिन मैं उन्हें नहीं भुना सकी।' बेलारूस की 27 वर्षीय सबालेंका ने अपनी चौथी ग्रैंड स्लैम ट्रॉफी जीती। उन्होंने अपने सभी खिताब हार्ड कोर्ट पर जीते हैं। इस जीत से वह 2006 में जस्टिन हेनिन के बाद एक सत्र में तीन प्रमुख फाइनल हारने वाली पहली महिला बनने से बच गईं।

मैं हार का यह सिलसिला तोड़ने के लिए प्रतिबद्ध थी : सबालेंका

सबालेंका मेलबर्न पार्क में मैडिसन कीज से तथा रोलैंड-गैरोस में कोको गॉफ से हार गई थी। शनिवार को उनके दिमाग में इन हार की तस्वीर भी बनी हुई थी। उन्होंने कहा, 'ऑस्ट्रेलियाई ओपन के बाद, मैंने सोचा कि सही यही होगा कि इसे भूलकर आगे बढ़ जाऊं। लेकिन फिर फ्रेंच ओपन में भी यही हुआ। मैंने उन फाइनल को देखा और मैं हार का यह सिलसिला तोड़ने के लिए प्रतिबद्ध थी और मुझे खुशी है कि मैं इसमें सफल रही।'

पोलार्ड ने सीपीएल में 18 गेंदों में नाबाद 54 रन बनाए , अब तक का संयुक्त रूप से तीसरा सबसे तेज अर्धशतक लगाया

जमैका ।यहां जारी कैरिबियाई प्रीमियर लीग (सीपीएल) में ट्रिनबागो नाइट राइडर्स की ओर से खेल करे आक्रामक बल्लेबाज कीरोन पोलार्ड ने गुयाना अमेजन वॉरियर्स के खिलाफ मुकाबले में तेजी से अर्धशतक लगा दिया। पोलार्ड ने 18 गेंदों में ही नाबाद 54 रन बना दिये। इस पारी में उन्होंने पांच चौके और इतने ही छक्के लगाये। इस मैच में पोलार्ड छठे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे थे। पोलार्ड ने केवल 17 गेंदों में ही अर्धशतक लगाया। यह उनका सीपीएल में सबसे तेज अर्धशतक रहा है। वहीं, इस लीग में अब तक का संयुक्त रूप से तीसरा सबसे तेज अर्धशतक है। इससे पहले केविन लुईस और डेविड मिलर ने 17-17 गेंदों में अर्धशतक लगाये थे। सीपीएल में सबसे तेज अर्धशतक का रिकॉर्ड आंद्रे रसेल के के नाम है। रसेल ने 14 गेंदों में ही ये उपलब्धि हासिल की थी। जेपी डुमिनी ने 15 गेंदों में अर्धशतक लगाया था। पोलार्ड ने रोमारियो शेफर्ड के अंतिम ओवर में जकर चौके छक्के लगाये।

अली गोनी को एक्ट्रेस निया शर्मा ने किया सपोर्ट

टीवी एक्टर अली गोनी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह गणेश उत्सव के दौरान गणपति बप्पा मोरया का जयकारा नहीं लगाते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो में उनके साथ निया शर्मा और जैस्मिन भसीन भी दिखाई दे रही हैं।

इसके बाद अली को सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। अब इस मामले में निया शर्मा ने रिएक्शन देते हुए एक्टर का सपोर्ट किया है। निया शर्मा ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अली और जैस्मिन के साथ एक फोटो शेयर की। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, किसी के त्योहार का हिस्सा बनना ही अपने आप में सबसे बड़ा सम्मान है। और हम भारत में गणपति, ईद और हर त्योहार को एक जैसी श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाते हैं।

जानें क्या है पूरा मामला?

मुंबई में हुए गणपति उत्सव के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। इन क्लिप्स में देखा गया कि जहां जैस्मिन भसीन और उनके दोस्त जोश से बप्पा के नाम के जयकारे लगा रहे हैं, वहीं अली गोनी चुपचाप एक ओर खड़े नजर आ रहे हैं। वीडियो सामने आते ही अली गोनी को सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जाने लगा। एक यूजर ने लिखा, इतना अनकंफर्टेबल फील हो रहा है तो आया क्यों? जैस्मिन को सोचना चाहिए। वहीं एक अन्य ने कमेंट किया, जब बोलना नहीं था तो आया ही क्यों? इसके अलावा भी कई यूजर्स ने इस पर प्रतिक्रिया दी।

डू यू वाना पार्टनर में अभद्र भाषा के इस्तेमाल पर श्वेता तिवारी

वेब सीरीज 'डू यू वाना पार्टनर' का ट्रेलर हाल ही में रिलीज किया गया था। इसमें तमन्ना भाटिया के साथ डायना पेंटी, जावेद जाफरी, नकुल मेहता, श्वेता तिवारी, नीरज काबी, सूफी मोतीवाला और रणविजय सिंह भी अहम किरदार में दिखाई देंगे। सीरीज में दो लड़कियों की कहानी है, जो अपना खुद का स्टार्टअप शुरू करने निकली हैं। इसके लिए उन्हें निवेशकों की जरूरत है। 'डू यू वाना पार्टनर' में अभिनेत्री श्वेता तिवारी भी हैं। उनके किरदार का नाम लैला है। वह एक दबंग महिला गैंगस्टर है। अपने किरदार को रियल बनाने के लिए उन्हें कुछ अभद्र भाषा का प्रयोग भी करना पड़ा। इस सीन को करते समय श्वेता को काफी मुश्किलें हुई। ऐसे में तमन्ना भाटिया ने आगे बढ़कर उनकी मदद की, उस पल को वो कभी नहीं भूल पाएंगी।

श्वेता तिवारी ने सीन को याद करते हुए कहा, सीरीज में एक सीन है, जहां मुझे खूब अभद्र भाषा का प्रयोग करना था। इसे करते समय मैं वाकई में कांप रही थी। सबके सामने ऐसा करना मेरे लिए सहज नहीं था। मैं कोशिश कर रही थी, लेकिन मुझसे हो नहीं रहा था। तभी, तमन्ना भाटिया आगे आईं और मेरा हाथ पकड़कर जोर-जोर से डायलॉग बोलने लगीं। तमन्ना भाटिया ने ही उन्हें उस सीन को पूरा करने के लिए प्रेरित किया, वह उस मुश्किल वक्त में श्वेता के साथ खड़ी रहीं। अभिनेत्री ने बताया कि तमन्ना की वजह से ही मैं यह सीन कर पाई। जिस तरह से उन्होंने श्वेता को सीन करने में मदद की, उसे वो कभी नहीं भूल पाएंगी। श्वेता ने कहा कि यह सीरीज बहुत ही दिलचस्प है, जो दर्शकों को बहुत पसंद आएगी।

यह सीरीज धर्माटिक एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी है, जिसके निर्माता करण जौहर, अदार पूनावाला और अपूर्व मेहता हैं। इस सीरीज का निर्देशन कॉलिन डी'कुन्हा और अर्चित कुमार ने किया है। इसकी पटकथा नंदिनी गुप्ता, आर्ष वोरा और मिथुन गंगोपाध्याय ने लिखी है। शोमेन मिश्रा और अर्चित कुमार सीरीज के एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर हैं। डू यू वाना पार्टनर का प्रीमियर 12 सितंबर को प्राइम वीडियो पर किया जाएगा।

इस इवेंट में बतौर ज्यूरी मेंबर शामिल हुईं दीपिका

अभिनेत्री दीपिका पादुकोण हाल ही में एक इवेंट में शामिल हुईं। अभिनेत्री बतौर ज्यूरी मेंबर इवेंट का हिस्सा बनीं और विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए दीपिका ने अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं, जिनमें बेहद स्टाइलिश लग रही हैं। अपने अंदाज और स्टाइल से दीपिका ने फैंस का दिल जीत लिया है। दीपिका ने अपने फैशन सेंस और स्टाइल से न सिर्फ फैंस को दीवाना बनाया है, बल्कि ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर भारत का नाम भी ऊंचा किया है। दीपिका ने स्वीडिश डिजाइनर एलेन होडकवा लार्सन को मेन प्राइज प्रेजेंट किया, साथ ही सभी विनर्स को बधाई दी हैं।

दिशा पाटनी की हॉलीवुड फिल्म 'हॉलीगार्ड्स' का टीजर लॉन्च

अभिनेत्री दिशा पाटनी की हॉलीवुड फिल्म 'हॉलीगार्ड्स' का टीजर रिलीज हो गया है। खास बात यह है कि इसे वेनिस फिल्म फेस्टिवल में लॉन्च किया गया। इस फिल्म से वे हॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। 'हॉलीगार्ड्स' में वे इस फिल्म में जबरदस्त एक्शन करती दिखाई देंगी। फिल्म में दो कबीले मानव के भविष्य को बचाने के लिए लड़ते दिखाई देंगे। इसे ऑस्कर विजेता फिल्म निर्माता केविन स्पेसी ने डायरेक्ट किया है। फिल्म में डॉल्फ लुंडग्रेन, टायरेस गिब्सन और ब्रायना हिल्डब्रैंड जैसे कलाकार भी हैं। इंस्टाग्राम पर दिशा पाटनी ने कुछ समय पहले इस हॉलीवुड फिल्म में होने की बात कही थी। तब उन्होंने इसके सेट से एक तस्वीर भी फैंस के लिए साझा की थी। इस फिल्म के अलावा दिशा के पास वेलकम 3 भी है, जिसमें बहुत सारे स्टार्स होंगे। इसके साथ ही वे प्रभास की फिल्म कल्कि के पार्ट 2 में भी दिखाई देंगी। वहीं कुछ समय पहले पता चला था कि दिशा पटानी, विशाल भारद्वाज की आने वाली फिल्म में शाहिद कपूर के साथ स्क्रीन शेयर करती दिखाई देंगी। कहा जा रहा है कि फिल्म में दिशा का स्पेशल कैमियो होगा। यह पहली बार होगा जब दिशा पाटनी और शाहिद कपूर पहली बार साथ दिखाई देंगे। इस जोड़ी को साथ देखने के लिए फैंस पहले से ही उत्साहित हैं।

अनुष्का शेट्टी की फिल्म घाटी के लिए उत्साहित हैं प्रभास

साउथ की मशहूर एक्ट्रेस अनुष्का शेट्टी एक बार फिर बड़े पर्दे पर लौट रही हैं। वह इन दिनों अपनी नई फिल्म घाटी को लेकर चर्चाओं में हैं। यह फिल्म 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है और फैंस की नजरें बस इसी पर टिकी हैं। रिलीज से एक दिन पहले सुपरस्टार प्रभास ने अनुष्का को खास शुभकामनाएं दी। प्रभास ने अपने इंस्टाग्राम पर एक प्यारी सी स्टोरी पोस्ट की है, जिसमें उन्होंने घाटी का ट्रेलर लिंक भी अपलोड किया है और अनुष्का को बड़े ही अपनेपन से स्वीटी कहकर शुभकामनाएं दी हैं। प्रभास ने लिखा है, घाटी बहुत ही दमदार लग रही है। स्वीटी, मैं तो आपको इस ताकतवर रोल में देखने के लिए बहुत उत्साहित हूं। पूरी टीम को मेरी तरफ से ढेर सारी शुभकामनाएं! फिल्म में अनुष्का को एक्शन अवतार में देखा जाएगा।

प्रभास और अनुष्का की दोस्ती किसी से छिपी नहीं है। दोनों ने ब्लॉकबस्टर फिल्म बाहुबली में एक साथ काम किया था। अनुष्का शेट्टी इस फिल्म से करीब दो साल बाद वापसी कर रही हैं। पिछली बार वह 2023 की फिल्म मिस शेट्टी मिस्टर पोलिशेट्टी में नजर आई थीं, जिसमें उन्होंने हल्का-फुल्का किरदार निभाया था। घाटी में उनका अंदाज एकदम अलग है। फिल्म की कहानी में अनुष्का एक ऐसी महिला का किरदार निभा रही हैं, जो नशे के कारोबार में उलझ जाती है और हर कदम उसके लिए खतरा बन जाता है। इसमें अपराध की दुनिया के साथ-साथ संघर्ष, हिम्मत और जीने की जद्दोजहद को भी दिखाया गया है। फिल्म का निर्देशन कृष जगरलामुदी ने किया है। यह जगरलामुदी के साथ अनुष्का की दूसरी फिल्म है। इससे पहले दोनों ने हिट फिल्म वेदम में साथ काम किया था। इस फिल्म में अनुष्का शेट्टी के अलावा, विक्रम प्रभु भी लीड रोल में हैं।

दो साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रहीं अनुष्का

'घाटी' से अनुष्का शेट्टी लगभग दो साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं। अनुष्का आखिरी बार साल 2023 में आई फिल्म 'मिस शेट्टी मिस्टर पोलिशेट्टी' में नजर आई थीं। यह एक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म थी, जिसे पसंद किया गया था। अब अनुष्का इस बहुप्रतीक्षित फिल्म से बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं।

धड़क 2 मेरे लिए अहम फिल्म साबित हुई है

फैजाबाद जैसे छोटे से कस्बे से आने वाले साद बिलग्रामी ने टीचरी, मिमिक्री, कोरियोग्राफी, राइटिंग और कॉन्टेंट क्रिएटर के रूप में काफी काम किया, मगर खुदा हाफिज वन और टू के बाद पंचायत, गुल्लक, लूटकांड के बाद वे चर्चा में आए धड़क 2 से। यहां उनके सफर पर खास बातचीत।

साद को ऐसे मिला था काम

साद ने आगे कहा, उस समय मैं काम के लिए लगातार लोगों को मैसेज करता था। तब जिब्रान नूरानी ने मुझे आरवीसीजे में आने का मौका दिया। मैंने एंकरिंग, राइटिंग, एक्टिंग सबकुछ किया। वहां मैंने 4 साल नौकरी की। फिर मैं टीवीएफ में लेखक के रूप में जुड़ा। वहां काम करते-करते खुदा हाफिज मिल गई। घर वापसी, खुदा हाफिज 2, लूटकांड जैसे प्रोजेक्ट्स से मेरे अभिनय का सिलसिला चल निकला।

नेटफ्लिक्स का ऑफर ठुकराया

मुझे नेटफ्लिक्स की एक सीरीज ऑफर हुई थी, जो मैंने की नहीं, क्योंकि मुझे उसका रोल पसंद नहीं आया। लोगों ने मुझे कहा, तुम्हारे पास है क्या? तुम लिखते हो, छोटा-मोटा कॉन्टेंट बनाते हो? क्यों मना कर रहे हो? बीच में मुझे एक बहुत बड़े सुपर स्टार की फिल्म मिली थी, मगर मैं उस रोल के लिए भी हामी नहीं भर पाया, क्योंकि मुझे अपने रोल के बारे में पता ही नहीं था। लोगों ने तब भी मुझे पागल कहा, मगर मेरे लिए सब्र का फल मीठा साबित हुआ।

मिमिक्री करने की नसीहत दी

रिजेक्शन के दौर भी खूब आए साद की जिंदगी में। वे कहते हैं, मैं नाम नहीं बताना चाहूंगा, मगर एक जानी-मानी हस्ती ने मुझे सीधे कहा था, तुम मिमिक्री करने के लिए बने हो। कहां एक्टिंग-वेक्टिंग के चक्कर में पड़े हो। अभिनय एक कला है, जो तुम्हारे बस का नहीं है। तुमको तो बस मिमिक्री करते रहना चाहिए।

अनुराग कश्यप ने गले लगाया

उस दिन मैं टैरेस पर जाकर खूब रोया और मैंने उस बात को अपनी डायरी में लिख दिया। उसके बाद मैंने एफटीआईआई (फिल्म एंड टेलिविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया) जाने का फैसला किया, क्योंकि मुझे खुद पर डाउट होने लगा था। मगर मेरे लेखक दोस्त के कहने पर मैं आरवीसीजे और टीवीएफ से जुड़ा रहा और कई वीडियोज किए। अब धड़क 2 मेरे लिए अहम फिल्म साबित हुई है। धड़क 2 के लिए तो मुझे ईशान खट्टर का मैसेज आया। अनुराग कश्यप गले मिले तो बिजॉय नंबियार से खूब तारीफ मिली। सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी के साथ अपने काम करने के अनुभव के बारे में उनका कहना था, फिल्म के प्रीमियर के बाद सिद्धांत हमें अपने घर लेकर गए और हमारे साथ खूब नाचे, हमें खाना खिलाया। मगर इतना जरूर कहूंगा कि फिल्म में सिद्धांत पर सुसु करने वाला सीन मेरे लिए काफी अनकंफर्टेबल था।

एनिमल के बाद बदलीं तृप्ति

जहां तक तृप्ति की बात है, तो एनिमल की कामयाबी के बाद वे और ज्यादा विनम्र हो गईं। जातीय भेदभाव के मुद्दे पर वे कहते हैं, मैं लखनऊ के खैराबाद से हूं और वहां बहुत ही सेक्युलर माहौल है। मैंने कभी जातीय भेदभाव का सामना नहीं किया। हां अखबार और न्यूज चैनल में तो हम ये चीजें पढ़ते ही रहते हैं। मुझे पता चला कि 70 प्रतिशत इंडिया रूरल एरिया में बसता है और वहां आज भी ये चीजें होती हैं। फिर मेरे एक परिचित ने बताया कि निम्न जाति से होने के कारण लोग उनसे कतराते हैं, उनके साथ खाना-पीना पसंद नहीं करते। मुझे जानकर बहुत अफसोस हुआ, तब मुझे लगा कि मुझे इस तरह की मुद्दे की फिल्म जरूर करनी चाहिए।

फेसपैक रात के लिए

दलिया से बने फेसपैक को रात में आसानी से इस्तेमाल किया जा सकता है, जो काफी लाभप्रद होता है। इसे बनाने के लिए दो चम्मच दलिया लें। इसमें ऑयल की कुछ बूंद डालकर पेस्ट बना लें और इस पेस्ट में एक चम्मच शहद और 2-3 चम्मच नींबू का रस मिला लें। इस मिश्रण को चेहरे पर लगा लें। जब मिश्रण सूखने लगे तो स्क्रब कर लें बाद में निकाल दें। गर्म पानी से चेहरा धोएं।

जब सिर में हो खारिश

केले में शहद मिला कर मसल लें। उसमें प्याज का रस मिक्स करें। फिर इसे बालों की जड़ों में लगा कर 20 मिनट तक छोड़ दें और बाद में शैंपू कर लें। इस मास्क से रूसी खत्म होगी। जै तून का तेल लें और उसे गरम करें। उसमें शहद की कुछ बूंदें डालें और उससे सिर की कुछ देर मसाज करें। बीस मिनट के बाद सिर को शैंपू से धो लें। खारिश दूर हो जाएगी।

हाथों को सुंदर बनाने के टिप्स

खूबसूरत हाथ सभी को आकर्षित करते हैं। अपने हाथों को सुंदर बनाने के लिए आप मैनिक्योंर करवा कर हाथों को हमेशा नर्म और मुलायम बना सकती हैं। हाथों को खूबसूरत बनाएं रखने के लिए जानें ये मेनिक्योंर टिप्स-

हाथ रुखे होने पर आप इनमें तेज खुशबू वाला लोशन लगाएं।

अक्सर नेलपॉलिश हटाने के बाद नेल्स रुखे हो जाते हैं ऐसे में आप नेल रिमूवर में कुछ बूंदें जोजोबा ऑयल की डालें और इसे नेपॉलिया हटाने केबाद नाखूनों पर लगाएं।

नेलपॉलिश को ज्यादा दिनों तक फ्रेश बनाए रखने के लिए शीशी के मुंह पर क्यूटिकल ऑयल लगाएं और शीशी बंद कर दें।

गीले हाथों पर नेल फाइलिंग न करें, क्योंकि गीले होने पर नाखून कमजोर हो जाते हैं। नाखूनों को एक ही दिशा में फाइल करें नहीं तो वे टूट भी सकते हैं।

घर सजाओ कुछ हटकर

होम डेकोर में कुशन, कर्टन, बेड कवर आदि की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, क्योंकि इनसे आप कम समय में घर का मेकओवर कर सकती हैं, इसलिए अलग-अलग उत्सव के लिए खास कलेक्शन रखें।

दीवारों पर सॉफ्ट कलर का पेंट है, तो एक्सेसरीज ब्राइट कलर की और दीवारों का कलर हाईलाइट करना हो, तो एक्सेसरीज सॉफ्ट रखें। घर का लुक अच्छा आता है।

पहले ही डिसाइड कर लें कि आपको कमरे का लुक एथनिक चाहिए या फिर मॉडर्न। इस बात को ध्यान में रखकर ही कमरे को सजाने की शुरूआत करनी चाहिए। कुशन और बेड कवर्स के साथ भी एक्सपेरिमेंट किया जा सकता है। अजकल मार्केट में कई तरह के कुशन कवर्स और बैड कवर्स उपलब्ध है जो आपके कमरे की सजावट को कॉम्प्लीमेंट करेगा। दीवारों पर भी रंग कुछ हटकर चुन सकते हैं। इससे कमरे की काया ही बदल जाएगी।

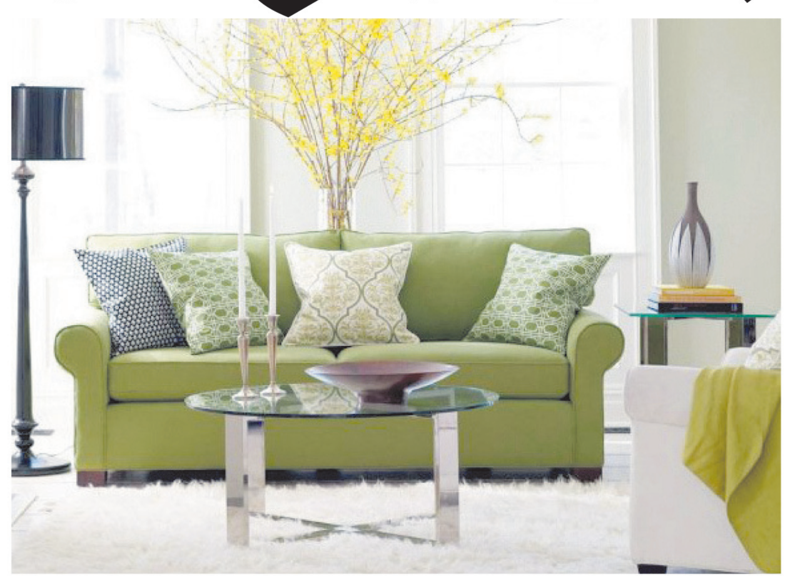

बटुआ बना नया

फैशन ट्रेंड

यह सच है कि फैशन हर पल बदलता रहता है। इन दिनों बटुओं को सबसे ज्यादा फैशन है। जहां पहले लड़कियां बड़े बैग्स कैरी करना पसंद करती थीं वहीं इन दिनों बड़े बैग की जगह उनके हाथों में छोटा बटुआ देखने को मिलता है। कमाल की बात यह है कि ये बटुए हर शेप, साइज और रंग में मिलते हैं। इन बटुओं की खासीयत यह है कि इन्हें आप हाथ में रख सकती है और साथ ही जब चाहें कंधे पर टांग भी सकती हैं।

यह हर ड्रेस के हिसाब से मैंचिग की जा सकती है।

अब आपको इंडियन आउटफिट पसंद हो या वेस्टर्न बटुआ हर ड्रेस के साथ मैच हो जाता है। बटुए अब हर तरह के मैटीरियल में उबलब्ध हैं। लैदर, रैक्सीन, जूट, कपड़े में यह मार्केट में पाए जाते हैं। एम्ब्रॉएडरी, सीक्वेंस वर्क, स्टोन वकआदि हर रूप में पाया जाता है। बटुआ हर एज ग्रुप को इम्प्रेस करता है। चहे फिर वह कॉलेज गोइंग गर्ल्स हो या फिर हाउसवाइफ या फिर वर्किंग वुमन। यह सबका फेवरेट है।

डाइनिंग टेबल डेकोर

घर की शोभा बढ़ाने में डाइनिंग टेबल का भी बड़ा हाथ होता है। डायनिंग टेबल से लिविंग रूम की शोभा चार गुना बढ़ती है और अगर यह ठीक से अरेंज हो तो इसकी खूबसूरती में चार चांद लगा देती है। डायनिंग टेबल सैट करते वक्त कुछ बातों को ध्यान में रखना चाहिए।

1. डानइनिंग टेबल साफ रखें। अपनी डायनिंग टेबल को हमेशा साफ रखें। अगर आपके घर पर पार्टी है या फिर गेस्ट आने वाले हैं तो अपनी डायनिंग टेबल को पोंछ कर ही उस पर नैपकिंस और पल्ट्स सजाएं।

* डाइनिंग टेबल पर टेबल मैट ऐसा होना चाहिए चाहिए जो दिखने में खूबसूरत होने के साथ-साथ साफ करने में भी आसान हो।
* टेबल पर बीचों-बीच एक सेंटर पीस रख देने से टेबल पर रखें अन्य समान अपनी जगह पर ठीक से अरेंज हो जाएंगे। सेंटर पीस के रूप में आप फूलों का वास या शो पीस आदि रख सकती हैं। अगर आपको सेंटरपीस नहीं रखने का मन है तो आप वहां पर नैपकिन का सेट भी रख सकती हैं।
* कटलरी परोसे गए खाने के आइटम के हिसाब से होनी चाहिए। इसे बाहर से अंदर के हिसाब से रखना चाहिए।
* डाइनिंग टेबल पर ज्यादा भीड़ न लगाएं, डिनर के लिए अपने डायनिंग टेबल को यूजर फ्रेंडली बनाइए। वहां पर केवल वही चीजें रखें जिनकी जरूरत हों।